हिन्दी साप्ताहिक

R.N.I.No.-UPHIN/2012/47484

जन नायक सम्राट

सच के साथ : सच्ची बात

www.jnsnews24.com

jnsnews24aligarh@gmail.com

वर्ष : 11 अंक : 32 | अलीगढ़, बुधवार, 27 सितम्बर 2023 | पृष्ठ : 8, मूल्य : 2 रूपये

2023-24 में 62 हजार मार्गों का कायाकल्प करेगी योगी सरकार

लखनऊ(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के लोक निर्माण विभाग ने दावा किया है कि 2023–24 में 62 हजार से अधिक मार्गों को गड्ढामुक्त व रीस्टोरेशन वर्क्स से सुदृढ़ बनाने की प्रक्रिया को विस्तृत कार्ययोजना क्रियान्वयन के जरिए धरातल पर उतारा जा रहा है। आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को बताया कि बुनियादी सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए सरकार प्रदेश की व्यापक कायाकल्प की दिशा में लगातार प्रयास कर रही है। इस बात का प्रमाण सड़क सौंदर्यीकरण, गड्ढामुक्ति व मार्गों के रीस्टोरेशन प्रक्रिया को लेकर भी देखा जा सकता है।

लोकनिर्माण विभाग के आंकड़ों के अनुसार, प्रदेश में वर्ष 2023–24 के बीच गड्ढा मुक्ति व रिस्टोरेशन कार्यों के लक्ष्यों को हासिल करने में लोक निर्माण विभाग ने अपने टारगेट का 30 प्रतिशत कार्य पूरा किया है। वहीं, राष्ट्रीय मार्गों की बात करें तो उसने अब तक 75.30 प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति में सफलता पायी है। कुल मिलाकर, वर्ष 2023–24 में 62 हजार से अधिक मार्गों को गड्ढामुक्त व रीस्टोरेशन वर्क्स से सुदृढ़ बनाने की प्रक्रिया को विस्तृत कार्ययोजना क्रियान्वयन के जरिए धरातल पर उतारा जा रहा है। उन्होने बताया कि लोकनिर्माण विभाग द्वारा

इस वर्ष अब तक 275 करोड़ रुपए प्रदेश के सभी जिलों को निर्धारित मार्ग सुदृढ़ीकरण के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए आवंटित किया जा चुका है तथा योगी सरकार द्वारा लगातार कार्य पूर्ति की मॉनिटरिंग भी की जा रही है। प्रदेश में लोक निर्माण विभाग के आधीन कुल मिलाकर 1.14 लाख किमी है। इसमें से इस वर्ष 62 हजार से ज्यादा सड़कों का मेकओवर करना निर्धारित किया गया है। इसमें से गड्ढा मुक्ति का लक्ष्य 44869 मार्गों का निर्धारित है जबकि 17588 सड़कों के नवीनीकरण व रीस्टोरेशन प्रक्रिया को मूर्त रूप दिया जाना प्रस्तावित है। इसमें से गड्ढामुक्ति की दिशा में 1711 व 5277 मार्गों का रीस्टोरेशन वर्क्स इस वर्ष अब तक पूरा कर लिया गया है। यानी, कुल 6988 मार्गों पर लोक निर्माण विभाग द्वारा अब तक कार्य किया गया है। इसमें से गड्ढा मुक्ति के कार्यों का प्रतिशत 3.81 रहा जबकि रीस्टोरेशन कार्यों के लक्ष्यों को 30 प्रतिशत पूरा गया है।उल्लेखनीय है कि लोक निर्माण विभाग के आधीन मंडी, पंचायती राज, सिंचाई, ग्राम्य विकास, नगर विकास, गन्ना, आवास एवं शहरी नियोजन व अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास विभाग से संबंधित सड़कें आती हैं और इन सभी विभागों के समायोजन से प्रदेश में सड़क सुदृढ़ीकरण की प्रक्रिया को बढ़ावा दिया जा रहा है। वर्ष 2023–24 में राष्ट्रीय मार्गों की कुल 364 गड्ढामुक्ति व रीस्टोरेशन वर्क्स को अभी तक पूर्ण किया जा चुका है। राष्ट्रीय मार्गों पर गड्ढा मुक्ति के कार्यों में अब तक 28.35 प्रतिशत सफलता मिली है जबकि रीस्टोरेशन वर्क्स को 75.30 प्रतिशत तक पूर्ण कर लिया गया है। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय मार्ग विभाग की चार जोन प्रदेश में कार्यरत हैं। इनमें से नेशनल हाइवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई–पश्चिम यूपी) ने इस वर्ष सबसे अच्छा प्रदर्शन करते हुए गड्ढा मुक्ति के निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने में 62.57 व रीस्टोरेशन वर्क्स को पूर्ण करने में 88.70 प्रतिशत सफलता हासिल

पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर सीएम ने किया माल्यार्पण

लखनऊ(संवाददाता)। पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 107वीं जयंती पर देश उनको नमन कर रहा है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर लखनऊ केकेसी विद्यालय पर उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करने के साथ ही उनको नमन किया। इस दौरान डिप्टी सीएम बृजेश पाठक, वित्त मंत्री सुरेश खन्ना भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पंडित दीनदयाल के सपने को पीएम नरेन्द्र मोदी सरकार पूरा कर रही है। उनके दर्शन पर ही ही स्वास्थ्य बीमा का कवर देने का काम किया जा रहा है। उनका दर्शन सरकारों के लिए मार्गदर्शिका है।

इस मौके पर यूपी के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी श्रद्धेय दीन दयाल उपाध्याय के मानववाद के सिद्धांत पर आगे बढ़कर दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी बनी है। आज पंडित दीन दयाल उपाध्याय को श्रद्धा सुमन अर्पित करने के साथ ही जिस तरीके से उनके सपनों को जन–जन तक पहुंचाने का काम उत्तर प्रदेश सरकार कर रही है। उसमें आप सभी का बहुत ही बड़ा योगदान रहा है। चाहे हर गरीब को पक्का मकान दिलाना हो। हर गरीब को 5 लाख तक का निशुल्क इलाज हो या उज्जवला योजना के तहत गैस कनेक्शन जैसी कई योजनाओं को हमने देने का काम किया है।

ओडिशा विधानसभा में हंगामा, सदन की कार्यवाही स्थगित

भुवनेश्वर (एजेंसी) । ओडिशा विधानसभा में सोमवार को उस समय हंगामा हुआ जब विपक्षी भारतीय जनता पार्टी और सत्ता पक्ष के सदस्यों ने एक–दूसरे पर आरोप लगाए और नारे लगाए, जिससे अध्यक्ष प्रमिला मलिक को सदन की कार्यवाही अपराह्न चार बजे तक के लिए स्थगित करनी पड़ी। विधानसभा अध्यक्ष को आज दो बार सदन स्थगित करने के लिए मजबूर होना पड़ा। पहले सुबह 10. 33 बजे से 11.30 बजे तक और फिर 11.50 बजे से शाम चार बजे तक सदन की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी क्योंकि भाजपा और बीजू जनता दल दोनों दलों के सदस्यों ने अपनी सीटों से नारेबाजी करते हुए सदन में हंगामा खड़ा कर दिया। प्रश्नकाल शुरू करने के लिए सुबह साढ़े दस बजे जैसे ही सदन की कार्यवाही शुरू हुई, विपक्ष के मुख्य सचेतक मोहन माझी के नेतृत्व में भाजपा सदस्य वेल में आ गए और सरकार के खिलाफ नारे लगाने लगे। भाजपा सदस्यों ने बिना कोई कारण बताए स्थगन प्रस्ताव की स्वीकार्यता पर बहस के लिए अध्यक्ष की ओर से उनके नोटिस को अस्वीकार करने का विरोध किया। उन्होंने इस मुद्दे पर हंगामा किया और मुख्यमंत्री से स्पष्टीकरण की मांग की कि कौन श्रेष्ठ है, मंत्री या सचिव? भाजपा सदस्यों का मुकाबला करने के लिए सत्तारूढ़ बीजद सदस्यों ने केंद्र सरकार की लापरवाही और कटक–संबलपुर राष्ट्रीय राजमार्ग का निर्माण कार्य पूरा नहीं होने का आरोप लगाया। सदन में नारों और हंगामों के बीच अध्यक्ष ने सबसे पहले इसे 1033 बजे से 1130 बजे तक सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी। स्थगन के बाद जब सदन

की कार्यवाही शुरू हुई तो स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया क्योंकि जब अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री को बयान देने के लिए बुलाया तो भाजपा सदस्य फिर से आसन के सामने आ गये और नारे लगाने लगे।

उत्तेजित भाजपा सदस्यों ने सदन में 'लोकतंत्र की हत्या अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी' के नारे लगाते हुए हंगामा किया और मुख्यमंत्री से यह स्पष्ट करने की मांग की कि कौन श्रेष्ठ है, 'सचिव या मंत्री।' हंगामे की स्थिति के बीच मुख्यमंत्री ने एक बयान पढ़ा जो सुनने में नहीं आया। मुख्यमंत्री ने जैसे ही अपनी बात पूरी की विपक्ष के नेता जयनारायण मिश्र विधानसभा अध्यक्ष की ओर से खारिज किये गये भाजपा सदस्यों के सवालों को पढ़ते दिखे। कांग्रेस विधायक दल के नेता नरसिंह मिश्रा भी खड़े हो गए और कुछ कहा जो सदन के वेल के अंदर नारेबाजी के कारण सुनाई नहीं दे सका। बीजद नेताओं ने अपनी–अपनी सीटों पर खड़े होकर केंद्र सरकार पर राज्य की उपेक्षा करने का आरोप लगाया। सदन जल्द ही अराजक स्थिति में आ गया जिसके कारण अध्यक्ष को 11.50 बजे सदन की बैठक शाम चार बजे तक के लिए स्थगित करनी पड़ी।

सदन के बाहर विपक्ष के मुख्य सचेतक मोहन माझी ने कहा कि भाजपा ने मुख्यमंत्री के सचिव के विभिन्न जिलों के दौरे के दौरान हुए खर्च के बारे में सवाल पूछा था लेकिन अध्यक्ष ने इसे खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि अगर सवाल खारिज हो जाएगा तो फिर प्रश्नकाल क्यों होना चाहिए। श्री माझी ने ट्रेजरी बेंच के सदस्यों के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने राज्य सरकार को पर्याप्त फंड मुहैया कराया है। कांग्रेस विधायक दल के नेता नरसिंह मिश्रा ने हालांकि, कहा कि भाजपा और बीजद सदस्य नकली झगड़े में शामिल हैं। श्री मिश्रा ने कहा कि मुख्यमंत्री को बयान देने के लिए मजबूर होना पड़ा क्योंकि सरकार विभिन्न आरोपों से परेशान है। उन्होंने आरोप लगाया कि न तो राज्य में और न ही देश में कोई लोकतंत्र है। उन्होंने कहा कि ओडिशा विधानसभा का संचालन लोकतांत्रिक परंपरा के अनुसार नहीं किया जा रहा है और उन्होंने मुख्यमंत्री के बड़े–बड़े दावों पर सवाल उठाया कि उनकी सरकार ने शिकायत बैठकें आयोजित करके लोगों की समस्याओं को काफी हद तक हल किया है।

भाजपा ने नागालैंड, मेघालय और पुडुचेरी में नए प्रदेश अध्यक्षों की नियुक्ति की

नयी दिल्ली भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने नागालैंड, मेघालय और पुडुचेरी में पार्टी संगठन में बदलाव करते हुए नए प्रदेश अध्यक्षों की नियुक्ति कर दी है। पार्टी ने बेंजामिन येपथोमी को नागालैंड, रिकमैन मोमिन को मेघालय और एस. सेल्वगनबथी को पुडुचेरी का नया प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं मुख्यालय प्रभारी अरुण सिंह ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा द्वारा नागालैंड,मेघालय और पुडुचेरी के नए प्रदेश अध्यक्षों की नई संगठनात्मक नियुक्तियों को लेकर अलग–अलग पत्र जारी करते हुए बताया कि यह नियुक्तियां तत्काल प्रभाव से लागू होगी। पूर्वोत्तर राज्यों में पार्टी संगठन में बदलाव कर ।

छात्र थप्पड़ मामलाः सुप्रीम कोर्ट ने कहा, अंतरात्मा झकझोर देने वाली घटना

नयी दिल्ली (एजेंसी) । सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में एक स्कूल शिक्षक द्वारा छात्रों को एक विशेष समुदाय के साथी सहपाठी को थप्पड़ मारने का निर्देश देने का वायरल वीडियो राज्य की अंतरात्मा को झकझोर देने वाला है। न्यायमूर्ति अभय एस. ओका और न्यायमूर्ति पंकज मिथल की पीठ ने अपराध होने के बावजूद पीड़ित के पिता की शिकायत पर शुरू में एनसीआर रिपोर्ट दर्ज करने के लिए उत्तर प्रदेश पुलिस की खिंचाई की। घटना को गंभीर बताते हुए पीठ ने आदेश दिया कि दो सप्ताह की देरी के बाद दर्ज की गई एफआईआर की जांच एक वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी करेंगे। शीर्ष अदालत एफआईआर में सांप्रदायिक आरोपों नहीं होने से आश्चर्यचकित दिखाई दी। इसके अलावा, यह देखा गया कि प्रथम दृष्टया राज्य सरकार शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम के आदेश का पालन करने में विफल रही, जहां शारीरिक दंड और धर्म के आधार पर किसी भी प्रकार का भेदभाव सख्त वर्जित है। शीर्ष अदालत ने टिप्पणी की, अगर किसी छात्र को केवल इस आधार पर दंडित करने की मांग की जाती है कि वह एक विशेष समुदाय से है, तो कोई गुणवत्तापूर्ण शिक्षा नहीं हो सकती। इसने राज्य सरकार से आरटीई अधिनियम के कार्यान्वयन

पर एक स्थिति रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा और पेशेवर परामर्शदाताओं द्वारा पीड़ित और अन्य छात्रों को परामर्श देने का निर्देश दिया। साथ ही, इसने जनहित याचिका याचिकाकर्ता–तुषार गांधी, एक सामाजिक कार्यकर्ता और महात्मा गांधी के परपोते – के अधिकार क्षेत्र पर राज्य सरकार द्वारा उठाई गई आपत्तियों को खारिज कर दिया। 6 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश पुलिस से जांच की स्थिति और पीड़ित और उसके परिवार की सुरक्षा के लिए किए गए उपायों के बारे में रिपोर्ट दाखिल करने को कहा था। पिछले दिनों मुजफ्फरनगर से एक वीडियो वायरल हुआ था जिसमें एक निजी स्कूल की शिक्षिका के आदेश पर साथी छात्रों को 7 वर्षीय बच्चे को थप्पड़ मारते देखा गया। सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में घटना की समयबद्ध और स्वतंत्र जांच के निर्देश देने और स्कूलों में धार्मिक अल्पसंख्यकों के छात्रों के खिलाफ हिंसा को रोकने के लिए दिशानिर्देश स्थापित करने की मांग की गई है।

डयूटी के दौरान गायब रहने वाले 724 सरकारी डॉक्टरों के खिलाफ होगी कार्रवाईः ब्रजेश पाठक

लखनऊ(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में सेवा से नदारद सात सौ से अधिक सरकारी डॉक्टरों को बर्खास्त करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है और स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार के लिए अन्य कदमों के साथ साथ राज्य के सभी 75 जिलों में मेडिकल कॉलेज शुरू करने की तैयारी चल रही है। स्वास्थ्य एवं चिकित्सा महकमा संभाल रहे उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने यह जानकारी दी। पत्रकारों से बातचीत में पाठक ने कहा राज्य में लगभग 724 चिकित्सक हैं जो ड्यूटी के दौरान लगातार गायब पाए गए हैं। जांच कराने के बाद ऐसे लोगों को नोटिस दिया गया है और सेवा से बर्खास्त किया जा रहा है। उपमुख्यमंत्री ने कहा अभी ऐसे 50 चिकित्सक बर्खास्त किए जा चुके हैं। बाकी लोगों को नोटिस देकर ड्यूटी पर वापस आने के लिए कहा गया है। अगर वे नहीं आते हैं तो प्रक्रिया पूरी कर सेवा से उन्हें बर्खास्त किया जाएगा तथा उनकी जगह नए लोगों को तैनात किया जाएगा। जानकारी के अनुसार, बड़ी आबादी वाले उत्तर प्रदेश में चिकित्सकों के करीब 19 हजार पद

स्वीकृत हैं, जिसके सापेक्ष करीब 12 हजार चिकित्सक तैनात हैं। राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार के दावे के बारे में पूछे जाने पर पाठक ने कहा पहली बार उप्र सरकार ने पांच लाख रुपये प्रतिमाह वेतन देकर विशेषज्ञ चिकित्सकों की भर्ती शुरू की है। मुझे बताते हुए खुशी हो रही है कि बड़ी संख्या में यूपी में विशेषज्ञ चिकित्सक आ रहे हैं। समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख अखिलेश यादव द्वारा स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर लगाए गए आरोपों के जवाब में पाठक ने कहा उनको अपने कार्यकाल की याद नहीं है। समाजवादी पार्टी केवल सोशल मीडिया तक सीमित रह गई है। पाठक ने कहा कि सपा प्रमुख को बताना चाहिए कि उनकी सरकार (2012–2017) के दौरान वह और उनके स्वास्थ्य मंत्री कितनी बार अस्पताल में जाकर वहां का हालचाल लेते थे। सपा के शासनकाल में स्वास्थ्य मंत्रालय को एक तरह से लूट का अड्डा बना दिया गया था। आज हम कह सकते हैं कि भाजपा की सरकार तल्लीनता से लोगों की सेवा तथा काम कर रही है। ब्रजेश पाठक आए दिन अस्पतालों का दौरा कर खामियों को दूर करने का निर्देश देते हैं। सरकारी अस्पतालों में संसाधनों की कमी के बारे में उप मुख्यमंत्री ने कहा आज प्रदेश के सभी अस्पतालों में दवाइयां मिल रही हैं। चिकित्सक समय पर आ रहे हैं। सभी 75 जिलों में मेडिकल कॉलेज शुरू करने की कार्रवाई चल रही है। 65 मेडिकल कालेज काम कर रहे हैं। शेष की प्रक्रिया चल रही है। स्वास्थ्य सेवा में सुधार के बारे में पूछे जाने पर पाठक ने कहा कि राज्य में करीब 21 हजार उपकेंद्रों में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए 'हेल्थ वेलनेस सेंटरश' की स्थापना सरकार की प्राथमिकता है।

कानपुर में आनंद महिंद्रा के खिलाफ हुआ केस, एयरबैग न खुलने पर जान जाने का आरोप

कानपुर (एजेंसी) । उत्तर प्रदेश के कानपुर में रहने वाले एक व्यक्ति ने महिंद्रा कंपनी के मालिक आनंद महिंद्रा समेत 13 लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पीड़ित ने आरोप लगाया है कि कंपनी ने बिना एयरबैग लगी हुई गाड़ी बेच दी, जिससे उनके बेटे की मौत हो गई। कानपुर के जूही निवासी राजेश मिश्रा ने थाने में लिखाई गई एफआईआर में बताया कि साल 2020 में जरीब चौकी स्थित श्री तिरूपति आटो एजेंसी से 17 लाख रुपये की स्कार्पियो कार खरीदी थी। 14 जनवरी 2022 को उनका बेटा अपूर्व मिश्रा अपने दोस्तों के साथ लखनऊ से कानपुर आ रहा था। घने कोहरे के कारण उसकी गाड़ी डिवाइडर से टकरा कर पलट गई, जिसमें अपूर्व की मौके पर मौत हो गई। उन्होंने बताया कि घटना के बाद वह एजेंसी जाकर लोगों को इस बारे में अवगत कराया और बताया कि सीट बेल्ट लगाने के बावजूद कार के एयरबैग नहीं खुले जिस कारण उनके बेटे की मौत हो गई। इसके बाद उनकी एजेंसी के मैनेजर ने राजेश की बात कंपनी के निदेशकों से कराई। राजेश मिश्रा ने आरोप लगाया कि बातचीत के दौरान एजेंसी के मैनजर व स्टाफ ने उनसे अभद्रता की। राजेश ने आरोप लगाया कि उन्होंने कार की टेक्निकल जांच कराई, जिसमें उन्हें कार में एयरबैग न होने की जानकारी मिली। राजेश ने मामले की शिकायत रायपुरवा थाने में की, लेकिन उनकी

कोई सुनवाई नहीं की गई जिसके बाद राजेश ने कोर्ट की शरण ली। कोर्ट के आदेश के बाद रायपुरवा थाने में एजेंसी के मैनेजर, चंद्र प्रकाश गुरनानी, विक्रम सिंह मेहता, राजेश गणेश जेजुरिकर, अनीस दिलीप शाह, थोथला नारायनासामी, हैग्रेव खेतान, मुथैया मुरगप्पन मुथैया व आनंद गोपाल महिंद्रा समेत 13 लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी समेत अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कराई गई। रायपुरवा थाने के प्रभारी अमान सिंह ने बताया कि महिंद्रा कंपनी के कर्मचारियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज की गई। सारे मामले की जांच होगी।

कर्नाटक कांग्रेस विधायक के खिलाफ शिकायत दर्ज

बेंगलुरु (एजेंसी) । कर्नाटक में हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव के दौरान कथित तौर पर झूठा हलफनामा दाखिल करने को लेकर कारवार से कांग्रेस विधायक सतीश सेल के खिलाफ राज्य चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज की गई है। बेंगलुरु के शेषाद्रिपुरम के रहने वाले श्रीनिवास ने इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायतकर्ता के अनुसार, मल्लिकार्जुन शिपिंग प्राइवेट लिमिटेड उनकी पत्नी कल्पना सेल और उनके नाम पर है।

संपादकीय

न्याय की भाषा

किसी भी लोकतंत्र की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि उसके नागरिकों को आर्थिक, सामाजिक और कानूनी न्याय सहजता से मिल सके। इसी कड़ी में देश के अंतिम व्यक्ति को न्याय प्रक्रिया से सहजता से न्याय मिलना भी उतना ही जरूरी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय अधिवक्ता सम्मेलन में मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ की उपस्थिति में कहा कि सरकार की कोशिश है कि कानूनों को आसान व भारतीय भाषाओं में बनाने का प्रयास किया जाए। निस्संदेह, यह एक सार्थक पहल कही जाएगी। निश्चित रूप से कानून का मसौदा उस भाषा में सहजता–सरलता से पेश होना चाहिए, जिसे देश का आम आदमी भी समझ सके। यही सोच देश के शीर्ष स्वतंत्रता सेनानियों की भी थी, जो खुद परतंत्र भारत में अच्छे अधिवक्ता थे। उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट ने व्यवस्था दी थी कि फैसलों की अनुवादित प्रति वादी की मातृभाषा में भी उपलब्ध करायी जाए। मगर विडंबना यही है कि आजादी के सात दशक बाद भी अधिकतर सरकारी काम व न्यायिक व्यवस्था के फैसले अंग्रेजी में ही उपलब्ध होते हैं। जाहिर बात है कि व्यक्ति की अपनी मातृभाषा में मिला फैसला उसे समझने में संतुष्टि देता है और उसके विभिन्न पहलुओं से गहनता के साथ रूबरू कराता है। इस बाबत प्रधानमंत्री का कहना था कि सरकार इस बात पर विचार कर रही है कि कानून को दो तरह से बनाया जाए। कानून का एक मसौदा उस भाषा में हो, जिसका उपयोग न्यायालय करता है। दूसरा उस भाषा में जिसे आम आदमी सहजता से समझ सके।

बहरहाल, आदर्श न्याय प्रणाली का तकाजा तो यही है कि कानून की भाषा निर्विवाद रूप से आम आदमी की समझ में आने वाली हो। कोशिश हो कि व्यक्ति को उसी की भाषा में न्याय मिल सके। आजादी का अमृतकाल मना रहे देश का नागरिक यदि इस सुविधा से वंचित है तो नीति–नियंताओं के लिये चिंता का विषय होना चाहिए। हालांकि, इस दिशा में एक सार्थक पहल यह हुई है कि देश की शीर्ष अदालत ने न्यायिक फैसलों का हिंदी समेत कई क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवाद कराने का फैसला किया है। इसके बावजूद देश के विभिन्न राज्यों में स्थित उच्च न्यायालयों में राज्य की मुख्य भाषा में न्याय मिलना सुनिश्चित किया जाना चाहिए। वैसे दुनिया के तमाम देशों में स्थानीय भाषा में कानून बनाने व न्याय देने की सार्थक पहल सिरे चढ़ी है। जरूरत इस बात की भी है जो अनुवाद अंग्रेजी से हिंदी या अन्य भाषा में हो, वह भी सरल व सहज हो। भाषा की जटिलता कई बार बुरा अनुवाद उपलब्ध कराती है। जो कई बार अनुवाद की गई भाषा से भी अधिक जटिल होता है। राजग सरकार में पिछले दिनों कुछ राज्यों में इंजीनियरिंग व मेडिकल की पढ़ाई हिंदी में होनी संभव हुई है। इसी तरह की पहल कानून बनाने व न्याय देने में भी हो तो आम आदमी को खासी राहत मिलेगी। खासकर कम पढ़े–लिखे व ग्रामीण परिवेश के अंग्रेजी न जानने वाले लोगों तो इससे राहत जरूर मिलेगी।

आज का राशि फल

मेष :– वाणी पर नियंतग्ररखते हुए संबंधों को मधुर बनाने की चेष्ठा करें। आत्मबल कुछ महत्वपूर्ण सफलताओं के प्रति आशान्वित करेगा। पूर्वत् स्थिति में सुधार एवं आर्थिक लाभ के आसार हैं।

बृषभ :– मनोवांछित सफलता न मिलने से उत्साह में कमी आएगी। भौतिकता से प्रभावित मन अभाव की अनुभूति से दुखित होगा। धैर्यहीनता व परिवर्तनशीलता लक्ष्य से दिग्भ्रमित करेगी।

मिथुन :– परिजनों एवं मित्रों का सनिध्य मन को प्रसन्न रहेगा। कार्य–पेशे में अवरोधित कार्य सार्थक होने के आसार हैं। मांगलिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों में सम्मलित होंगे। महत्वपूर्ण कायरे में आलस्य न करें।

कर्क :– कुछ नये संबंध बनेंगे। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद संभव। कर्तव्य एवं जिम्मेदारियों से घिरा मन काल्पनिक आकांक्षाओं से समझौता करने में सक्षम होगा। रोजगार में व्यस्तता रहेगी।

सिंह :– मन खराब विचारों से प्रभावित रहेगा। अतरू उपरोक्त स्वभाव को सुधारें। नई स्थितियों से प्रतिभा का संचार होगा। रोजगार में अपनी कार्यकुशलता व प्रतिभा का जौहर बिखेरेंगे।

कन्या :–परिवार में खुशीप्रद वातावरण रहेगा। पिछले दिनों उत्पन्न व्यवसायिक अवरोधों का हल ढूंढने हेतु मन केंद्रित होगा। कोई अच्छा अवसर मन को खुश रखेगा। जीवन साथी के साथ मधुरता कायम रखें।

तुला :– आपकी महत्वाकांक्षाए सफलता की राह पर संघर्ष हेतु प्रेरित करेंगी। अच्छी भावनाएं मकसद को सफल करेंगी। कार्यक्षेत्र में बौद्धिक क्षमता का लाभ उठाएंगे। परिजनों के दुख–सुख के प्रति चिंतित होंगे।

वृश्चिक :– परिश्रम द्वारा आर्थिक क्षेत्र में सफलता अर्जित करेंगे। समय का पूर्ण उपयोग करें। किसी नयी संवेदना का असर किसी नये रिश्ते को जन्म देगा। मन लक्ष्य के प्रति केंद्रित होने में असमर्थ होगा।

धनु :– परंपराओं एवं संस्कारों के प्रति आस्था बढ़ेगी। निर्थक हीनभाव रखना एवं प्रगतिशील लोगों से ईष्याभाव रखना ठीक नहीं है। किसी अचल सम्पत्ति के क्रय हेतु प्रयत्न तीव्र होगा।

मकर :– किसी महत्वपूर्ण कार्यवश घर से दूर रहना अरुचिकर लगेगा। मिलनसारिता के कारण संबंधों का विस्तार होगा। कमजोर मनोबलवश लक्ष्य के प्रति दृढ़ता का अभाव रहेगा।

कुंभ :– किसी महत्वपूर्ण कार्य में कुछ कठिनाइयों का अभास होगा। संवेदनशील मन पुरानी मर्मस्पर्शी घटनाओं से ओतप्रोत होगा। पारिवारिक दायित्वों की समयानुकूल पूर्ति हेतु मन चिंतित होगा।

मीन :– प्रयासरत क्षेत्रों में अवरोध तथा दाम्पत्य जीवन में कष्ट संभव। ईरीय आस्था हर स्थिति पर विजय प्राप्त करेंगे। स्वास्य में छोटी–मोटी परेशानियां संभव। धैर्यपूर्वक महत्वपूर्ण योजनाओं को क्रियान्वित करें।

पूना पैक्टः एक पुनर्मूल्यांकन

एस. आर. दारापुरी

भारतीय हिन्दू समाज में जाति को आधारशिला माना गया है. इस में श्रेणीबद्ध असमानता के ढांचे में अछूत सबसे निचले स्तर पर हैं जिन्हें 1935 तक सरकारी तौर पर श्डिप्रेस्ड क्लासेजश कहा जाता था. गांधीजी ने उन्हें श्हरिजनश के नाम से पुरस्कृत किया था जिसे अधिकतर अछूतों ने स्वीकार नहीं किया था. अब उन्होंने अपने लिए श्दलितश नाम स्वयं चुना है जो उनकी पददलित स्थिति का परिचायक है. वर्तमान में वे भारत की कुल आबादी का लगभग छठा भाग (16.20 :) तथा कुल हिन्दू आबादी का पांचवा भाग (20.13 :) हैं. अछूत सदियों से हिन्दू समाज में सभी प्रकार के सामाजिक, धार्मिक, आर्थिक व शैक्षिक अधिकारों से वंचित रहे हैं और काफी हद तक आज भी हैं. दलित कई प्रकार की वंचनाओं एवं निर्योग्यताओं को झेलते रहे हैं. उनका हिन्दू समाज एवं राजनीति में बराबरी का दर्जा पाने के संघर्ष का एक लम्बा इतिहास रहा है. जब श्री. ई. एस. मान्टेग्यु, सेक्रेटरी ऑफ स्टेट फॉर इंडिया, ने पार्लियामेंट में 1917 में यह महत्वपूर्ण घोषणा की कि श्ब्रिअंग्रेजी सरकार का अंतिम लक्ष्य भारत को डोमिनियन स्टेट्स देना है तो दलितों ने बम्बई में दो मीटिंगें कर के अपना मांग पत्र वाइसराय तथा भारत भ्रमण पर भारत आये सेक्रेटरी ऑफ स्टेट फॉर इंडिया को दिया. परिणामस्वरूप निम्न जातियों को विभिन्न प्रान्तों में अपनी समस्यायों को 1919 के भारतीय संवैधानिक सुधारों के पूर्व भ्रमण कर रहे कमिशन को पेश करने का मौका मिला. तदोपरांत विभिन्न कमिशनों, कांफ्रेंसों एवं कौंसिलों का एक लम्बा एवं जटिल सिलसिला चला. सन 1918 में मान्टेग्यु चौमस्फोर्ड रिपोर्ट के बाद 1924 में मद्दीमान कमेटी रिपोर्ट आई जिसमें कौंसलों में डिप्रेस्ड क्लासेज के अति अल्प प्रतिनिधित्व और उसे बढ़ाने के उपायों के बारे में बात कही गयी. साईमन कमीशन (1928) ने स्वीकार किया कि डिप्रेस्ड क्लासेज को पर्याप्त प्रतिनिधित्व दिया जाना चाहिए. सन 1930 से 1932 एक लन्दन में तीन गोलमेज कान्फ्रेंसें हुईं जिन में अन्य अल्पसंख्यकों के साथ साथ दलितों के भी भारत के भावी संविधान के निर्माण में अपना मत देने के अधिकार को मान्यता मिली. यह एक ऐतिहासिक एवं निर्णयकारी परिघटना थी. इन गोलमेज कांफ्रेंसों में डॉ. बी. आर. आंबेडकर तथा राव बहादुर आर. श्रीनिवासन द्वारा दलितों के प्रभावकारी प्रतिनिधित्व एवं जोरदार प्रस्तुति के कारण 17 अगस्त, 1932 को ब्रिटिश सरकार द्वारा घोषित श्प्रधानमंत्री अवार्डश में दलितों को पृथक निर्वाचन का स्वतन्त्र राजनीतिक अधिकार मिला. इस अवार्ड से दलितों को आरक्षित सीटों पर पृथक निर्वाचन द्वारा अपने प्रतिनिधि स्वयं चुनने का अधिकार मिला और साथ ही सामान्य जाति के निर्वाचन क्षेत्रों में सवर्णों को चुनने हेतु दो वोट का अधिकार भी प्राप्त हुआ. इस प्रकार भारत के इतिहास में अछूतों को पहली वार राजनीतिक स्वतंत्रता का अधिकार प्राप्त हुआ जो उनकी मुक्ति का मार्ग प्रशस्त कर सकता था. उक्त अवार्ड द्वारा दलितों को गवर्नमेंट आफ इंडिया एक्ट,1919 में अल्प संख्यकों के रूप में मिली मान्यता के आधार पर अन्य अल्पसंख्यकों – मुसलमानों, सिक्खों, ऐंग्लो इंडियनज तथा कुछ अन्य के साथ साथ पृथक निर्वाचन के रूप में प्रांतीय विधायिकाएं एवं केन्द्रीय एसेम्बली हेतु अपने प्रतिनिधि स्वयं चुनने का अधिकार मिला तथा उन सभी के लिए सीटों की संख्य निश्चित की गयी. इसमें अछूतों के लिए 78 सीटें विशेष निर्वाचन क्षेत्रों के रूप में आरक्षित की गईं.

गाँधी जी ने उक्त अवार्ड की घोषणा होने पर यरवदा (पूना) जेल में 18 अगस्त, 1932 को दलितों को मिले पृथक निर्वाचन के अधिकार के विरोध में 20 सितम्बर, 1932 से आमरण अनशन करने की घोषणा कर दी. गाँधी जी का मत था कि इससे अछूत हिन्दू समाज से अलग हो जायेंगे जिससे हिन्दू समाज व हिन्दू धर्म विघटित हो जायेगा. यह ज्ञातव्य है कि उन्होंने मुसलमानों, सिक्खों व ऐंग्लो– इंडियनज को मिले उसी अधिकार का कोई विरोध नहीं किया था. गाँधी जी ने इस अंदेशे को लेकर 18 अगस्त, 1932 को तत्कालीन ब्रिटिश प्रधान मंत्री, श्री रेम्जे मैकडोनाल्ड को एक पत्र भेज कर दलितों को दिए गए पृथक निर्वाचन के अधिकार को समाप्त करके संयुक्त मताधिकार की व्यवस्था करने तथा हिन्दू समाज को विघटन से बचाने की अपील की. इसके उत्तर में ब्रिटिश प्रधान मंत्री ने अपने पत्र दिनांकित 8 सितम्बर, 1932 में अंकित किया, श्ब्रिटिश सरकार की योजना के अंतर्गत दलित वर्ग हिन्दू समाज के अंग बने रहेंगे और वे हिन्दू निर्वाचन के लिए समान रूप से मतदान करेंगे, परन्तु ऐसी व्यवस्था प्रथम 20 वर्षों तक रहेगी तथा हिन्दू समाज का अंग रहते हुए उनके लिए सीमित संख्या में विशेष निर्वाचन क्षेत्र होंगे ताकि उनके अधिकारों और हितों की रक्षा हो सके. वर्तमान स्थिति में ऐसा करना नितांत आवश्यक हो गया है. जहाँ जहाँ विशेष निर्वाचन क्षेत्र होंगे वहां वहां सामान्य हिन्दुओं के निर्वाचन क्षेत्रों में दलित वर्गों को मत देने से वंचित नहीं किया जायेगा. इस प्रकार दलितों के लिए दो मतों का अधिकार होगा – एक विशेष निर्वाचन क्षेत्र के अपने सदस्य के लिए और दूसरा हिन्दू समाज के सामान्य सदस्य के लिए. हम ने जानबूझकर जिसे आप ने अछूतों के लिए साम्प्रदायिक निर्वाचन कहा है, उसके विपरीत फैसला दिया है. दलित वर्ग के मतदाता सामान्य अथवा हिन्दू निर्वाचन क्षेत्रों में सवर्ण उम्मीदवार को मत दे सकेंगे तथा सवर्ण हिन्दू मतदाता दलित वर्ग के उम्मीदवार वार को उसके निर्वाचन क्षेत्र में मतदान कर सकेंगे. इस प्रकार हिन्दू समाज की एकता को सुरक्षित रखा गया है." कुछ अन्य तर्क देने के बाद उन्होंने गाँधी जी से आमरण अनशन छोड़ने का आग्रह किया था.

परन्तु गाँधी जी ने प्रत्युत्तर में आमरण अनशन को अपना पुनीत धर्म मानते हुए कहा कि दलित वर्गों को केवल दोहरे मतदान का अधिकार देने से उन्हें तथा हिन्दू समाज को छिन्न – भिन्न होने से नहीं रोका जा सकता. उन्होंने आगे कहा, श मेरी समझ में दलित वर्ग के लिए पृथक निर्वाचन की व्यवस्था करना हिन्दू धर्म को बर्बाद करने का इंजेक्शन लगाना है. इस से दलित वर्गों का कोई लाभ नहीं होगा.श गांधीजी ने इसी प्रकार के तर्क दूसरी और तीसरी गोल मेज कांफ्रेंस में भी दिए थे जिसके प्रत्युत्तर में डॉ. आंबेडकर ने गाँधी जी के

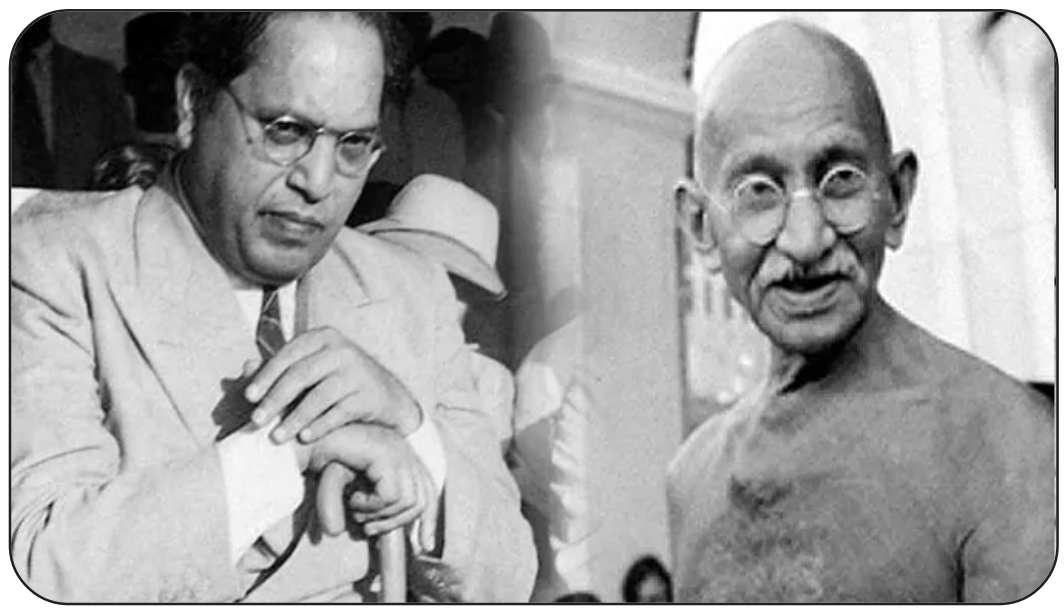

दलितों के भी अकेले प्रतिनिधि और उनके शुभ चिन्तक होने के दावे को नकारते हुए उनसे दलितों के राजनीतिक अधिकारों का विरोध न करने का अनुरोध किया था. उन्होंने यह भी कहा था कि फिलहाल दलित केवल स्वतन्त्र राजनीतिक अधिकारों की ही मांग कर रहे हैं न कि हिन्दुओं से अलग हो अलग देश बनाने की. परन्तु गाँधी जी का सवर्ण हिन्दुओं के हित को सुरक्षित रखने और अछूतों को हिन्दू समाज का गुलाम बनाये रखने का स्वार्थ था. यही कारण था कि उन्होंने सभी तथ्यों व तर्कों को नकारते हुए 20 सितम्बर, 1932 को अछूतों के पृथक निर्वाचन के अधिकार के विरुद्ध आमरण अनशन शुरू कर दिया. यह एक विकट स्थिति थी. एक तरफ गाँधी जी के पक्ष में एक विशाल शक्तिशाली हिन्दू समुदाय था, दूसरी तरफ डॉ. अंबेडकर और अछूत समाज. अंततः भारी दबाव एवं अछूतों के संभव नरसंहार के भय तथा गाँधी जी की जान बचाने के उद्देश्य से डॉ. आंबेडकर तथा उनके साथियों को दलितों के पृथक निर्वाचन के अधिकार की बलि देनी पड़ी और सवर्ण हिन्दुओं से 24 सितम्बर, 1932 को तथाकथित पूना पैक्ट करना पड़ा. इस प्रकार अछूतों को गाँधी जी की जिद्द के कारण अपनी राजनैतिक आजादी के अधिकार को खोना पड़ा. यद्यपि पूना पैक्ट के अनुसार दलितों के लिए श प्रधान मंत्री अवार्डश में सुरक्षित सीटों की संख्या बढ़ा कर 78 से 151 हो गयी परन्तु संयुक्त निर्वाचन के कारण उनसे अपने प्रतिनिधि स्वयं चुनने का अधिकार छिन्न गया जिसका दुष्परिणाम आज तक दलित समाज झेल रहा है. पूना पैकट के प्रावधानों को गवर्नमेंट आफ इंडिया एक्ट, 1935 में शामिल करके सन 1937 में प्रथम चुनाव संपन्न हुआ जिसमें गाँधी जी के दलित प्रतिनिधियों को कांग्रेस द्वारा कोई भी दखल न देने के दिए गए आश्वासन के बावजूद कांग्रेस ने 151 में से 78 सीटें हथिया लीं क्योंकि संयुक्त निर्वाचन प्रणाली में दलित पुनः सवर्ण वोटों पर निर्भर हो गए थे . गाँधी जी और कांग्रेस के इस छल से खिन्न होकर डॉ. आंबेडकर ने कहा था, श पूना पैकट में दलितों के साथ बहुत बड़ा धोखा हुआ है.श प्रधान मंत्री अवार्ड के माध्यम से अछूतों को पृथक निर्वाचन के रूप में अपने प्रतिनिधि स्वयं चुनने और दोहरे वोट के अधिकार से सवर्ण हिन्दुओं की भी दलितों पर निर्भरता से दलितों का स्वंतत्र राजनीतिक अस्तित्व सुरक्षित रह सकता था परन्तु पूना पैक्ट करने की विवशता ने दलितों को फिर से सवर्ण हिन्दुओं का गुलाम बना दिया. इस व्यवस्था से आरक्षित सीटों पर जो सांसद या विधायक चुने जाते हैं वे वास्तव में दलितों द्वारा न चुने जा कर विभिन्न राजनैतिक पार्टियों एवं सवर्णों द्वारा चुने जाते हैं जिन्हें उन का गुलामश बंधुआ बन कर रहना पड़ता है. सभी राजनीतिक पार्टियाँ गुलाम मानसिकता वाले ऐसे प्रतिनिधियों पर कड़ा नियंत्रण रखती हैं और पार्टी लाइन से हट कर किसी भी दलित मुद्दे को उठाने या उस पर बोलने की इजाजत नहीं देतीं. यही कारण है कि लोकसभा तथा विधान सभायों में दलित प्रतिनिधियों कि स्थिति महाभारत के भीष्म पितामह जैसी रहती है जिस ने यह पूछने पर कि श जब कौरवों के दरबार में द्रौपदी का चीर हरण हो रहा था तो आप क्यों नहीं बोले?श इस पर उन का उत्तर था, श मैंने कौरवों का नमक खाया है.श (भगवान दास) वास्तव में प्रधान मंत्री अवार्ड से दलितों को स्वतंत्र राजनीतिक अधिकार प्राप्त हुए थे जिससे वे अपने प्रतिनिधि स्वयं चुनने के लिए सक्षम हो गए थे और वे उनकी आवाज बन सकते थे. इस के साथ ही दोहरे वोट के अधिकार के कारण सामान्य निर्वाचन क्षेत्र में सवर्ण हिन्दू भी उन पर निर्भर रहते और दलितों को नाराज करने की हिम्मत नहीं करते. इस से हिन्दू समाज में एक नया समीकरण बन सकता था जो दलित मुक्ति का रास्ता प्रशस्त करता. परन्तु गाँधी जी ने हिन्दू समाज और हिन्दू धर्म के विघटित होने की झूठी दुहाई दे कर तथा आमरण अनशन का अनैतिक हथकंडा अपना कर दलितों की राजनीतिक स्वतंत्रता का हनन कर लिया जिस कारण दलित सवर्णों के फिर से राजनीतिक गुलाम बन गए. वास्तव में गाँधी जी की चाल काफी हद तक राजनीतिक भी थी जो कि बाद में उनके एक अवसर पर सरदार पटेल को कही गयी इस बात से भी स्पष्ट हैरूश्अछूतों के अलग मताधिकार के परिणामों से मैं भयभीत हो उठता हूँ. दूसरे वर्गों के लिए अलग निर्वाचन अधिकार के बावजूद भी मेरे पास उनसे सौदा करने की गुंजाइश रहेगी परन्तु मेरे पास अछूतों से सौदा करने का कोई साधन नहीं रहेगा. वे नहीं जानते कि पृथक निर्वाचन हिन्दुओं को इतना बाँट देगा कि उसका अंजाम खून खराबा होगा. अछूत गुंडे मुसलमान गुंडों से मिल जायेंगे और हिन्दुओं को मारेंगे. क्या अंग्रेजी सरकार को इस का कोई अंदाजा नहीं है? मैं ऐसा नहीं सोचता.श (महादेव देसाई, डायरी, पृष्ठ 301, प्रथम खंड). गाँधी जी के इस सत्य कथन से आप गाँधी जी द्वारा अछूतों को पूना पैक्ट करने के लिए बाध्य करने के असली उद्देश्य का अंदाजा लगा सकते हैं. दलितों की संयुक्त मताधिकार व्यवस्था के कारण सवर्ण हिन्दुओं पर निर्भरता के फलस्वरूप दलितों की कोई भी राजनैतिक पार्टी पनप नहीं पा रही है चाहे वह डॉ. आंबेडकर द्वारा स्थापित रिपब्लिकन पार्टी ही क्यों न हो. इसी कारण डॉ. आंबेडकर को भी दो वार चुनाव में हार का मुंह देखना पड़ा क्योंकि आरक्षित सीटों पर सवर्ण वोट ही निर्णायक होता है. इसी कारण सवर्ण पार्टियाँ ही अधिकतर आरक्षित सीटें जीतती हैं. पूना पैक्ट के इन्हीं दुष्परिणामों के कारण ही डॉ. आंबेडकर ने संविधान में राजनीतिक आरक्षण को केवल 10 वर्ष तक ही जारी रखने की बात कही थी. परन्तु विभिन्न राजनीतिक पार्टियाँ इसे दलितों के हित में नहीं बल्कि अपने स्वार्थ के लिए अब तक लगातार 10–10 वर्ष तक बढ़ाती चली आ रही हैं क्योंकि इस से उन्हें अपने मनपसंद और गुलाम दलित सांसद और विधायक चुनने की सुविधा रहती है. सवर्ण हिन्दू राजनीतिक पार्टियाँ दलित नेताओं को खरीद लेती हैं और दलित पार्टियाँ कमजोर हो कर टूट जाती हैं. यही कारण है की उत्तर भारत में तथाकथित दलितों की कही जाने वाली बहुजन समाज पार्टी भी ब्राह्मणों और बनियों के पीछे घूम रही है और श हाथी नहीं गणेश है, ब्रह्मा, विष्णु, महेश हैश जैसे नारों को स्वीकार करने के लिए बाध्य है. अब तो उसका रूपान्तरण बहुजन से सर्वजन में हो गया है. इन परिस्थितियों के कारण दलितों का बहुत अहित हुआ है वे राजनीतिक तौर पर सवर्णों के गुलाम बन कर रह गए हैं. अतः इस सन्दर्भ में पूना पैक्ट के औचित्य की समीक्षा करना समीचीन होगा. क्या दलितों को पृथक निर्वाचन की मांग पुनः उठाने के बारे में सोचना चाहिए ? यद्यपि पूना पैक्ट की शर्तों में छुआ–छूत को समाप्त करने, सरकारी सेवाओं में आरक्षण देने तथा दलितों की शिक्षा के लिए बजट का प्रावधान करने की बात थी परन्तु आजादी के 75 वर्ष बाद भी उनके क्रियान्वयन की स्थिति दयनीय ही है. डॉ. आंबेडकर ने अपने इन अंदेशों को पूना पैक्ट के अनुमोदन हेतु बुलाई गयी 25 सितम्बर, 1932 को बम्बई में सवर्ण हिन्दुओं की बहुत बड़ी मीटिंग में व्यक्त करते हुए कहा था, श्हमारी एक ही चिंता है. क्या हिन्दुओं की भावी पीढ़ियां इस समझौते का अनुपालन करेंगी? श इस पर सभी सवर्ण हिन्दुओं ने एक स्वर में कहा था, श हाँ, हम करेंगे.श डॉ. आंबेडकर ने यह भी कहा था, "हम देखते हैं कि दुर्भाग्यवश हिन्दू सम्प्रदाय एक संघटित समूह नहीं है बल्कि विभिन्न सम्प्रदायों की फेडरेशन है. मैं आशा और विश्वास करता हूँ कि आप अपनी तरफ से इस अभिलेख को पवित्र मानेंगे तथा एक सम्मानजनक भावना से काम करेंगे.श क्या आज सवर्ण हिन्दुओं को अपने पूर्वजों द्वारा दलितों के साथ किए गए इस समझौते को ईमानदारी से लागू करने के बारे में थोड़ा बहुत आत्म चिंतन नहीं करना चाहिए. यदि वे इस समझौते को ईमानदारी से लागू करने में अपना अहित देखते हैं तो क्या उन्हें दलितों के पृथक निर्वाचन का राजनीतिक अधिकार लौटा नहीं देना चाहिए? अब क्योंकि वर्तमान परिस्थितियों में अलग मताधिकार के बहाल होने की संभावना नहीं है, अतः दलितों को अपनी राजनीति को जाति की राजनीति से बाहर निकाल कर मुद्दों की राजनीति को अपनाना चाहिए। इसके साथ ही केवल जाति के आधार पर किसी को वोट देने की बजाए उस व्यक्ति के दलित वर्ग हित में किए गए कार्यों को सामने रख कर ही वोट देना चाहिए। दलितों को व्यक्ति पूजा से भी मुक्त होना होगा जिसके बारे में बाबासाहेब ने पूरी तरह से सचेत किया था। दलितों को राजनीतिक अलगाव की जगह लोकतान्त्रिक, धर्मनिरपेक्ष एवं प्रगतिशील ताकतों से साथ हाथ मिलाना चाहिए। उन्हें याद रखना चाहिए कि दलितों की मुक्ति में ही सब की मुक्ति है।

मीर वाइज उमर की रिहाई

आदित्य नारायण

केन्द्र सरकार ने जम्मू–कश्मीर हुर्रियत कान्फ्रेंस के चेयरमैन मीर वाइज मौलवी उमर फारुक को नजरबन्दी से रिहा करके सूबे में अमन–ओ–अमान कायम करने की दिशा में कदम उठाया है। मीर वाइज कश्मीर के उदारवादी नेता माने जाते हैं और अहिंसा व शान्ति के रास्ते से कश्मीर की समस्याओं को निपटाने की वकालत करते रहे हैं। 1990 के लगभग उन्हीं के पिता मीर वाइज की उग्रवादियों ने हत्या करके घाटी से अमन और भाईचारे की आवाज को बन्द करने की नापाक कोशिश की थी। उसके बाद ही उमर फारुख को मीर वाइज की पदवी से नवाजा गया था। मौलवी फारुक को 5 अगस्त, 2019 को कश्मीर से 370 समाप्त करने से पहले ही नजरबन्दी में ले लिया गया था और तभी से वह घर में कैद थे। अब 370 को हटे हुए भी चार साल हो गये हैं अतः सरकार का प्रयास है कि हालात पूरी तरह सामान्य होने चाहिए और घाटी समेत पूरे सूबे का सामाजिक वातावरण साजगार होना चाहिए। मौलवी फारुख ने रिहा होते ही अपील की है कि कश्मीरी पंडित वापस अपने घर लौट आयें। उन्होंने पंडितों की समस्या को मानवीय समस्या बताते हुए कहा कि सूबे में सदियों से भाईचारे के साथ अमन पसन्दी में सभी हिन्दू–मुसलमान रहते आये हैं। कश्मीरी पंडितों का घर कश्मीर है अतः उनकी वापसी होनी चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि मौजूदा दौर बैर–भाव या युद्ध का दौर नहीं है। यूक्रेन और रूस युद्ध के बारे में प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा व्यक्त किये गये उद्गार कि 'वर्तमान समय युद्ध का समय नहीं हैं', से इत्तेफाक रखते हुए मीर वाइज ने ये विचार प्रकट किये। मीर वाइज के तेवर बताते हैं कि वह जम्मू–कश्मीर की वर्तमान स्थिति में यह परिवर्तन चाहते हैं कि इसे पूर्ण राज्य का दर्जा दिया जाये। यह मांग सूबे के विभिन्न क्षेत्रीय दल भी कर रहे हैं। इससे यह भी सन्देश जा रहा है कि इन नेताओं ने 370 के हटने को हकीकत मान लिया है। हालांकि यह मामला सर्वोच्च न्यायालय के विचाराधीन है। मगर सर्वोच्च न्यायालय केवल 370 हटाये जाने के संवैधानिक पहलू की ही जांच कर रहा है। मीर वाइज का यह कहना महत्वपूर्ण है कि घाटी के पंडितों की समस्या राजनैतिक नहीं है। इससे पता चलता है कि मीर वाइज का यकीन कश्मीर की उस संस्कृति में है जो मजहब की बुनियाद पर आदमी– आदमी में भेद नहीं करती है। मीर वाइज बेशक धार्मिक नेता हैं मगर उनका नजरिया मानवीयता को बराबर की जगह देता है। उनके बाहर आने से कश्मीर वादी के वातावरण में और सुधार की संभावना इसलिए है क्योंकि कश्मीर में मीर वाइज के औहदे का सम्मान सभी वर्गों के लोग करते आये हैं। मीर वाइज ने यह भी कहा कि कश्मीर का एक हिस्सा पाकिस्तान में है और एक भाग चीन के कब्जे में भी है अतः इसका समाधान इसी नजरिये से निकालने की कोशिश की जानी चाहिए। मीर वाइज को एक जमाने में राष्ट्रवादी नजरिये का भी माना जाता था क्योंकि उन्होंने कभी पाकिस्तान का समर्थन नहीं किया लेकिन राजनैतिक क्षेत्रों में समझा जा रहा है कि मीर वाइज की रिहाई से जम्मू–कश्मीर में चुनावों का मार्ग प्रशस्त होने में मदद मिलेगी हालांकि इससे पहले इस राज्य का दर्जा केन्द्र शासित क्षेत्र से पूर्ण राज्य का किया जाना जरूरी होगा। इसलिए मीर वाइज का यह कहना महत्वपूर्ण है कि कश्मीर मामले को मुलामियत से हल किया जाना चाहिए न कि सख्ती से। अभी भी बहुत लोग जेलों में हैं जिनकी रिहाई की जानी है। मीर वाइज ने पिछले महीने अपनी नजरबन्दी के चार साल पूरे हो जाने के बाद सरकार को कानूनी नोटिस भेजा था जिसमें कहा गया था कि यदि उनकी नजरबन्दी खत्म नहीं की जाती है तो वह न्यायालय में इसे चुनौती देंगे। इस पर गत 15 सितम्बर को न्यायालय ने जम्मू–कश्मीर से उनकी घ्स्थिति के बारे में रिपोर्ट मांगी। जिसके बाद उनकी नजरबन्दी समाप्त कर दी गई। राज्य के राजनैतिक दलों की भी राय थी कि मीर वाइज की नजरबन्दी बहुत लम्बी खिंच गई। उन्हें इतने लम्बे अरसे तक घर में बन्द रखने की कोई जरूरत नहीं थी। मगर केन्द्र सरकार ने राज्य के हालात ठीक करने और सुरक्षा कारणों से उन्हें नजरबन्द रखना उचित समझा था लेकिन इस सबके बावजूद जम्मू–कश्मीर के सभी प्रमुख नेता अब रिहा हो चुके हैं जिससे यह उम्मीद बंधती नजर आ रही है कि सूबे में उच्च राजनैतिक प्रक्रिया भी जल्द ही शुरू होगी। राज्य में चुनाव परिसीमन का काम भी पूरा हो चुका है जिसने विधानसभा में अनुसूचित जातियों व जन जातियों की सीटें भी चिन्हित कर ली हैं और कुछ सीटें बढ़ा भी दी हैं। इन सभी चीजों को देखते हुए ऐसा माना जा रहा है कि केन्द्र सरकार जम्मू–कश्मीर के बारे में कोई बड़ा निर्णय जल्दी ही लेगी।

अब सूर्य पर फतेह हासिल करेंगे भारतीय वैज्ञानिक

भारत पुरातन काल से ज्ञान–विज्ञान का असीम भंडार रहा है। हमारे ऋषियों–मनीषियों ने आचार–विचार, आत्म–विकास एवं गहन खोजों से चिकित्सा, दर्शन, अर्थ और सौरमंडल तक की ऐसी जानकारी प्रदान की है, जिसके बारे में विश्व को बहुत बाद में पता चला।

चंद्र अभियान की ऐतिहासिक एवं अविस्मरणीय सफलता के बाद भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) एक नया इतिहास गढ़ने एवं एक और मैदान फतेह करने को तत्पर है और सूरज का अध्ययन करने के लिए संभवतः दो सितंबर, 2023 'आदित्य–एल 1' यानी सूर्य मिशन के प्रक्षेपण की तैयारी कर रहा है। 'आदित्य–एल 1' अंतरिक्ष यान को सौर कोरोना (सूर्य की सबसे बाहरी परतों) के दूरस्थ अवलोकन और एल–1 (सूर्य–पृथ्वी लैग्रेंजियन बिंदु) पर सौर हवा के यथास्थिति अवलोकन के लिए बनाया गया है, इस मिशन की मदद से स्पेस में मौसम की मोबिलिटी, सूरज के तापमान, सोलर स्टॉर्म, एमिशन और अल्ट्रावॉयलेट रेज के धरती और ओजोन लेयर पर पड़ने वाले प्रभावों की स्टडी की जा सकेगी, जिससे मानव जीवन पर पड़ने वाले प्रभावों को सकारात्मक मोड़ देने में सुविधा रहेगी। यह भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम में एक और मील का पत्थर होगा। इस प्रक्षेपण के बाद अमेरिका, जर्मनी और यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के बाद भारत सूर्य के पास उपग्रह भेजने वाला चौथा देश बन जाएगा। आदित्य एल–1 को पृथ्वी–सूर्य प्रणाली की ऑर्बिट के पांच बिंदुओं में से एक लैग्रेंज–1 में स्थापित किया जाएगा। यहां सूर्य पर ग्रहण के दौरान भी नजर रखी जा सकती है। यह पॉइंट पृथ्वी से 15 लाख किमी. दूर है। निश्चित ही चंद्रयान–3 के 3.84 लाख किमी. के सफर के मुकाबले आदित्य एल–1 का सफर कहीं ज्यादा चुनौती एवं संघर्षपूर्ण होगा।दुनियाभर के वैज्ञानिक ब्रह्माण्ड के रहस्यों को जानने में जुटे हैं। जिस सौरमंडल में हम रहते हैं, उसे समझने के लिए सूर्य को जानना जरूरी है।

शासन के रोक लगाने के बाद भी सरकारी कार्यालय में बाहरी व्यक्तियों का दबदबा

कौशाम्बी (संवाददाता)। आयुक्त एवं सचिव राजस्व परिषद लखनऊ अपर भूमि व्यवस्था आयुक्त अनिल कुमार यादव ने समस्त मंडल आयुक्त जिला अधिकारी को 29 अगस्त को पत्र भेज कर निर्देशित किया था कि मंडल कलेक्टर तहसील कार्यालय के विभिन्न कार्यालय में सरकारी कर्मचारियों द्वारा प्राइवेट बाहरी व्यक्तियों के सहयोग से शासकीय कार्य कराया जाता है ऐसे व्यक्तियों द्वारा भ्रष्टाचार अनियमितताएं किए जाने की शिकायतें मिल रही हैं यह स्थिति अत्यंत आपत्तिजनक है पत्र जारी करते हुए उन्होंने कहा कि मंडल कलेक्टर और तहसील कार्यालय में बाहरी व्यक्तियों से कार्य न कराया जाए लेकिन राजस्व परिषद का यह पत्र 27 दिन बाद भी जिले में नहीं लागू हो सका है तहसील कार्यालय से लेकर अन्य कार्यालय में बाहरी व्यक्तियों द्वारा शासकीय कार्य लगातार किया जा रहा है तमाम कार्यालय में बाहरी व्यक्तियों का वर्चस्व है और वह मनमानी तरीके से पीड़ितों का शोषण कर रहे हैं सरकारी कर्मचारी बाहरी व्यक्तियों को माध्यम बनाकर अवैध वसूली करने में मशगूल है आखिर राजस्व परिषद के पत्र की इतनी उपेक्षा क्यों की जा रही है सरकारी कार्यालय में बाहरी व्यक्तियों के कार्य किए जाने पर रोक लगाए जाने के स्पष्ट आदेश के बाद भी राजस्व परिषद के पत्र का पालन न किया जाना बड़ा गंभीर विषय है अवैध तरीके से भ्रष्टाचार बढ़ाने वाले इन प्राइवेट व्यक्तियों से सरकारी कर्मचारियों के क्या रिश्ते हैं यह भी बड़ी जांच का विषय है शासन स्तर से स्पष्ट निर्देश दिए जाने के बाद भी आखिर इन्हें बाहर करने का प्रयास क्यो नही किया जाता है।

अखिल भारतीय कवि सम्मेलन एवं सम्मान समारोह 27 को

पुवायाँ शाहजहांपुर (विजय तन्हा)। ष्त्वरित आवाजष (विजय तन्हा) राष्ट्रीय कवि संगम एवं हिंदी साहित्य भारती के तत्वाधान में अखिल भारतीय कवि सम्मेलन 27 सितंबर को।

ओजस्वी कवि डॉ कमलकांत तिवारी व प्रख्यात मंच संचालक रोहित राकेश के संयोजन में ओजस्वी कवि चौतन्य चेतन एडवोकेट के जन्मोत्सव पर आर्य समाज तहसील चौराहा नवाबगंज बरेली में शाम 5 बजे से अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया है।

इस कवि सम्मेलन में कवि डाक्टर कमलकांत तिवारी बरेली, रोहित राकेश बरेली, आलोक बेजान बुलंदशहर, गया प्रसाद मौर्या आगरा, सुरेंद्र जैन बाजपुर, काव्या जैन बाजपुर, कुलदीप अंगार बदायूं, विजय तन्हा शाहजहांपुर, भारती मिश्रा फर्रुखाबाद, विश्वजीत निर्भय बरेली, उमेश त्रिगुणायत पीलीभीत, उपकार मणि फर्रुखाबाद, आनंद गौतम बरेली, मुकेश अनमोल दिल्ली, अंशु छोकर आगरा, पदम गौतम आगरा, अंकिता सिंह झारखंड व मोहित सक्सेना आगरा को कविता पाठ के लिए आमंत्रित किया गया है इस अवसर पर वरिष्ठ साहित्यकारों की स्मृति में साहित्यकारों को सम्मानित भी किया जाएगा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉक्टर एम पी आर्या, (विधायक नवाबगंज), विशिष्ट अतिथि रविंद्र सिंह राठौड़ जिला अध्यक्ष भाजपा, डॉक्टर ए के गंगवार ब्लॉक प्रमुख नवाबगंज, रवि गंगवार ब्लॉक प्रमुख नयोलडिया उपस्थित रहेंगे।

आफताब हॉल में वार्षिक हॉल समारोह आयोजित

अलीगढ(संवाददाता)। अलीगढ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के आफताब हॉल में वार्षिक हॉल समारोह बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। प्रोवोस्ट, डॉ. सलमान खलील ने मेहमानों और छात्रों का स्वागत किया, और कहा कि यह कार्यक्रम खुशी मनाने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने समारोह को सफल बनाने में सहयोग के लिए हाल के छात्रों को धन्यवाद दिया। मुख्य अतिथि, पंजाब वक्फ बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष और एएमयू के पूर्व छात्र, श्री जुनैद रजा खान ने एक छात्र के रूप में एएमयू में बिताये अपने यादगार दिनों को साझा किया। उन्होंने इस कार्यक्रम का हिस्सा बनने का अवसर देने के लिए हॉल प्रशासन को भी धन्यवाद दिया। सम्मानित अतिथि, एएमयू के स्कूल शिक्षा निदेशक प्रो. असफर अली ने छात्रों से जीवन में सफल करियर के लिए विश्वविद्यालय के खेल आयोजनों में सक्रिय रूप से भाग लेने और स्क्रीन पर अपना समय कम गुजारने का आव्हान किया।

एएमयू के वित्त अधिकारी प्रोफेसर मोहम्मद मोहसिन खान ने छात्रों से खेल और पाठ्यचर्या गतिविधियों दोनों में सक्रिय रहने का आग्रह किया। उन्होंने छात्रों में व्यक्तित्व विकास के महत्व पर भी जोर दिया। अशरफ हफीज, सीनियर हॉल, आफताब हॉल ने शैक्षणिक और खेल में छात्रों की उपलब्धि पर प्रकाश डालते हुए विस्तृत वार्षिक हॉल रिपोर्ट प्रस्तुत की।

हॉल के सीनियर फूड कमाल अशरफ ने समारोह में उपस्थिति के लिए अतिथियों और छात्रों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन शोध छात्र नवाब यासिर अली खान द्वारा किया गया।

आशा वर्कर्स यूनियन का प्रदर्शन, सीएम को 13 सूत्रीय ज्ञापन

लखनऊ(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश आशा वर्कर्स यूनियन संबद्ध ऐक्टू के आवाहन पर ई–को गार्डन में हुए धरना ,प्रदर्शन में प्रदेश के विभिन्न जिलों से हजारों आशा कर्मियों ने भाग लिया। सभा के बाद मुख्यमंत्री को 13 सूत्रीय ज्ञापन दिया गया।कल से ही पूरे प्रदेश से आशा वर्कर्स व संगिनी भारी संख्या में आनी शुरू हो गई थी। इको गार्डेन में सभा को सम्बोधित करते हुए भाकपा माले के राज्य सचिव कामरेड सुधाकर यादव ने कहा कि सरकार कहती कि प्रदेश में पूंजी का बड़ा प्रवाह है और बड़े पैमाने पर दुनिया भर से पूंजी उत्तर प्रदेश में आ रही है, फन्ड की कमी नहीं है पर हकीकत में सरकार दिवालियापन के कगार पर है। कर्मचारियों , स्कीम वर्कर्स से लेकर गन्ना किसानों तक का बकाया सरकार भुगतान नहीं कर रही है। सभा में बोलते हुए उत्तर आशा वर्कर्स यूनियन की प्रदेश अध्यक्ष लक्ष्मी ने कहा कि योगी की सरकार प्रदेश में दूध दही की नदिया बहाने का दावा करती है ,पर हम आशा कर्मियों को मिलने वाले दो चार हजार के मेहनताने का भुगतान कई कई महीने तक नही होता ।हमारे काम का निर्धारण करने वालो को श्रम के मानव स्वास्थ्य के साथ रिश्ते की सामान्य समझ नही है, तभी जानलेवा काम का बोझ लादे जा रहे हैं और प्रतिफल में भूख और अपमान के सिवा कुछ नहीं मिलता। उन्होंने आगे कहा कि 2013 में सम्पन्न हुए 45 वें ,2015 में हुए 46वे भारतीय श्रम सम्मेलन की सिफारिश के अनुसार आशा कर्मियों को स्वास्थ्य कर्मी का दर्जा देते हुए न्यूनतम वेतन के दायरे में लाकर न्यूनतम 21000 रूपये का मासिक भुगतान मातृत्व अवकाश सामाजिक सुरक्षा ग्रेज्यूटी पेंशन पीएफ सहित ईएसआई की गारंटी करनी चाहिए। किंतु सरकार को मुफ्त के रातो दिन के बेगार करने वेल मजदूर मिल गए हैं, इसलिए इस पर नजर डालने की भी फुरसत नही है। राज्य सहसचिव सरला श्रीवास्तव ने कहा कि कितने काम है, जिसका पैसा एन एच एम और जिला से लेकर स्वास्थ्य केंद्र के बीच बंदर बांट हो जाता है ,यही नहीं जो कुछ दो चार माह में मिलता है, उसे देने के नाम पर 20से 30 फीसदी तक की वसूली कर ली जाती है।स्वास्थ्य सचिव मुख्यमंत्री स्वास्थ्य मंत्री सबके दरवाजे खटखटाने के बावजूद भ्रष्टाचार पर संज्ञान लेने वाला कोई नहीं है। देश भर की माताओं और शिशुओ को सुरक्षित जीवन देने वाली हम आशाओं को न कोई मातृत्व अवकास मिलता है न हमे कोई अन्य सुविधा ही प्राप्त है। संगठन लम्बे समय से मांगों की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट कर रहा है , सरकार हमारी आवाज को अनसुना कर रही है। इसलिए हम पूरे प्रदेश की आशा कर्मी राजधानी सरकार को आगाह करने आएं हैं कि हमारे श्रम और पारिश्रमिक की लूट अब नही चलेगी । वर्षो से उठ रही आवाज सुनो, नही तो अब की लौटकर जब आयेंगे तो दिल्ली के किसान आंदोलन का इतिहास दुहरा देंगे। आल इंडिया सेंट्रल काउंसिल ऑफ ट्रेडयूनियंस ऐक्टू के राज्य सचिव अनिल वर्मा में कहा कि मेहनतकशो के लिए बहुत कठिन समय है। सरकारें हमारे अधिकारों को छीनने में लगी हैं। हमें कोई कुछ देने वाला नही है , अपना हक लड़कर ही हासिल करना होगा। मजदूर नेता और भाकपा–माले के लखनऊ जिला प्रभारी का रमेश सिंह सेंगर ने आशाओं के न्यायपूर्ण संघर्ष का समर्थन करते हुए कहा कि उनकी पार्टी आशाओं समेत सभी स्कीम वर्कर्स को राज्य कर्मचारी घोषित करने और राज्य कर्मचारियों को मिलने वाली सभी सुविधाओं के लिए उनके साथ मिलकर आवाज बुलंद कर रही है।सभा को विनोद कुमारी, जय श्री गंवार, मंजू पटेल, मीनू प्रजापति,गीता मिश्रा,कमला गौतम, अनीता अर्चना दीक्षित विभा सिंह, रेणु आशा कुशवाहा रंजना भरतिया रेखा मौर्या, मीरा प्रजापति,राज कुमारी हुस्ना चौहान उषा सावित्री आदि ने भी संबोधित किया। सभा के बाद मुख्यमंत्री को संबोधित 13 सूत्रीय मांग पत्र दिया गया।

पंडाल में गूंजे भजन, गणपति बप्पा मोरिया की हो रही जय जयकार.

लखनऊ(संवाददाता)। श्री गणेश प्राकट्य कमेटी की ओर से झूलेलाल वाटिका निकट हनुमान सेतु के पास चल रहे गणेशोत्सव के सातवें दिन सोमवार को भगवान गणपति के दरबार में भजनों की गंगा बही। कोलकाता के भजन गायक संजय शर्मा के निर्देशन व संचालन में सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरुआत शिव शक्ति प्रसंग पर आधारित रानी सती दादी की महिमा को नृत्य नाटिका के माध्यम से मंच पर साकार किया गया। इसी बीच संजय ने एक भजन तू कितनी अच्छी है कितनी प्यारी है ओ मां ओ मां..., सुनाया तो पंडाल रानी सती दादी के जयकारों से गूंजने लगा। उसके बाद संजय ने भजन कीर्तन की शुरुआत गणेश जी की स्तुति 'जय गणपति वन्दन गणनायक' से करने के बाद गणपति बप्पा मोरिया की हो रही जय जयकार, दूसरा भजन ना दौलत का सोहरत का ना दुनिया के किसी जन्नत का मै हूं फैन गजानन गणपति का.., भजन के दौरान कमेटी के संरक्षक भारत भूषण गुप्ता, अध्यक्ष घनश्याम दास अग्रवाल, महामंत्री सतीश अग्रवाल, पार्षद रंजीत सिंह, देशराज अग्रवाल, जयकरण सिंह, संजय सिंह गांधी, शरद अग्रवाल, योगेश अग्रवाल, अखिलेश बंसल, अजय अग्रवाल, अतुल बंसल, नीलेश अग्रवाल टाटा, रामशंकर वर्मा, नरेश अग्रवाल, गोपाल अग्रवाल, विनोद अग्रवाल आदि लोग झूमने लगे और बप्पा की जय जयकार करने लगे। उसके बाद संजय ने बप्पा पर एक भजन श्शदेवा हो देवा गणपति देवा, तुम से बढकर कौन.., सुनाया। कमेटी के संरक्षक भारत भूषण गुप्ता ने बताया कि छप्पन भोग का प्रसाद आज भक्तों को बांटा गया। उन्होंने बताया कि पण्डाल के बाहर महोत्सव का रुप दिया गया है। महिला एवं बच्चों के लिए विशेष प्रकार के झूले लगाए गए हैं। जिसका लोग आनंद ले रहे हैं। इसके अलावा फूड जोन, किड्स जैन, गेम जैन, शापिंग जैन, लाइव प्रोग्राम नृत्य नाटिका एवं भजन, सिंगर सेलेब्रिटी मुख्य आकर्षण है।

केजीएमयू एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग में नर्सेज की नियुक्तिपूर्व की भांति लोकसेवा आयोग प्रयागराज से होगी, मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

लखनऊ(संवाददाता)। नर्सेज भर्ती हेतु दिनांक 22ध्6ध्2023 को एक पत्र जारी किया गया जिसमें कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट (ब्ठज) 2023 द्वारा किए जाने की तैयारी की गई है, जबकि इससे पूर्व दिनांक 12ध्8ध् 2021 को स्टाफ नर्स सिस्टर ग्रेट 2 की भर्ती उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा की गई थी, मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि इससे पूर्व भी वर्ष 2015–16 में केजीएमयू द्वारा भर्ती की गई थी जिसमें बहुत गड़बड़ियां और धांधली हुई और सरकार की बहुत किरकीरी हुई थी और माननीय राज्यपाल महोदय ने तत्काल प्रभाव से उसे रद्द कर दिया और वही भर्ती फिर लोक सेवा आयोग द्वारा कराई गई थी। पुनः फिर केजीएमयू द्वारा नर्सेस की भर्ती एजेन्सी एडुटेस्ट से कराने का प्रावधान शासन को भेजा जा रहा है, जिसने इसी वर्ष राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ में काफी विसंगतियां और धांधली की गई थी,जिसके कारण सरकार की भी काफी किरकिरी हुई थी। फिर कुछ सेंटरो पर परीक्षा निरस्त कर दोबारा परीक्षा करना पड़ा था। लोक सेवा आयोग प्रयागराज सरकार की एक संवैधानिक और विश्वसनीय निकाय है, जो नियुक्ति के लिए परीक्षाओं के संचालन व निष्पक्ष चयन हेतु उपयुक्त संस्था है, जिससे सरकार की छवि धूमिल नहीं होगी।मुख्यमंत्री से निवेदन किया गया कि केजीएमयू नर्सिंग की भर्ती उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रकाशित 12 फरवरी 2016 की नियमावली के अनुसार पूर्व की भांति लोक सेवा आयोग प्रयागराज से ही कराई जाए, जिससे किसी भी प्रकार की कोई गड़बड़ी न हो। साथ ही अभ्यर्थियों के साथ न्याय तथा निष्पक्ष चयन हो सकें, जिससे भविष्य में जनहित के कार्य भी सुचारू रूप से हो सके।

एचआईवी एड्स के प्रति जागरूकता के लिए दौड़ा लखनऊ

लखनऊ(संवाददाता)। राजधानी की अलसायी सुबह के करीब छह बजे का वक्त....जनेश्वर मिश्रा पार्क के गेट नम्बर–4 पर सैकड़ों की तादाद में छात्र–छात्राओं और ट्रांसजेंडर का

जमावड़ा। इनके चेहरे पर तैर रही खुशियाँ साफ कह रहीं थीं आज की सुबह कुछ खास होने वाली है। इनका मकसद सिर्फ एक था, अपने जिले, प्रदेश और देश के लोगों को एचआईवीध एड्स से महफूज करना। इसके प्रति जागरूकता के लिए उन्होंने 10 किलोमीटर की दौड़ भी लगायी। इनकी हौसलाअफजाई के लिए जहाँ एक ओर प्रदेश के आला अधिकारी मौजूद थे वहीँ सैकड़ों की तादाद में राहगीर भी उनका उत्साहवर्धन कर रहे थे। राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (नाको) भारत सरकार के तत्वावधान में 'यूथ फेस्ट' कार्यक्रम के तहत सोमवार को उत्तर प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी द्वारा राज्यस्तरीय मैराथन 'रेड–रन उत्तर प्रदेश' का आयोजन किया गया। जनेश्वर मिश्रा पार्क के गेट नम्बर–चार से आयोजित 10 किलोमीटर के मैराथन में 17 से 25 साल के छात्र–छात्राओं और ट्रांसजेंडर ने भाग लिया । रेड रन मैराथन का शुभारम्भ करते हुए उत्तर प्रदेश राज्य एड्स नियन्त्रण सोसायटी के अपर परियोजना निदेशक डॉ. हीरा लाल ने कहा कि एक वक्त था जब कोविड से भी अधिक भयावह स्थिति एड्स को लेकर थी। समय बदला और लोगों में जागरूकता आई जिससे एड्स पर नियन्त्रण पाया गया लेकिन इसको पूरी तरह से खत्म करने के लिए अभी और जागरूकता की जरूरत है । आज सुबह इतनी बड़ी तादाद में आपकी उपस्थिति यह एहसास जरूर दिलाती है कि हम जल्दी ही इसमें भी कामयाब होंगे। उन्होंने कहा– इलाज से बेहतर बचाव है, इसलिए जागरूक बनें और बीमारियों से बचें। इसके साथ ही उन्होंने जल, जंगल, जमीन के साथ ही जिन्दगी को सुरक्षित बनाने के लिए प्लास्टिक मुक्त समाज बनाने का आह्वान किया। मैराथन में पुरुष वर्ग (छात्र) के प्रथम विजेता अंकित शुक्ला रहे, जबकि दूसरे स्थान पर अमन वर्मा और तीसरे स्थान पर शिवम कुमार रहे। महिला वर्ग (छात्रा) में पहले स्थान पर साक्षी यादव, दूसरे स्थान पर वर्षा रानी और तीसरे स्थान पर दीपिका रहीं। ट्रांसजेंडर वर्ग में पहले स्थान पर सचिन गुप्ता उर्फ खुशी, दूसरे स्थान पर हरीश और तीसरे स्थान पर मुन्ना जनानी रहे। छात्र–छात्रा वर्ग के पहले दो–दो विजेताओं को अगले महीने गोवा में होने वाले नेशनल मैराथन में भाग लेने के लिए यूपी स्टेट एड्स कंट्रोल सोसायटी ले जायेगी। इस मौके पर डॉ. हीरा लाल ने सोसायटी से कहा कि इन विजेताओं के खानपान का उचित प्रबंध किया जाए ताकि वह अच्छी तरह से अभ्यास कर नेशनल मैराथन में भाग ले सकें। विविध सेवा संस्थान की नाट्य मण्डली ने आकर्षक अंदाज में एचआईवी के फैलने के चार प्रमुख कारणों के बारे में बताया, जो इस प्रकार रहे–एचआईवी संक्रमित खून से, एचआईवी संक्रमित सुई से, एचआईवी संक्रमित के साथ असुरक्षित यौन सम्बन्ध से और एचआईवी संक्रमित माँ से शिशु में गर्भावस्था के दौरान या प्रसव के दौरान। इससे बचने के लिए डिस्पोजल या विसंक्रमित सुई का उपयोग करें, कंडोम का सही और लगातार उपयोग करें, जांचा–परखा रक्त ही इस्तेमाल करें और एचआईवी संक्रमित गर्भवती प्रसव के दौरान उचित सावधानी रखकर शिशु को संक्रमण से बचा सकती हैं। कार्यक्रम का संचालन कर रहे आरजे प्रतीक ने लोगों से एचआईवीध्एड्स से जुड़े सवाल भी पूछे और कुछ एक्टिविटी भी करायी। इस मौके पर स्टेट एचआईवी–टीबी कोआर्डिनेटर डॉ. नरेंद्र सिंह, मद्य निषेध विभाग से राजीव श्रीवास्तव, यूपी स्टेट एड्स कंट्रोल सोसायटी के संयुक्त निदेशक रमेश श्रीवास्तव, डॉ. गीता अग्रवाल, अनुज दीक्षित के साथ ही सहयोगी संस्था यूपीएनपी प्लस, पाथ और सेंटर फार एडवोकेसी एंड रिसर्च (सीफार) के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मनरेगा में महिलाओं की सहभागिता इस वर्ष अधिक

लखनऊ(संवाददाता)। महिला सशक्तिकरण व स्वावलंबन की दिशा में ग्राम्य विकास विभाग द्वारा उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व, निर्देशन व प्रबन्धन में महत्वपूर्ण व प्रभावी कदम उठाए गए हैं। वर्ष 2016–17 मनरेगा में महिलाओं की सहभागिता 33 प्रतिशत थी, वहीं अब बढ़कर 43प्रतिशत से अधिक हो गयी है।मनरेगा योजनान्तर्गत 2017से अब तक प्रदेश में 1.76 करोड़ महिलाओं द्वारा कार्य करते हुए 60.90 करोड़ मानवदिवस का सृजन किया गया है।मानव दिवस सृजन में महिला सहभागिता वित्तीय वर्ष 2016– 17 में 33 प्रतिशत से बढ़ाकर 2021–22 में 38 प्रतिशत की गई। वित्तीय वर्ष 2022–23 में 30.75 लाख महिला श्रमिकों को रोजगार उपलब्ध कराया गया एवं मानव दिवस सृजन में महिला सहभागिता 38 प्रतिशत रही।

पण्डित दीनदयाल उपाध्याय के विचार आज भी प्रासंगिक : केशव

लखनऊ (अजय मिश्र)। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने आज कैम्प कार्यालय 7 कालिदास मार्ग पर एकात्म मानववाद केप्रणेता पं.दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर उनकी स्मृति चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया।इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि एकात्म मानववाद के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय का जीवन दर्शन आज भी प्रासंगिक है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि भारतीय राजनीतिक मूल्यों के प्रतीक, एकात्म मानववाद और अंतोदय जैसे प्रगतिशील तथा सर्वसमावेशी विचारों के प्रतिपादक ,प्रेरणास्रोत पंडित दीनदयाल के जीवन दर्शन को न केवल हम सबको अनुसरण करना चाहिए, बल्कि उसे आत्मसात भी करना चाहिए।प्रखर राष्ट्रवादी पंडित दीनदयाल उपाध्याय के प्रति अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने समाज के अंतिम कतार में खड़े व्यक्ति के उत्थान के लिए हमेशा काम किया। उनके अमूल्य विचार राष्ट्र को सदा प्रेरित करते रहेंगे।

ताला तोड़कर आठ लाख की चोरी

बांदा(संवाददाता)। जिले में चोरों के हौसले बुलंद होते जा रहे हैं। पुलिस इन चोरों पर कोई लगाम नहीं लगा पा रही है। एक ऐसा ही मामला सामने आया है, जहां रात के अंधेरे में चोर जेवर सहित नकदी उड़ा ले गए। जब घर वालों को जानकारी हुई तो उन्होंने पुलिस को सूचना दी। पुलिस अधिकारियों ने डॉग स्क्वायड के साथ जांच पड़ताल की और आगे की कार्रवाई में जुट गई। पूरा मामला बांदा जनपद के शहर कोतवाली क्षेत्र के बन्यौटा का है। जहां के रहने वाले जय कुमार गुप्ता प्रापर्टी डीलर का काम करते हैं। वह रात को परिवार के साथ अपने महेश्वरी देवी चौराहा स्थित नए मकान में गणेश जी की बैठकी कराने गए थे। रात में वह परिवार के साथ उसी मकान में सो गए। रात में किसी समय उनके ताला बंद मकान के मेन गेट का ताला तोड़कर चोर घुस गए और कमरे में रखी अलमारी का लॉकर तोड़कर 70 हजार रुपए और आठ लाख के जेवर पर हाथ साफ कर दिया।

सुबह जय कुमार जब अपने मकान में पहुंचे तो मेन गेट का ताला टूटा देखा। अंदर जाकर देखा तो सामान बिखरा था। शहर कोतवाल मनोज शुक्ला ने बताया कि फॉरेसिंक टीम से भी जांच कराई है। सीसीटीवी फुटेज देखे गए हैं। फुटेज में एक संदिग्ध की फोटो दिखाई दी है। तहरीर के आधार पर चोरी की रिपोर्ट दर्ज की जा रही है।

मुफ्त बालू डलाने के विवाद में पिता समेत दो पुत्रों को लाठी-डंडों से पीटा

बांदा(संवाददाता)। नरैनी मुफ्त बालू डलाने को लेकर हुए विवाद में छह लोगों ने पिता समेत दो पुत्रों को लाठी–डंडों से पीटकर गंभीर घायल कर दिया। तीनों घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कालिंजर थाना क्षेत्र के तरहटी कालिंजर गांव निवासी संतोष (45) रेहुंची बालू खदान से गधे और ट्रैक्टर से बालू ढोने का काम करता है।

रविवार को गांव के ही दबंगों ने उससे 10 चक्कर बालू मुफ्त में डलाने की बात कही। इस पर संतोष ने उसे मना कर दिया। इस पर विवाद हो गया। दोनों के बीच मारपीट हो गई। कुछ देर बाद आरोपी अपने पांच साथियों के साथ आया और उसके ऊपर लाठी– डंडों से हमला कर दिया। मारपीट में संतोष के पुत्र अमित (18) व मोनू (15) भी घायल हो गए। तीनों को नरैनी सीएचसी भेजा गया। वहां से तीनों को जिला अस्पताल रेफर किया गया है। घायल पक्ष ने कालिंजर थाने में तहरीर नहीं दी है। कालिंजर थानाध्यक्ष ने बताया कि अभी तहरीर नहीं मिली है।

होम-गार्ड के जवान ने किशोरी का किया रेप

उरई/जालौन(संवाददाता)। जालौन में होम गार्ड के जवान ने 13 वर्षीय किशोरी के साथ रेप की वारदात को अंजाम दिया। आरोपी ने सामान मंगाने के बहाने उसे घर पर बुलाया और अकेला पाकर उसके साथ दरिंदगी की। किशोरी के शोर मचाने पर आरोपी मौके से भाग गया। घर पहुंचे पर पीड़िता ने परिजनों को जानकारी दी। इसके बाद परिजन बेटी को लेकर कोतवाली पहुंचे और तहरीर दी। पुलिस ने परिजनों की तहरीर पर मामला पंजीकृत कर पीड़िता को मेडिकल परीक्षण के लिए भेज दिया और आरोपी होम गार्ड की गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है। घटना उरई कोतवाली क्षेत्र की है। कलेक्ट्रेट में तैनात होम गार्ड जग जीवनराम अहिरवार ने 13 वर्षीय किशोरी को अपने घर पर सामान मंगाने के लिये शनिवार शाम को बुलाया था। जब किशोरी शाम सामान लेकर उसके घर पहुंची तो उसे अकेला पाकर आरोपी ने पकड़ लिया और उसके साथ जबरन रेप की वारदात को अंजाम दिया। किशोरी ने जब शोर मचाया तो आज पड़ोस के लोगों के आने की आहट सुनकर होम गार्ड जगजीवनराम मौके से भाग गया। उरई कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार सिंह का कहना है कि पीड़िता को मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा गया है। आरोपी होम गार्ड जगजीवन राम अहिरवार के खिलाफ मामला पंजीकृत कर लिया गया। साथ ही उसकी गिरफ्तारी का प्रयास किया जा रहा है।

रंजिश को लेकर दो पक्षों में मारपीट, एक दूसरे के खिलाफ तहरीर

उरई/जालौन(संवाददाता)। रंजिश के चलते कुछ लोगों ने घर में घुसकर महिला व परिजनों के साथ मारपीट कर दी। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की। उधर, दूसरे पक्ष ने भी कोतवाली में तहरीर देकर घर में घुसकर मारपीट का आरोप लगाया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम अमखेड़ा निवासी नीलम बेवा वीरपाल ने पुलिस को बताया कि उनके गांव के ही हरिओम उसके परिवार से रंजिश मानते हैं। शनिवार की शाम वह घर में खाना बना रही थी। तभी हरिओम अपने साथी राजा, युवांक व राहुल के साथ लाठी, डंडे लेकर उसके घर में आ धमके और गाली,गलौज करने लगे।

मना करने पर उन्होंने मारपीट शुरू कर दी। उसे बचाने आए शशांक व उदय के साथ भी मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी दे डाली। पीडिता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। उधर, दूसरे पक्ष के राहुल ने तहरीर देकर बताया कि उसे मिर्गी के दौरे आते हैं। शाम को वह गांव में जा रहा था।

तभी शशांक व उदय रास्ते में मिल गए और उसे उसकी बीमारी को लेकर चिढ़ाने लगे। जब उसने मना किया तो गाली, गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। उनसे बचने के लिए वह दौड़कर अपने घर में चला गया। पीछे से वह दोनों भी जबरन घर में घुस आए और लाठी, डंडों से मारपीट करने लगे। जिसमें उसे चोटें आई हैं। बचाने आई बहन के साथ भी मारपीट की और जान से मारने की धमकी देकर भाग गए। दूसरे पक्ष की तहरीर पर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कोचिंग सेंटरों में रात आठ बजे के बाद नहीं होगी पढ़ाई

उरई/जालौन(संवाददाता)। अब कोचिंग सेंटर चलाने के लिए नियम कड़े कर दिए गए हैं। कोचिंग सेंटरों को हिदायत दी गई है कि वह रात आठ बजे तक ही कोचिंग सेंटरों का संचालन करें। इसके बाद कोचिंग सेंटर का संचालन मिलने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। डीआईओएस राजकुमार पंडित ने बताया कि उच्च शिक्षा संस्थानों वाले कोचिंग सेंटरों में छात्राएं के लिए अलग से शौचालय की व्यवस्था की जाए। जिन कोचिंग सेंटरों में छात्राएं अध्ययनरत है, उनका संचालन रात आठ बजे तक ही किया जाए। आठ बजे के बाद कोचिंग संचालित मिलने पर कार्रवाई होगी। यही नहीं कोचिंग केंद्र के शिक्षक और शिक्षणेतर कर्मचारियों से संबंधित डाटा एकत्रित किया जाए। साथ ही उनके भुगतान का भी ब्योरा रखा जाए। कोचिंग की प्रत्येक टोली में पढ़ने वाले छात्रों की संख्या का भी रिकार्ड रखा जाए। छात्रों से वसूल की गई की रसीद बही रखी जाए। कोचिंग संस्थानों का संचालन निर्धारित नियमों का पालन करते हुए करना होगा। ऐसा न करने पर कोचिंग संस्थान के खिलाफ कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

आत्म शुद्धि के लिये इच्छाओं का रोकना तप है

लखनऊ(संवाददाता)। इन्दिरानगर जैन मंदिर मे दसलक्षण पर्व में सोमवार को उत्तम तप धर्म की पूजन की गई। भगवान का अभिषेक विनय जैन, अक्षय जैन बाहुबली परिवार द्वारा किया गया एवं शांतिधारा धीरज कुमार, अनुरोध कुमार जैन द्वारा की गई। ब्रह्मचारी श्रीपाल ने बताया कि मानसिक इच्छायें सांसारिक बाहरी पदार्थों मे चक्कर लगाया करती हैं अथवा शरीर के सुख साधनों में केन्द्रिय रहती हैं। इसी कारण हम दुखी रहते हैं। उन्होंने कहा कि आत्म शुद्धि के लिये इच्छाओं का रोकना तप है। जैन समाज के मंत्री अभिषेक जैन ने बताया की 28 सितंबर को अनंत चतुर्दशी का पर्व है इस दिन भगवान वासुपूज्य स्वामी का मोक्ष कल्याणक पूरे लखनऊ मे बड़े ही धूम धाम से मनाया जाएगा।

जवाहर लाल गुप्ता ने श्री कसौधन सभा लखनऊ के अध्यक्ष

लखनऊ(संवाददाता)। प्रदेश की राजधानी लखनऊ की प्रतिष्ठा परक स्वजातीय संगठन श्री कसौधन वैश्य सभा लखनऊ के अध्यक्ष पर जवाहर लाल गुप्त निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित हुए निर्वाचन अधिकारी शतीद्र प्रकाश शास्त्री ने कसौधनअतिथि भवन श्यामा–श्याम धाम चाँदन, इंदिरा नगर लखनऊ मे सम्पन चुनाव मे जवाहरलाल गुप्ता को निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित घोषित करते हुए निर्वाचन प्रमाण पत्र प्रदान किया। चुनाव अधिकारी ने बताया कि अध्यक्ष पद पर श्री जवाहर लाल के अतिरिक्त किसी अन्य नाम का प्रस्ताव न आने से उनके निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित होने की घोषणा की गयी! अध्यक्ष का निर्वाचन निर्विरोध होने पर लखनऊ सभा के संरक्षक अविनाश चंद्र वैश्य ,संजय गुप्ता,सीए एन0 एल0 गुप्ता, जगदम्बा प्रसाद गुप्ता, डा0एम एम गुप्ता, डा0 आर ए गुप्ता, डॉ प्रीति गुप्ता ,प्रदीप कुमार वैश्य, अमृत लाल गुप्ता, एस के गुप्ता,शिवम् वैश्य ने नव निर्वाचित अध्यक्ष जवाहर लाल गुप्ता को फूल माला पहनाकर बधाई दी! प्रमुख रूप से उपस्थित स्वजातीय बन्धुओं मे पत्रकार राजेश कुमार गुप्ता,राम भरत गुप्ता,चंद्रा सीड के राजेश कुमार, अरुण कुमार, मुरारी लाल गुप्ता, फूल चंद्र ,शोभा गुप्ता, सहित अधिक संख्या मे लोग उपस्थित रहे जवाहर लाल गुप्ता ने निर्विरोध अध्यक्ष चुने जाने पर समाज के सभी बंधुओ का आभार ब्यक्त करते हुए कहा कि लखनऊ के समाज ने मेरे प्रति तीसरी बार जो विश्वास ब्यक्त कर अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौपी हैं उससे मै आजीवन उऋण नही हो पाऊंगा जीवन के अंतिम समय तक समाज सेवा करता रहू यही अभिलाषा हैं संगठन को नये परिवेश मे लाने व रचनात्मक सुझाव से संगठन को सबके सहयोग से आगे बढ़ाने का कार्य करता रहुँगा।

भाजपा विधायक के सरकारी आवास में युवक ने उठाया खौफनाक कदम, दरवाजा तोड़कर कमरे में घुसी पुलिस

लखनऊ(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक योगेश शुक्ला के सरकारी आवास में एक युवक ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि युवक की पहचान बाराबंकी के हैदरगढ़ निवासी श्रेष्ठ तिवारी (30) के रूप में हुई है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, हजरतगंज क्षेत्र के सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) अरविंद कुमार वर्मा ने एक न्यूज एजेंसी को बताया कि रविवार रात बख्शी का तालाब क्षेत्र से विधायक योगेश शुक्ला के सरकारी आवास पर एक युवक के जान देने की सूचना मिली थी। उन्होंने बताया कि जब पुलिस मौके पर पहुंची तो शव फंदे से लटका मिला। वर्मा ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले में कानून कार्रवाई शुरू कर दी गई है। उन्होंने कहा कि विधायक अभी लखनऊ में नहीं हैं और अभी किसी ने इस संबंध में शिकायत दर्ज नहीं कराई है, तथा आत्महत्या की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। सूत्रों ने बताया कि श्रेष्ठ तिवारी विधायक की मीडिया टीम में काम करता था।

अपोलो मेडिक्स हॉस्पिटलन में 8 महीने के बच्चे की मौत

लखनऊ(संवाददाता)। लखनऊ के अपोलो मेडिक्स हॉस्पिटल में 8 महीने बच्चे की मौत हो गई। इसके बाद परिजनों ने हंगामा किया। परिजनों का आरोप था कि इलाज में लापरवाही के चलते बच्चे की मौत हुई। इस बीच अस्पताल प्रशासन ने मौके पर पुलिस भी बुला ली। जिसके बाद परिजनों को किसी तरह समझा बुझाकर शांत कराया गया। जानकारी के मुताबिक लखनऊ में रहने वाले परिवार के बच्चे अविरल को तेज बुखार आ रहा था। वो सिर्फ 8 महीने का था। परिवार वाले रविवार देर रात गंभीर हालत में बच्चे हो लेकर अपोलो मेडिक्स अस्पताल पहुंचे। इमरजेंसी चिकित्सकों ने बच्चे का इलाज शुरू किया। इस बीच बच्चे को एक इंजेक्शन भी दिया

गया। परिजनों का आरोप है कि इलाज कर रहे डॉक्टरों ने गलत इंजेक्शन दे दिया। इस बीच इंजेक्शन लगते ही बच्चे की हालत और बिगड़ गई। थोड़ी ही देर में बच्चे ने दम तोड़ दिया। बच्चे की मौत सुनकर परिजन बदहवास हो गए। गलत इलाज का आरोप लगाकर अस्पताल में रोने और चिल्लाने लगे। अस्पताल प्रशासन का आरोप है कि इस दौरान परिजनों ने परिसर में तोड़–फोड़ भी की। हालांकि थोड़ी देर बाद कृष्णानगर पुलिस भी मौके पर पहुंची। फिर किसी तरह समझा बुझाकर परिजनों को शांत कराया गया। हंगामा और मारपीट के सीसीटीवी भी सामने आए हैं। वही अपोलो मेडिक्स प्रशासन ने बयान जारी कर बताया कि 8 महीने के अविरल को बेहद गंभीर हालत में रविवार हो लाया गया था। उसे 4 दिन से तेज बुखार, उल्टी और दस्त की शिकायत थी। उसे अन्य कई अस्पताल से हमारे यहां रिफर किया गया था। अस्पताल में उसे इमरजेंसी मेडिसिन विभाग में भर्ती किया गया। उसे तत्काल वैंटिलेटर पर लेकर सीनियर पीडियाट्रिक डॉक्टरों की निगरानी में उसका इलाज शुरू किया गया। लेकिन 2 घंटे के भीतर ही उसे कार्डियक अरेस्ट आया। इस दौरान डॉक्टरों ने परिजनों को बच्चे की स्थिति से अवगत कराते रहे और इलाज के लिए अन्य चिकित्सा संस्थान ले जाने की ऑप्शन की बात भी कही। लेकिन परिजनों ने इलाज करने पर जोर दिया। इस बीच इलाज के दौरान कुछ देर बाद बच्चे की मौत हो गई। जिसके बाद परिजनों ने अस्पताल परिसर में तोड़फोड़ की। वैंटिलेटर समेत अन्य उपकरण को डैमेज किया। साथ ही डॉक्टर, पैरामेडिकल स्टाफ और नर्स से भी बदसलूकी की। लखनऊ सीएमओ डॉ. मनोज अग्रवाल ने बताया कि घटना के बारे में अभी तक कोई लिखित शिकायत परिजनों से नही मिली हैं। शिकायत मिलते ही मामले की जांच कराकर विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी।

राज्यपाल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ रज्जू भय्या विश्वविद्यालय का दीक्षान्त समारोह

लखनऊ(संवाददाता)। प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में आज प्रो राजेन्द्र सिंह रज्जू भय्या विश्वविद्यालय प्रयागराज का छठा दीक्षान्त समारोह सम्पन्न हुआ। दीक्षान्त समारोह में राज्यपाल ने 1,42,482 विद्यार्थियों को उपाधि दी, जिसमें स्नातक पाठ्यक्रम में 92611, स्नातकोत्तर में 26166 तथा 23705 व्यावसायिक पाठ्यक्रम में उपाधियां दी गई। मेधावी विद्यार्थियों को 161 पदक वितरित किए गए। वितरित पदकों में 47 स्वर्ण पदक, 52 रजत पदक तथा 57 कांस्य पदक प्रदान किए गए। इसके अतिरिक्त 01 कुलाधिपति पदक, 02 प्रायोजित स्वर्ण तथा 02 प्रायोजित रजत पदक मिले।छात्राओं ने पदकों में 63 प्रतिशत जबकि छात्रों ने 37 प्रतिशत पदक हासिल किए।कुलाधिपति एवं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने विश्वविद्यालय के 6वें दीक्षान्त समारोह में विश्वविद्यालय परिसर में पौधारोपण के साथ 120 एकड़ परिसर में आवागमन को सुगम और प्रदूषण रहित बनाने के लिए ई–कार्ट सुविधा का शुभारम्भ तथा 06 नए भवनों का लोकार्पण भी किया। इन भवनों में शैक्षणिक भवन ब्लाक–बी, लर्निंग रिसोर्स सेण्टर, विश्वविद्यालय अतिथिगृह, पुरूष छात्रावास टाइप–2 ब्लाक–बी, आवास टाइप–3 ब्लाक बी शामिल हैं। उन्होंने दीक्षान्त में आए राजकीय स्कूल के विद्यार्थियों को पठन–पाठन एवं पोषण सामग्री का वितरण भी किया।इस अवसर पर समारोह को सम्बोधित करते हुए

राज्यपाल ने प्रदान की 142482 विद्यार्थियों को उपाधि छात्राओ के मेडल प्राप्त करने में बढ़े प्रतिशत पर जताई प्रसन्नता

राज्यपाल ने उपाधि प्राप्त करने वाले छात्र–छात्राओं को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में छात्राओं के बड़े प्रतिशत को देखकर शैक्षिक उन्नति में समर्पण के साथ उन्नति करती महिलाओं के सशक्तिकरण पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने हाल ही में सदन में महिलाओं के 33 प्रतिशत आरक्षण को सुनिश्चित करने वाले विधेयक 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के पारित होने जाने की चर्चा की और कहा कि ये लोकतंत्र में जनता के भरोसे को मजबूत करेगा। उन्होंने अपने सम्बोधन में वैश्वीकरण के दौर में शिखा के बदलते परिदृश्य, जी–20 शिखर सम्मेलन में भारतीय संस्कृति और विरासत की वैश्विक पहचान, 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावना का प्रसार जैसे विविध महत्वपूर्ण विषयों पर भी विस्तृत चर्चा की। उन्होंने विद्यार्थियों का ध्यान भारत की ओर आकर्षित करते हुए इन्हें विश्वविद्यालय स्तर और जनभागीदारी से सुदृढ़ करने की आवश्यकता पर

बल दिया।दीक्षान्त समारोह में राज्यपाल ने उपाधि प्राप्त विद्यार्थियों को जीवन में सफलता के लिए कठिन परिश्रम, सहनशीलता और लगन के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि जीवन में उतार–चढ़ावों का दृढ़ता से सामना करें और अपने कार्यों में दक्षता हासिल करें। राज्यपाल ने आज के कार्यक्रम का उद्घाटन ''जल संवर्द्धन'' के साथ किया। उन्होंने मटकी में जलधारा प्रवाहित कर जल संरक्षण का संदेश दिया।समारोह में मुख्य अतिथि अध्यक्ष शासी निकाय, राष्ट्रीय परीक्षा एजेन्सी शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, प्रो प्रदीप कुमार जोशी ने अपने अनुभवों को विद्यार्थियों से साझा करते हुए उनको भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।समारोह में विशिष्ट अतिथि प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने विद्यार्थियों को भावी जीवन में देश के लिए अपना योगदान देने और लोकहित कार्यों से जुड़कर कार्य करने के लिए प्रेरित किया। राज्यमंत्री रजनी तिवारी ने उपाधि प्राप्त विद्यार्थियों को जीवन की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर कुलपति प्रो अखिलेश कुमार सिंह ने विश्वविद्यालय की प्रगति आख्या प्रस्तुत की।

अवंती बाई महिला चिकित्सालय में वेतन विसंगति को लेकर सफाई कर्मचारियों ने किया कार्य बहिष्कार

लखनऊ(संवाददाता)। वीरांगना अवंती बाई महिला चिकित्सालय में वेतन विसंगति को लेकर सफाई कर्मचारियों ने कार्य बहिष्कार किया कर्मचारी संघ के सुपरवाइजर अटल मिश्रा ने बताया कि कर्मचारियों की लगभग 7350 रुपए वेतन बनता है लेकिन 20 प्रतिशत की कटौती के साथ लगभग 5880 प्राप्त हुआ जिससे कर्मचारियों में असंतोष दिखाई पड़ा।कर्मचारियों ने कार्य बहिष्कार कर असंतोष जाहिर करते हुए बताया कि कार्यवाहक नर्सिंग अधीक्षक आशा सचान जबसे कार्यवाहक नर्सिंग अधीक्षक के पद पर आई है तब से कर्मचारियों में काफी असंतोष है। कर्मचारियों का आरोप है कि उनके कार्य के साथ अतिरिक्त भी कार्य करवाए जाते हैं जो कि हमारे साथ अन्याय है और यह भी कहा जाता है कि यदि हमारी बात नहीं मानोगे तो नौकरी से निकाल दिया जाएगा। कर्मचारियों ने कहा कि कर्मचारियों की संख्या कम होने के कारण कार्य करने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है और एक लोगों से दो लोगों का कार्य कराया जाता है जिससे काफी परेशानी हो रही है। यदि हमारी परेशानियां दूर नहीं होती है तो हम प्रदेश यूनियन के नेताओं के पास जाएंगे और उनसे बातचीत करके आगे की रणनीति तैयार करेंगे। इस अवसर प्रमुख अधीक्षक डॉ मधु गैरोला ने बताया कि सफाई कर्मचारियों का जो वेतन काटा गया है वह जून जुलाई में काटा गया है ,उस समय अधीक्षक के पद पर अन्य कोई कार्यरत था। काम की गुणवत्ता के आधार पर सफाई कर्मचारियों को फीडबैक के आधार पर नंबर दिए जाते हैं फीडबैक अच्छा न होने के कारण वेतन में 20 फीसदी की कटौती की गई है ।हम कर्मचारी की आर्थिक स्थिति को देखते हुए वेतन कटौती को वापस करने का पूरा प्रयास कर रहे हैं कि उनका वेतन उनको प्राप्त हो सके। इस अवसर पर मुनिया जायसवाल सफाई कर्मचारी, वंदना, विक्की कुमार, सुनीता, राजकुमार सहित अन्य सफाई कर्मी उपस्थित रहे।

अवध बस अड्डे पर बड़ा घोटाला, 6.50 लाख के टिकट गायब, तीन रोडवेज कर्मी सस्पेंड

लखनऊ(संवाददाता)। अवध डिपो में एक बड़ा टिकट घोटाला सामने आया है। बसों में टिकटों की चोरी का बड़ा मामला प्रकाश में आने के बाद अफसर भी सकते में है। एमडी यूपीएसआरटीसी मासूम अली सरवर के मुताबिक वैसे तो यूपीएसआरटीसी की बसों में ऑनलाइन इलेक्ट्रॉनिक मशीन के जरिए टिकट बनाया जाता है, लेकिन कुछ मैन्युअल टिकट भी रखे जाते हैं ताकि अगर मशीन गड़बड़ हो या किसी तरह की कोई दिक्कत हो तो इन्हीं मैन्युअल टिकट को यात्रियों को दिया जाता है। 29 जुलाई को मैन्युअली टिकट की 10 गड्डियों के को गायब किए जाने की सूचना मिली। जांच बैठा दी गई है। तीन कर्मचारियों को निलंबित कर दिया गया है।अग्रिम जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। मामला परिवहन निगम की कमाई घटने के बाद सामने आया है।हर महीने कमाई का पूरा ब्यौरा जमा करने वाले कंडक्टरों और ड्राइवर की जब जांच की गई तो मालूम पड़ा कि अगस्त महीने में कमाई घटी है। मैन्युअल टिकटों की गिनती की गई जो कम मिली। इस पूरे मामले की जांच कराई जा रही है।6 सितंबर को मामले में जांच बिठाई गई और जांच रिपोर्ट में सामने आया कि उसी दिन टिकट गायब हुए। 29 जुलाई को तीन कर्मचारी जहां तैनात थे वहां पर रोडवेज के क्षेत्रीय प्रबंधक

आरके त्रिपाठी ने जांच में दो बस परिचालकों दिनेश कुमार श्रीवास्तव और अनुज मिश्रा के साथ ही साथ लिपिक राजेश श्रीवास्तव को दोषी पाया और इन्हें निलंबित कर दिया। बैग कक्ष प्रभारी मधु श्रीवास्तव की लापरवाही सामने आने के बाद उनसे जवाब तलब किया गया है। अवध डिपो पर इस तरह गड़बड़ झाले या चोरी का यह पहला मामला नहीं है। पहले भी हजारों लीटर डीजल चोरी होने का मामला इसी बस अड्डे से प्रकाश में आया था। जांच हुई थी और कई कर्मचारियों को निलंबित किया गया था। कई को कारण बताओ नोटिस दिया गया था, घपले घोटाले के बाद जांच तो होती है लेकिन ठोस कार्रवाई न होने पर घटनाएं नहीं रुकती।

यूपी कई मायनों में अव्वल,बदली तस्वीर

मिशन 2024 को केंद्र में रखकर लागू हुई कई योजनाएं

लखनऊ(संवाददाता)। 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए बीजेपी हुकूमत एक के बाद एक योजना शुरू कर रही है। सत्ता में फिर वापसी खातिर उत्तर प्रदेश काफी अहम है। भाजपा प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार पर काफी हद तक लक्ष्य के लिए निर्भर है। योगी आदित्यनाथ अगले साल होने वाले चुनाव के लिए प्रदेश की भूमिका को बेहतर समझते हैं। उत्तर प्रदेश का बजट पेश होने के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश सरकार की ओर से योजनाओं को लागू करने को लेकर बड़ा दावा करते हुए कहा कि हम नंबर–1 पर हैं। उत्तर प्रदेश गन्ना उत्पादन में नंबर–1 पर है, हम उज्जवला कनेक्शन देने के मामले में देश में नंबर–1 है प्रदेश में 1.74 करोड़ परिवारों को मुफ्त में रसोई गैस कनेक्शन मुहैया कराया है। उत्तर प्रदेश सरकार की मुख्य योजनाओं की बात करें तो यह गन्ना उत्पादन, उज्जवला योजना, एक्सप्रेस वे, स्वनिधि योजना, अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योतियोजना, एमएसएमई, खाद्यान्न उत्पादन, ओडीएफ योजना, ई प्रॉसीक्यूशन प्रणाली, दुग्ध उत्पादन योजना चल रही है, जो प्रदेश को अन्य राज्यों की तुलना में अलग श्रेणी में खड़ा करती है। उज्जवला गैस कनेक्शन ही नहीं एक्सप्रेस वे बनाने के मामले में भी उत्तर प्रदेश नंबर–1 है। प्रदेश के श्रमिकों, पटरी दुकानदार को भरण पोषण भत्ता देने के मामले में भी प्रदेश नंबर–1 पर है। अटल पेंशन योजना में भी उत्तर प्रदेश पहले पायदान पर है। प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना के मामले मे नंबर 1 है। एमएसएमई यूनिट की संख्या 98 लाख तक पहुंच गई, जो कि उत्तर प्रदेश की नींव को और भी मजबूत करती है। इसमें भी उत्तर प्रदेश नंबर–1 है। किसानों को अनुदान डीबीटी के माध्यम से मुहैया कराने के मामले में भी पहले पायदान पर है। प्रदेश में सर्वाधिक मेडिकल कॉलेज के नाम उत्तर प्रदेश पहले पायदान पर है। प्रदेश अब एक जिले में एक मेडिकल कॉलेज के लक्ष्य को ओर आगे बढ़ रहा है। गरीबों को शौचालय मुहैया कराने की बात हो या फिर कौशल विकास नीति को लागू करने की बात हो, इन तमाम मामलों में भी उत्तर प्रदेश पहले पायदान पर है।उत्तर प्रदेश में ग्रामीण और शहरी क्षेत्र के गरीबों को 12.77 लाख आवास मुहैया कराए गए। इसमें भी उत्तर प्रदेश पहले पायदान पर है। इसके अलावा स्वास्थ्य नीति को लागू करने के मामले में भी उत्तर प्रदेश देश में पहले पायदान पर है। दुग्ध उत्पादन में उत्तर प्रदेश देश में पहले पायदान पर है।

पिकअप ने युवकों को रौंदा, एक की मौत, साथी की हालत गंभीर

बांदा(संवाददाता)। जिले में हादसों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। जनपद के अतर्रा में एक दर्दनाक हादसा हो गया। जिसमें एक युवक की मौत हो गई। दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया जो अस्पताल में जिंदगी और मौत की जंग लड़ रहा है। पुलिस मामले की छानबीन कर कार्रवाई में जुड़ गई है। मृतक चंद्रभवन और घायल मुन्ना अतर्रा थाना अंतर्गत खमौरा गांव के निवासी थे। जो मजदूरी करते थे किसी काम को लेकर वह अतर्रा गए हुए थे, वहां से वापसी के दौरान नहर के पास एक तेज रफ्तार पिकअप ने जोरदार टक्कर मार दी। जिसकी सूचना ग्रामीणों ने पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने आनन फानन में घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने चंद्रभवन को मृत घोषित कर दिया और मुन्ना को अस्पताल में भर्ती कर उसका इलाज किया जा रहा है। पुलिस ने शव को कब्जे में कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आगे की कार्रवाई में जुड़ गई है।

उपमुख्यमंत्री ने किया बीजेपी पिछड़ा मोर्चा की सोशल मीडिया कार्यशाला शुभारम्भ

लखनऊ(संवाददाता)। घोसी उपचुनाव में हार के बाद बीजेपी अलर्ट मोड में आ गई है। बीजेपी ने यूपी की सभी 80 लोकसभा सीटों को जीतने के लिए अब नए सिरे से रणनीति तैयार करना शुरू कर दिया है। बीजेपी ने ओबीसी मतदाताओं को अपने साथ अब सोशल मीडिया का सहारा लेगी। जिसके लिए आज राजधानी लखनऊ के भाजपा मुख्यालय में सोशल मीडिया की कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, पिछड़ा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के लक्ष्मण और भाजपा पिछड़ा वर्ग के अध्यक्ष नरेंद्र कश्यप भी मौजूद रहे। ओबीसी मतदाताओं को साधने की है बीजेपी ने पहले ओबीसी महाकुंभ से लेकर बाइक रैली सबका आयोजन कर चुकी है। और आज से सोशल मीडिया पर अभियान शुरू करने जा रही है।सोशल मीडिया वॉलंटियर्स ओबीसी वर्ग के युवाओं तक बीजेपी की नीतियों के साथ ही सरकार की योजनाओं के संबंध में जानकारी पहुंचाएंगे। आज की कार्यशाला के माध्यम से बीजेपी पिछड़ा वर्ग मोर्चा प्रत्येक जिले में 20 हजार सोशल मीडिया वोलेंटियर तैयार करेगा।सोशल मीडिया के जरिए अधिक से अधिक लोगों तक अपनी बात पहुंचाई जाए। इसके लिए बीजेपी पिछड़ा वर्ग मोर्चा हर जिले में ट्रेनिंग सेशन, वर्कशॉप आयोजित करेगा। बीजेपी पिछड़ा मोर्चा के अध्यक्ष नरेंद्र कश्यप ने बताया कि हम आगामी चुनाव के लिए सोशल मीडिया वॉलंटियर्स तैयार करने जा रहे हैं। ये सोशल मीडिया वॉलंटियर्स ओबीसी वर्ग के युवाओं तक पहुंचेंगे और भारतीय जनता पार्टी की नीतियों के साथ ही केंद्र में मोदी सरकार और राज्य में योगी सरकार की योजनाओं के संबंध में जानकारी पहुंचाएंगे। बीजेपी पिछड़ा वर्ग मोर्चा की तैयारी हर जिले में 20 हजार युवाओं की टीम तैयार करने की है। और लोकसभा क्षेत्र से लेकर मंडल स्तर तक, अलग–अलग टीमें बनाई जाएंगी। लोकसभा, विधानसभा और प्रदेश स्तर की टीम में 23– 23 लोग रहेंगे। जिले और मंडल स्तर पर 13–13 लोगों की टीम रहेगी।इसमें शामिल सोशल मीडिया वालंटियर केंद्र और राज्य सरकार की ओर पिछड़ा वर्ग के कल्याण के लिए किए गए काम को सोशल मीडिया के जरिए उनके बीच लेकर जाएंगे। 24 अक्टूबर को एक बड़ा सम्मेलन आयोजित करने की भी तैयारी है। बीजेपी का ओबीसी मोर्चा हर विधानसभा क्षेत्र में पिछड़ा वर्ग के 50–50 कार्यकर्ताओं की टोली तैयार करेगा। टोली बनाने में ओबीसी की प्रमुख 79 जातियों पर फोकस किया जाएगा। ये टीमें घर–घर पहुंचकर चुनाव के लिए माहौल तैयार करेंगी। नरेंद्र कश्यप के मुताबिक इन टोलियों के जरिए पिछड़ा वर्ग के सक्रिय कार्यकर्ता और नेता तैयार किए जाएंगे, जो लोकसभा चुनाव तक पूरे प्रचार की कमान भी संभालेंगे। ये कार्यकर्ता ऐसे होंगे, जिन्हें ट्रेनिंग देकर सरकार के कामकाज के बारे में बताया जाएगा। मोर्चे का लक्ष्य है कि ढाई लाख से ज्यादा ओबीसी कार्यकर्ता तैयार किए जाएं।

खराब पेट ने कर दी है हालत खराब तो ये घरेलु नुस्खे दिलवाएंगे इंफेक्शन से राहत

बदलते मौसम में अक्सर पेट में मरोड़, लूज मोशन जैसी समस्याएं होने लगती हैं। पेट में मरोड़ और दस्त एक साथ होने के कारण हालत और भी खराब हो जाती है। मौसम के अलावा गलत खान–पान, फास्टफूड

और गंदा पानी भी हो सकता है। ऐसे में यदि मौसम बदलने के साथ–साथ आपका भी पेट खराब हो रहा है तो आप दवाईयां खाने की जगह कुछ घरेलू नुस्खों की मदद ले सकते हैं। आइए जानते हैं इनके बारे में....

जीरा

मसाले के तौर पर इस्तेमाल होने वाला जीरा भी आपको लूज मोशन से आराम दिलवाने में मदद करेगा। यदि आपको बार–बार लूज मोशन की समस्या हो रही है तो 1 चम्मच जीरा चबाएं। जीरा दस्त की समस्या में काफी फायदेमंद माना जाता है। जीरा चबाकर पानी पीने से आपको दस्त से काफी आराम मिलेगा।

केला यदि बार–बार आप मोशन से परेशान हो गए हैं तो केले का सेवन करें। इससे आपको समस्या से काफी आराम मिलेगा। केले में पाया जाने वाला पेक्टिन नाम का तत्व पेट को बांधने का काम करता है। इसमें पाया जाने वाला पेक्टिन पेट को बांधने का काम करता है। इसके अलावा केले में पोटैशियम काफी अच्छी मात्रा में पाया जाता है जो शरीर के लिए बेहद फायदेमंद साबित होता है।

अदरक

यह भी पेट खराब की समस्या में बेहद लाभकारी माना जाता है। इसमें पाए जाने वाले एंटीफंगल और एंटीबैक्टीरियल गुण पेट दर्द से राहत देंगे। एक चम्मच अदरक पाउडर को दूध में मिलाकर पीने से आपको काफी आराम मिलेगा।

पुदीना

पुदीना एक ऐसी हेल्दी हर्ब है जिसका इस्तेमाल सालों से पेट से जुड़ी समस्याओं से राहत पाने के लिए किया जाता है। इसमें कुछ ऐसे एंटीऑक्सीडेंट्स मौजूद होते हैं जो पाचन क्रिया को स्वस्थ बनाने में मदद करते हैं।

ज्यादा से ज्यादा पानी

पेट खराब होने पर शरीर में पानी की कमी भी हो जाती है ऐसे में ज्यादा से ज्यादा पानी का सेवन करें। फलों का जूस या फिर सब्जियों का रस भी आप पी सकते हैं। नींबू पानी और नमक चीनी से बना घोल भी सेहत के लिए फायदेमंद रहेगा। गाजर का जूस आप पी सकते हैं।

दही

दही का सेवन आप पेट खराब होने पर कर सकते हैं। इसमें पाए जाने वाले बैक्टीरिया संतुलन बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं जिससे पेट जल्दी ठीक होता है। इसके अलावा यह पेट को ठंडा रखने में भी मदद करता है।

घर में रखी ये चीजें छिन लेगी बरकत, तुरंत हटा ले नहीं तो होगा भारी नुकसान !

वास्तु शास्त्र में घर की दिशाओं के साथ–साथ यहां रखी हुई चीजों के भी कुछ नियम बताए गए हैं। इस शास्त्र के अनुसार, घर में रखी वस्तुओ से पॉजिटिव और नेगेटिव दोनों तरह की एनर्जी निकलती है जिसका प्रभाव सदस्यों पर पड़ता है। यदि यहां पर नेगेटिव एनर्जी वाली चीज रखी जाए तो व्यक्ति को मानसिक, आर्थिक और शारीरिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। आज आपको कुछ ऐसी वस्तुएं बताते हैं जो नेगेटिव एनर्जी पैदा करेंगी और घर की बरकत छिन लेगी। आइए जानते हैं इनके बारे में. ...

कांटेदार पौधे

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में कभी भी कांटेदार पौधे नहीं लगाने चाहिए। इन्हें घर में लगाने से नेगेटिविटी आती है जिन घरों में ऐसे पौधे लगे होते हैं वहां सदस्यों के बीच अक्सर तनाव और लड़ाई झगड़े रहते हैं। इसलिए इन्हें तुरंत घर से निकाल दें।

जूते–चप्पल

बहुत से लोग घर में जूते–चप्पल ऐसे ही फेंक देते हैं परंतु ऐसी घरों में नेगेटिव एनर्जी का प्रवेश होता है। इसके अलावा बेड के नीचे या फिर मुख्य द्वार पर भी इन्हें रखना शुभ नहीं माना जाता। इससे घर में नेगेटिविटी का संचार बढ़ता है।

रुकी हुई घड़ी

घर में कभी भी लंबे समय से रुकी हुई घड़ी नहीं रखनी चाहिए। इससे भी घर में नकारात्मक एनर्जी का स्तर बढ़ता है। माना जाता है कि जब घड़ी रुकती है तो इससे पता चलता है कि व्यक्ति का समय रुक गया। ऐसी घड़ी परेशानियों का कारण बन सकती है।

पुराना कैलेंडर

नया साल आने के बाद पुराना कैलेंडर भी घर से निकाल देना चाहिए। पुराना कैलेंडर अतीत का संकेत देता है। इसके चलते घर की एनर्जी नेगेटिव होती है और सदस्यों की प्रगति रुकती है।

टूटे हुए बर्तन

घर में टूटे हुए कांच के गिलास या बर्तन रखना अशुभ माना जाता है। ऐसी चीजें गरीबी का संकेत देती हैं वास्तु शास्त्र के अनुसार, कभी भी ऐसे बर्तनों का इस्तेमाल न करें क्योंकि यह दुर्भाग्य का कारण बनते हैं।

घर से पैसों की किल्लत होगी दूर, इस दिशा में लगाएं जेड प्लांट

पेड़–पौधे लगाने से यहां घर की सुंदरता बढ़ती है वहीं वास्तु शास्त्र में

इनका खास महत्व बताया गया है। इस शास्त्र के अनुसार, कुछ पौधे ऐसे होते हैं जो घर में पॉजिटिविटी का संचार करते हैं। उन्हीं पौधों में से एक है जेड प्लांट। जेड प्लांट जिसे मनी ट्री, फोलर प्लांट, क्रासुला प्लांट, गुड लक ट्री जैसी कई नामों से जाना जाता है। वास्तु मान्यताओं के अनुसार, घर की सही दिशा में इसे लगाने से सुख–संपत्ति में बढ़ोतरी होती है और घर की आर्थिक स्थिति भी सुधरती है। तो चलिए जानते हैं इससे जुड़े कुछ वास्तु टिप्स....

घर में आएगी पॉजिटिविटी

इसे लगाने से घर की खूबसूरती तो बढ़ती है इसके अलावा सुख–समृद्धि का भी आगमन होता है। यह पौधा घर में पॉजिटिविटी को बढ़ावा देता है इसे घर में लगाने से सदस्यों के जीवन पर पॉजिटिव प्रभाव देखने को मिलता है और पैसों की तंगी से भी छुटकारा मिलता है।

यहां लगाएं पौधा

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर के मुख्य द्वार पर जेड प्लांट को लगाना बहुत ही शुभ माना जाता है। यहां पर इसे लगाने से घर में पॉजिटिव एनर्जी का संचार होता है। अच्छा रहेगा स्वास्थ्य घर की पूर्व दिशा में इस पौधे को लगाने से परिवार में खुशहाली आती है और उनकी दीर्घायु होती है। इसके अलावा यहां पर इसे लगाने से घर के सदस्यों का मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य भी अच्छा रहता है। पैसों की तंगी होगी दूर

दक्षिण–पूर्व दिशा में इस पौधे को लगाने से आर्थिक स्थिति मजबूत होती है। इसके अलावा पैसों की तंगी से भी छुटकारा मिलता है।

ऑफिस में होगी उन्नति

पश्चिम दिशा में इस पौधे को लगाने से एकाग्रता बढ़ता है और ऑफिस में पश्चिम दिशा में लगाने से करियर में उन्नति मिलती है।

ऐसी जगह पर न रखें पौधा

वास्तु शास्त्र के अनुसार, यह पौधा धन का प्रतीक माना जाता है इसलिए इसको गंदी या फिर किसी अंधेरी जगह पर नहीं रखना चाहिए। इसके अलावा बेडरुम या बाथरुम में भी इसे रखना शुभ नहीं माना जाता है।

ऑफिस में घंटों बैठकर होने लगा है पीठ दर्द तो यह एक्सरसाइज दूर करेगी समस्या

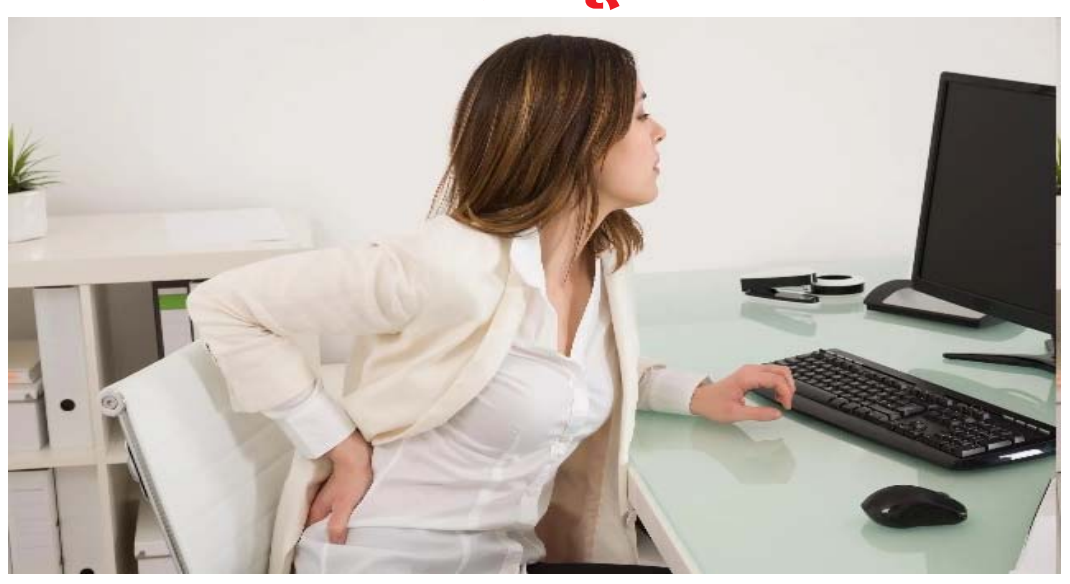

ऑफिस में ज्यादा देर तक एक ही जगह बैठे रहने के कारण गर्दन और पीठ में तेज दर्द होने लगता है। एक ही पॉजिशन में ज्यादा देर तक बैठे रहना सेहत के लिए भी नुकसानदायक हो सकता है। परिणामस्वरुप इसके चलते पीठ में कूबड़ भी पड़ सकता है। बार–बार होने वाले पीठ और गर्दन दर्द से बचने के लिए आप व्यायामम के रुप में पिलेट्स कर सकते हैं। पिलेट्स एक्सरसाइज करने से शरीर को कैसे फायदा पहुंचेगा आज आपको इसके बारे में बताएंगे। आइए जानते हैं....

पिलेट्स से दूर होगा पीठ दर्द

यह एक ऐसी एक्सरसाइज है जो पीठ के साथ–साथ कोर को भी मजबूत बनाने में मदद करती हैं। ज्यादा देर तक यदि आप बैठते हैं तो इस एक्सरसाइज का नियमित अभ्यास करने से दर्द में काफी आराम मिलेगा। पिलेट्स में सिर्फ कोर ही नहीं बल्कि पेट, पीठ और पेल्विक और डायफ्राम को भी राहत मिलती है। इन सब को मजबूत बनाने के लिए आप इस व्यायाम का अभ्यास कर सकते हैं। इससे पीठ मजबूत भी बनती है और दर्द भी दूर होगा।शोध में सामने आए नतीजे

शोध में यह साबित हुआ है कि पिलेट्स करने से पुराने पीठ दर्द से जूझ रहे रोगियों में काफी सुधार सामने आया है। एक्सपर्ट्स ने बताया कि बैठने की सही मुद्राएं और व्यायाम से रीढ़ की गति के उपचार में मदद मिलती है जिससे पुराना से पुराना पीठ का दर्द और गर्दन का दर्द कम होता है। पिलेट्स में प्रयोग किया जाने वाली नियंत्रित श्वास तकनीक गर्दन और कंधों में विश्राम और तनाव से काफी आराम मिलता है। यह पोस्टुरल दर्द को भी कम करता है। इससे पीठ को पूरा आराम मिलता है और दर्द में राहत मिलती है।

जरुर लें बीच में 1–2 घंटे का ब्रेक

एक्सपर्ट्स के अनुसार, पीठ के दर्द से बचने के लिए हर 1–2 घंटे में ब्रेक लें, पीठ को स्ट्रेच करें और कुछ आरामदायक एक्सरसाइज करें।

कोरियन ग्लास स्किन पाने के लिए इस घरेलू नस्खे का करें इस्तेमाल, फॉलो करें ये टिप्स

आजकल कोरियन ग्लास स्किन ब्यूटी ट्रेंड में नजर आ रही है। इसके लिए आपको मार्केट में कई बड़े–बड़े

ब्रांड्स के प्रोडक्ट्स भी मिल जाएंगे। इन बाहरी प्रोडक्ट्स में कई तरह के केमिकल पाए जाते हैं। यह शीशे की तरह ग्लो देने की बजाय आपकी स्किन को बेजान बना सकती है। स्किन पर शीशे की तरह ग्लो लाने के लिए आप घरेलू चीजों का इस्तेमाल कर सकती हैं। आइए जानते हैं कि कोरियन ग्लास स्किन पाने के लिए आप एक घरेलू नुस्खा बताने जा रहे हैं। आइए जानते हैं इन घरेलू चीजों के इस्तेमाल करने का तरीका और इससे आपकी स्किन को क्या फायदे होते हैं।इन चीजों का करें इस्तेमाल

शहदपपीतापपीता इस्तेमाल करने के फायदेपपीता का स्किन पर इस्तेमाल करने से स्किन की इलास्टिसिटी को बरकरार रखने में सहायक होता है।

पपीते में मौजूद तत्व स्किन की ड्राईनेस को कम करता है और नेचुरल मॉइस्चराइजर का काम करता है।

पपीता स्किन की पिगमेंटेशन को कम करने के लिए फायदेमंद होता है।

शहद इस्तेमाल करने के फायदे

बता दें कि शहद में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स स्किन को हाइड्रेटेड बनाने में मददगार होती है।

शहद आपकी त्वचा में इलास्टिसिटी बरकरार रखने में मदद करता है।

शहद और पपीते का फेस पैक बनाने के लिए पपीते को अच्छे से मिक्सर में मैश कर लें।

फिर इसमें 2–3 चम्मच शहद मिलाएं।

इन दोनों को अच्छे से मिक्स करने के बाद ब्रश की मदद से इसे फेस पर अप्लाई करें।

इस फेस पैक को चेहरे पर 20 मिनट तक लगा रहने दें। फिर पानी की मदद से फेस को धो लें।

आप हफ्ते में 3 बार तक इस फेस पैक का इस्तेमाल कर सकती हैं।

इस फेसपैक को अप्लाई करने से आपका फेस शीशे की तरह ग्लो करने लगता है।

कैसे पाएं कोरियन स्किन

इन टिप्स को अपना एयर फ्रायर में बेक करें केक

कभी–कभी ऐसा होता है कि कुछ मीठा लेकिन बहुत टेस्टी खाने का मन करता है। ऐसे में हम केक खाना चाहते हैं। अमूमन मार्केट जाकर केक लाने की इच्छा नहीं होती है और घर पर भी बिना किसी झंझट के हम केक तैयार करना चाहते हैं। ऐसे में सबसे अच्छा तरीका होता है कि आप एयर फ्रायर में केक तैयार करें। एयर फ्रायर में केक बेक करना काफी आसान है और इसमें आपको समय भी अपेक्षाकृत कम लगता है। खासतौर पर, अगर आप एक मिनी केक बनाना चाहते हैं तो ऐसे में एयर फ्रायर का इस्तेमाल करना यकीनन एक अच्छा विचार है। हालांकि, इस दौरान आपको कुछ छोटी–छोटी बातों का ख्याल रखना चाहिए, जिसके बारे में आज हम आपको बता रहे हैं–

सही पैन का करें इस्तेमाल

जब आप एयर फ्रायर में केक बेक कर रही हैं तो आपको सही पैन चुनना बेहद आवश्यक है। आप एक छोटा और ओवर सेफ पैन का इस्तेमाल कर सकती हैं। हालांकि, ध्यान रखें कि वह आपके एयर फ्रायर बास्केट के अंदर आराम से फिट हो जाए। अधिकांश एयर फ्रायर में 6 इंच के

गोल या चौकोर केक पैन आसानी से फिट हो जाते हैं। एयर फ्रायर को करें प्री हीट

जिस तरह ओवन में केक बेक करने से पहले आप उसे प्रीहीट करते है, ठीक उसी तरह एयर फ्रायर को भी प्रीहीट करना बेहद जरूरी है। एयर फ्रायर को प्रीहीट करने से आपको सही तापमान मिल जाता है और इससे आपका केक समान रूप से पकता है।

पैन को ग्रीस और लाइन करें

केक बेक करते हुए आप यह कभी नहीं चाहेंगे कि आपका केक पैन में ही चिपक जाए। इसलिए पहले पैन को मक्खन या कुकिंग स्प्रे से ग्रीस करें। इसके बाद नीचे पार्चमेंट पेपर से लाइन करें। यह केक को पैन पर चिपकने से रोकने में मदद करता है।

टाइमर करें एडजस्ट

एयर फ्रायर को उसकी फास्ट कुकिंग के लिए जाना जाता है। इसलिए, जब आप एयर फ्रायर में केक को बेक कर रहे हैं तो ऐसे आपको टाइमिंग पर खास ध्यान देना चाहिए। यह ओवन की तुलना अधिक जल्दी बेक हो जाएगा। बेहतर होगा कि आप इसके लिए कुकबुक की मदद लें।

बार–बार ना खोलें एयर फ्रायर

आपका केक सही ढंग से पका है या नहीं, यह चेक करने के लिए आपको एयर फ्रायर को खोलने की जरूरत पड़ सकती है। लेकिन केक बेकिंग के दौरान एयर फ्रायर को बार–बार न खोलें, क्योंकि इससे तापमान में उतार–चढ़ाव हो सकता है, जिससे केक सही ढंग से बेक नहीं हो पाएगा।

हेयर एक्सटेंशन से होने वाले हेयर डैमेज को कम करने के लिए अपनाएं ये टिप्स

अपने बालों को स्टाइल करने के लिए हम कई तरह की हेयर एक्सेसरीज का इस्तेमाल करते हैं और हेयर एक्सटेंशन इनमें बेहद आम है। अगर बाल छोटे हैं और आप अपना मनपसंद हेयरस्टाइल नहीं बना पा रही हैं तो ऐसे में एक्सटेंशन आपके काफी काम आएंगे या फिर अगर आपके बाल बहुत अधिक पतले हैं और आप उनमें वॉल्यूम ऐसे में भी हेयर एक्सटेंशन का इस्तेमाल

हालांकि, इस बात से इनकार नहीं हेयर एक्सटेंशन का इस्तेमाल करने के लेकिन अगर आप कुछ छोटे–छोटे टिप्स हेयर डैमेज को काफी हद तक कम आप हेयर एक्सटेंशन का इस्तेमाल होने वाले हेयर डैमेज को कम करना उसकी क्वालिटी पर खासतौर पर ध्यान कि आप किसी अच्छे ब्रांड के रियल का ही इस्तेमाल करें। दरअसल, सिंथेटिक की संभावना अधिक हो सकती है और साथ अच्छी तरह ब्लेंड भी नहीं हो पाता ना लगाएं

कई बार हम अपने बालों को बहुत के चक्कर में बहुत अधिक लंबे और करते हैं। लेकिन इससे बालों को काफी दरअसल, वे आपके नेचुरल हेयर को टूटने का कारण बन सकते हैं।

सही तरह से करें इस्तेमाल

आप हेयर एक्सटेंशन का इस्तेमाल इसका असर भी बालों पर बहुत अधिक पड़ता है। एक्सटेंशन लगाते या हटाते समय अपने बालों को जोर से खींचने से बचें। ऐसा करने से बालों को काफी नुकसान हो सकता है। लंबे समय तक पहनने से बचेंहेयर एक्सटेंशन को बहुत अधिक लंबे समय तक पहनने से बचना चाहिए। कई बार हम एक्सटेंशन लगाने के बाद उन्हें काफी देर तक लगा रहने देते हैं या फिर हर दिन हेयर एक्सटेंशन का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन ऐसा करने से नेचुरल हेयर को काफी नुकसान हो सकता है। इसलिए लगातार एक्सटेंशन न लगाकर अपने नेचुरल हेयर को आराम दें।

एड करना चाहती हैं तो किया जा सकता है। किया जा सकता है कि अपने कुछ नुकसान हैं। अपनाते हैं तो ऐसे में इस किया जा सकता है–जब करना चाहते हैं और उससे चाहते हैं तो ऐसे में आपको देना चाहिए। कोशिश करें ह्यूमन हेयर से बने एक्सटेंशन एक्सटेंशन के डैमेज होने यह आपके नेचुरल हेयर के है।बहुत हैवी हेयर एक्सटेंशन

अधिक लंबा व घना दिखाने भारी एक्सटेंशन का इस्तेमाल नुकसान हो सकता है। खींच सकते हैं और उनके

किस तरह से करते हैं,

गांव-गांव घूम रहा जागरूकता रथ, योजनाओं की दे रहा जानकारी

तिलक चंदन व माला पहनाकर हरिजन महिला की उतारी आरती

बीडीओ ने अपने अनूठे अभियान को नाम दिया बैड

गांव को स्वच्छ बनाने के लिए स्वयं धाता खण्ड विकास अधिकारी ने नाली में चलाया फावड़ा

फतेहपुर खागा(संवाददाता)। सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों तक पहुंचाने के लिए रविवार को बीडीओ धाता ने जहांगीर नगर गहुरा गांव में जाकर अपने अभियान को आगे बढ़ाया। बीडीओ ने अपने अभियान का नाम रखा बी.ए.डी.(बीडीओ ऐट द डोर) रविवार को ओडीएफ प्लस गांव जहांगीर नगर में समूह की महिलाओं को बताया कि आप लोग छोटे –छोटे उद्योग स्थापित कर स्वालंबी बनिए। समूह से आप लोगों को जो भी सहायता मिलती है उसका भरपूर उपयोग करिए। उन्होंने बताया कि थोड़ा –थोड़ा करके ही धन का संचयन कर आदमी बड़ा बनता है। आप सभी लोग शर्म व संकोच को दूर कर छोटे –छोटे उद्यम स्थापित करिए। जिससे आप आत्म निर्भर होंगे। बीडीओ अजय कुमार तिवारी ने रविवार को अपनी ओर से जागरूकता रथ के साथ– साथ तख्ती व पैड में स्लोगन लिखवाकर गांव–गांव में भ्रमण करके लोगों को जागरूक किया। साथ ही सभी ग्रामीणों को घर –घर जाकर बताया कि आपका गांव ओडईएफ मुक्त हो गया है। आप लोग अपने गांव को स्वच्छ बनाने में पूरी मदद करें और समूह से जुड़े। वहीं उन्होंने कहा कि आप सभी लोग गांव में लगे कूडादान में ही कूड़ा–करकट फेंके। बीडीओ ने गांव में भ्रमण के दौरान लोगों को जागरूक करने के लिए स्वयं ही नाली से कचरा निकालकर सफाई की। जिसको देख ग्रामीणों ने बीडीओ के हाथों से फावड़ा छीनकर खुद नाली की सफाई की। स्वयं का कॉन्सेप्ट तैयार कर गांव के युवाओं व बेरोजगारों को उद्यम लगाने के लिए प्रेरित किया। बीडीओ ने शासन की समस्त योजनाओं की जानकारी देने के लिए एक रथ तैयार किया है। जिसमें स्वास्थ्य विभाग के डॉक्टर, बैंक कर्मी, बीडियो आदि लोग रोजाना गांव में भ्रमण कर विभाग की समस्त योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों तक पहुंचाएंगे। बीडीओ अजय कुमार तिवारी ने बताया कि लोग गांव में हरिजन को बहुत ध्येय की दृष्टि से देखते हैं। लोगों को समझाने के लिए उन्होंने गांव में प्रवेश कर सबसे पहले हरिजन को ग्राम देवता का नाम देकर तिलक चंदन के साथ माला पहनाकर उनका स्वागत कर उनके प्रति ग्रामीणों को नजरिया बदलने की बात कही।

उन्होंने बताया कि उनके अभियान का मतलब है कि ग्रामीणों को शासन की समस्त निरूशुल्क योजनाओं की जानकारी दी जाए और गांव में मिलने वाले प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री आवास में प्रधानों द्वारा अधिकारियों का नाम बता कर अवैध वसूली की जाती है जिससे ग्रामीण जनता अनजान होती है उन सब बातों से ग्रामीणों को अवगत कराएंगे। उन्होंने अपने ही खर्चे से गांव– गांव में पर्चे छपवाकर ग्रामीणों को बांटने का काम किया ।

प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के निर्देशन में आधुनिक तकनीक से जुड़ रही 150 राजकीय आईटीआई

लखनऊ(संवाददाता)। कुशल युवा, समृद्ध भारत की परिकल्पना पर योगी सरकार कार्य कर रही है। आईटीआई के माध्यम से युवाओं को आधुनिक तकनीकों का प्रशिक्षण देकर हुनरमंद बनाया जा रहा है। युवाओं को आधुनिक तकनीकों का प्रशिक्षण इस तरह से दे, जिससे कि वो उस तकनीक के विशेषज्ञ बनकर रोजगार देने वाले बन सके। प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार कपिल देव अग्रवाल ने प्रादेशिक प्रशिक्षण एवं शोध केंद्र, आईटीआई परिसर में अनुदेशकों एवं कार्यदेशकों के लिए प्रशिक्षण के शुभारम्भ अवसर पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्देशन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अथक प्रयासों से टाटा टेक्नोलॉजी लि से एमओयू करके प्रदेश की 150 राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों को आधुनिक तकनीकों से जोड़ा जा रहा है। इन आईटीआई में पढ़ने वाले युवाओं को आधुनिक तकनीको में हुनरमंद बनाने के लिए अनुदेशकों एवं कार्यदेशकों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। कौशल विकास मंत्री ने कहा कि युवाओं को रोजगार पाने वाला ही नही बल्कि रोजगार देने वाला बनाया जा रहा है। युवाओं को प्रशिक्षण देने के लिए तकनीक क्षेत्र की विभिन्न बड़ी कंपनियों से बातचीत भी की जा रही है। उन्होंने कहा कि युवाओं को प्रशिक्षण देकर उन्हें रोजगार व स्वरोजगार से जोड़ने में आईटीआई की महत्वपूर्ण भूमिका है इसलिए अनुदेशक एवं कार्यदेशक अपने उत्तरदायित्वो का निर्वहन पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी से करे। उन्होंने कहा कि युवाओं के हित मे किसी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता करने वाले कार्मिकों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि युवाओं को आईटीआई में रोजगारपरक ट्रेड में हुनरमंद बनाने के साथ ही साथ रोजगार मेलो का आयोजन कर उन्हें रोजगार से जोड़ा जाय। टाटा टेक्नोलॉजी लि. से आच्छादित प्रदेश के 150 राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के प्रत्येक संस्थान के अनुदेशक व कार्यदेशक का प्रशिक्षण टाटा टेक्नोलॉजी लि. के भिज्ञ प्रशिक्षकों द्वारा प्रादेशिक स्टाफ प्रशिक्षण एवं शोध केन्द्र में प्रशिक्षित किया जा रहा है। प्रशिक्षण देने हेतु बैचवार 50–50 अनुदेशकों व कार्यदेशकों का प्रशिक्षण प्रारम्भ किया गया है। प्रदेश के 900 अनुदेशकों व कार्यदेशकों को विशेष रूप से एक–एक लांग टर्म कोर्स के बारे में प्रशिक्षित किया जायेगा । प्रथम चरण में बेसिक डिजाइनर एंड वर्चुअल वेरिफिर एवं एडवांस सीएनसी मशीनिंग टेक्नीशियन का प्रशिक्षण संचालित किया जा रहा है। द्वितीय चरण में आर्टिसन यूजिंग एडवांस टूल एवं इंडस्ट्रियल रोबोटिक्स एंड डिजिटल मैन्युफैक्चरिंग टेक का प्रशिक्षण संचालित किया जायेगा। प्रशिक्षण उपरान्त एसेस्मेन्ट आधार पर ग्रेडिंग करते हुये प्रमाण पत्र तैयार कर प्रतिभागियों को प्रदान किया जायेगा। टाटा टेक्नोलॉजी लि. द्वारा संस्थान में प्रयोगात्मक प्रशिक्षण देने हेतु यथा आवश्यक साज–सज्जा मशीनरी आदि स्थापित कर दिया गया है जिस पर प्रयोगात्मक प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। इस अवसर पर मिशन निदेशक रमेश रंजन, निदेशक प्राविधिक डी के सिंह, अपर निदेशक प्रशिक्षण एवं सेवायोजन मानपाल सिंह सहित विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सपाइयों ने निकाला कैंडल मार्च

बस्ती(संवाददाता)। रुधौली में सामूहिक दुष्कर्म से आहत पति–पत्नी की जहर खाने से हुई मौत की घटना को लेकर सपाइयों ने सोमवार को कैंडल मार्च निकाला। इस दौरान पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता दिए जाने की मांग की गई। सपा के जिला कोषाध्यक्ष अरविंद सोनकर के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने कैंडल मार्च निकाला। सपाई हाथों में कैंडल लेकर शास्त्री चौक से नेताजी सुभाष चंद्र चौक तक मौन पदयात्रा की। सपाइयों ने कहा कि रुधौली की घटना दुर्भाग्यपूर्ण है। पति–पत्नी की आत्महत्या के बाद उनका पूरा परिवार बिखर गया है। सरकार तत्काल प्रभाव से पीड़ित परिवार को आर्थिक मदद पहुंचाए। इसके अलावा दोषियों को सख्त से सख्त सजा दिलाई जाए। इस मौके पर अंकुर वर्मा, मो. सलीम, सुरेंद्र सिंह छोटे, हरीश, मो. यूनुस, मो. आमिश खां, अनवर जमाल, पंकज निषाद, प्रशांत यादव, जितेंद्र यादव, रहमान सिद्दीकी आदि मौजूद रहे।

हादसे में घायल उन्नाव निवासी डाला चालक ने तोड़ा दम

बहराइच(संवाददाता)। जरवल रोड थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह तेज रफ्तार ट्रक ने डाला (सामान लादने वाला मैजिक वाहन) में टक्कर मार दी थी। हादसे में डाला चालक समेत तीन लोग घायल हो गए थे। जिसमें से उन्नाव निवासी डाला चालक ने सोमवार की रात दम तोड़ दिया। जरवलरोड थाना क्षेत्र में लखनऊ–बहराइच राजमार्ग पर चुरईपुरवा के पास सोमवार की सुबह लखनऊ से आ रहे डाला और ट्रक में आमने–सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में डाला चालक उन्नाव जिले के असोहा थाना क्षेत्र के बेरु मुक्तेमऊ निवासी तपन कुमार गुप्ता (35), जरवलरोड थाना क्षेत्र के नियामतपुर निवासी झुघरा (50) व दीपू (8) गंभीर रुप से घायल हो गए। हादसे के बाद सभी को पहले सीएचसी और फिर मेडिकल कॉलेज बहराइच लाया गया था। जहां रात में उन्नाव निवासी डाला चालक ने दम तोड़ दिया। शव का पोस्टमार्टम कराने आए मृतक के बड़े भाई सुभाष ने बताया कि सुबह लखनऊ से भाड़ा लेकर आए थे। उन्होंने बताया कि थाने पर ट्रक चालक के खिलाफ तहरीर दी जाएगी।

पेंशनरों ने प्रधानमंत्री कार्यालय में सौपा ज्ञापन

न्यूनतम पेंशन बढ़ाने का वादा निभाए वर्ना पेंशनर जवाब देने को तैयार

लखनऊ / वाराणसी(संवाददाता)। ईपीएस –95 राष्ट्रीय संघर्ष समिति द्वारा पेंशनरों की सभा का आयोजन कैंट बस स्टेशन वाराणसी में किया गया जिसमें मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष कमांडर अशोक राऊत एवं मुख्य वक्ता राष्ट्रीय महासचिव वीरेंद्र सिंह राजावत बुलढाणा महाराष्ट्र से आकर शिरकत की।राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि समिति पिछले 7 वर्षों से पेंशनरो की न्यायोचित मांगे पूर्ण करने के लिए हर किसी से अनुनय विनय और आंदोलन कर चुकी है पर सरकार की उदासीनता और ईपीएफओ के मनगढ़ंत आंकड़ों के कारण अभी तक न्यूनतम पेंशन नहीं बढ़ाई गई है। दो बार उनकी प्रधानमंत्री से मुलाकात में इसे बढ़ाने का वादा किया गया था। इस पर तत्काल कार्रवाई होनी चाहिए वरना पेंशनर अब सरकार को जवाब देने को तैयार हैं। राष्ट्रीय महासचिव ने कहा कि पेंशनर आर्थिक बदहाली से गुजर रहे हैंऔर उनमें रोष बढ़ता जा रहा है। आज पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती है जिनके अंत्योदय के सिद्धांत पर सरकार चल रही है, जिसमे समाज के अंतिम छोर के व्यक्ति के उत्थान का संकल्प है । वर्तमान में देश में ईपीएस –95 पेंशनर सबसे अंत में खड़े हैं इसलिए सबसे पहले उनका अंत्योदय होना चाहिए तभी पं.दीनदयाल के सपने सही मायने में साकार होंगे।सभा में प्रदेश के विभिन्न भागों से बड़ी संख्या में पेंशनर उपस्थित हुए। सभा को राष्ट्रीय सचिव ओम शंकर तिवारी, छत्तीसगढ़ के समन्वयक एजाजुर रहमान, उत्तर प्रदेश के कार्यकारी अध्यक्ष चंद्रभान सिंह, समन्वयक जयरूप सिंह परिहार, उपाध्यक्ष विवेकानंद त्रिपाठी ,रामसेवक गुप्ता,संगठन मंत्री गुरु प्रसाद पाण्डेय पश्चिम क्षेत्र के अध्यक्ष पूरन सिंह वाराणसी के अध्यक्ष,पूर्वी जोन के अध्यक्ष शिव कुमार सिंह, कमलाकर त्रिपाठी,आनंद प्रकाश त्रिपाठी, टी आर सिंह,रघुनन्दन सिंह,विजय बाबू आदि वरिष्ठ नेताओं ने संबोधित कर पेंशनरो की व्यथा को बताया ।सभा की अध्यक्षता अवधेश प्रसाद पांडे,मण्डल अध्यक्ष व संचालन एस के श्रीवास्तव कार्यकारी मण्डल अध्यक्ष ने किया। सभा के पश्चात राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय महासचिव के नेतृत्व में वरिष्ठ नेताओं का एक प्रतिनिधिमंडल प्रधानमंत्री एवं सांसद वाराणसी श्री नरेंद्र मोदी जी के कार्यालय में गया और सांसद प्रतिनिधि को ज्ञापन सौपा। प्रधानमंत्री के सांसद प्रतिनिधि ने ज्ञापन लेकर आश्वस्त किया कि वह पेंशनरों की परेशानियों को समझ रहे हैं और आज ही उनके ज्ञापन को दिल्ली स्थित प्रधानमंत्री कार्यालय तक पहुंचाएंगे।

खान-पान का उचित प्रबंध आयोजन को बना देता है और भी खास...अवध कैटर्स अवार्ड से सम्मानित हुई विभूतियां

लखनऊ(संवाददाता)। पुराने लखनऊ के चौक स्थित साइंटिफिक कन्वेंशन सेंटर में अवध कैटर्स एसोसिएशन की एनुअल जनरल मीटिंग 2023 संपन्न हुई। यह मीटिंग उन युवाओं के लिए काफी प्रेरणादायक रही जो इस रोजगार में प्रवेश कर चुके है। इस दौरान अवध कैटर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष तरुण साहनी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि हमारे देश में समय–समय महत्वपूर्ण आयोजन किए जाते हैं। ऐसे में खान–पान का उचित प्रबंध आयोजन को और भी खास बना देता है। श्री साहनी ने कहा कि आज खान–पान और संबंधित व्यवस्था उद्योग बनता जा रहा है। उन्होंने इसे कैटरिंग उद्योग कहा, जिसमें युवाओं के लिए करियर की अपार सफलताएं है। सचिव अजय तिख्खा ने कहा कि कैटरिंग के क्षेत्र में प्रोफेशनल कोर्स भी संचालित किए जा रहे हैं, जिसमें बड़ी संख्या में युवक रूचि ले रहे हैं। बता दे की पूरे प्रदेश में कार्यरत अवध कैटर्स एसोसिएशन कैटरिंग के क्षेत्र में अपनी सेवाएं दे रहा है। इस दौरान उल्लेखनीय कार्य कर रहे राजेश अग्रवाल (राजेश मसाले), मयंक अग्रवाल (ए ए टी राइस), स्वरन सिंह (इंडियन ऑयल तेज गैस), सचिन निगम (डॉल्बी इंफोटेक) किरिट बुद्धदेव (रचित ईटरी, राजकोट), अतुल मेहता (अतुल कैटरर्स, हैदराबाद) एजाज अहमद (द मुगल्स कैटर्स लखनऊ) और आकाश मिश्र (ब्रेन ऑन इवेंट) ,सुधीर टंडन, हेमंत गिरी को शॉल और स्मृति चिन्ह देकर अवध कैटर्स अवार्ड से अलंकृत किया गया। इस दौरान तुषार गुप्ता और सी कैफे को उनकी विशेष सेवाओ के लिये भी सम्मानित किया गया। इस दौरान अशोक गुरनानी, काजी मसूद, शिव अजवानी, विपिन गुप्ता, प्रेम राजपूत, अनिल तिवारी, राजीव गुन्नानी, कमल सचदेवा, अंकित खत्री, मनोज बचानी ,संदीप आहूजा, साकेत केसरवानी, अनिल किशोर, राजेश गुप्ता आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किये।आयोजित समारोह में कानपुर, उन्नाव,बाराबंकी, सीतापुर, सुल्तानपुर आदि शहरों के सैकड़ो पदाधिकारी मौजूद रहे।

टोल फ्री नम्बर 1912 पर उपभोक्तओं की समस्याओं का हो रहा निस्तारण

लखनऊ(संवाददाता)। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने कहा कि प्रदेश की योगी सरकार उपभोक्ताओं के हितों के दृष्टिगत कार्य कर रही और उनकी समस्याओं का त्वरित निदान के प्रयास किये जा रहे हैं। उपभोक्ताओं की बिजली सम्बंधी समस्याओं के निदान हेतु पावर कारपोरेशन की ओर से अप्रैल 2017 से टोल फ्री नम्बर 1912 संचालित है। इसके माध्यम से उपभोक्ताओं की समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण किया जा रहा है। पूरे प्रदेश में 1.52 करोड़ शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारण किया गया। श्री शर्मा ने बताया कि इसी प्रकार अब तक बिल सम्बन्धी 10 लाख शिकायतों का निस्तारण किया गया। मीटर से सम्बन्धित 17 लाख, स्मार्ट मीटर सम्बन्धी 1.76 लाख, कनेक्शन सम्बन्धी 04 लाख उपभोक्ताओं की समस्याओं का निस्तारण किया गया। लोड बढ़ाने सम्बन्धी 20 हजार, विद्युत आपूर्ति सम्बन्धी 1.3 करोड़ से ज्यादा समस्याओं और शिकायतों का निस्तारण किया गया। इसी प्रकार बिजली चोरी सम्बन्धी 1.28 लाख सूचनाओं का निस्तारण किया गया और अन्य सेवाओं के लगभग 33 हजार शिकायतों का निस्तारण किया गया। अधिकारियों को निर्देशित किया है कि टोल फ्री नम्बर को और प्रभावी एवं क्रियाशील बनायें। शिकायतों के निस्तारण की गुणवत्ता जानने हेतु उपभोक्ताओं का फीडबैक लेने का भी प्रयास करें। उन्होनें कहा कि कुछ जगहों से ऐसी शिकायतें भी आ रही हैं कि टोल फ्री नम्बर उठता नही है या रिस्पॉन्स नही करता है। ऐसी शिकायतें आनी बन्द होनी चाहिए। टोल फ्री नम्बर क्रियाशील रहे और उपभोक्ता की समस्या का हल होने तक उसके सम्पर्क में रहें। उपभोक्ता की संतुष्टि के बाद ही कॉल निस्तारित समझें।उन्होंने कहा कि 1912 पर आने वाली सूचनाओं,समस्याओं और शिकायतों के निस्तारण हेतु मानीटरिंग की व्यवस्था बनायी गयी है। उपभोक्ता विद्युत से सम्बन्धित शिकायतें 1912 पर देकर उसका समाधान प्राप्त कर सकते हैं।

खेत में काम करने गई महिला की बिजली के करंट की चपेट में आकर हुई मौत

फतेहपुर(संवाददाता)। जिले के बकेवर थाना क्षेत्र की आलमपुर गांव के समीप खेतों में काम करने गई महिला बिजली के करंट की चपेट में आ गई। जिससे उसकी मौके पर मौत हो गई घटना की सूचना स्थानीय पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतिका के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के आलमपुर गांव निवासी स्वर्गीय रमाकांत की 54 वर्षीय पत्नी आशा देवी अपने खेतों में काम करने गई थी। खेत में लगे बिजली के खंभे आ रहे करंट की चपेट में आ गई। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई घटना की जानकारी मृतिका के परिजनों को हुई तो घर में कोहरा मच गया। घटना की सूचना स्थानीय पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतिका के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

सीढ़ियों से गिरकर अधेड़ हुआ घायल

फतेहपुर(संवाददाता)। जिले की खागा कोतवाली क्षेत्र के मानू का पुरवा गांव में एक युवक अपने घर की सीढ़ियों से उतर रहा था तभी उसका पैर फिसल गया और वह नीचे गिरकर घायल हो गया। तुरंत परिजन घायल अवस्था में युवक को इलाज के लिए नजदीकी स्वास्थ् केंद्र लेकर पहुंचे। जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के मानू का पुरवा गांव निवासी रामेश्वर का 45 वर्षीय पुत्र हेमराज बीती रात अपने घर की सीढ़ियो से उतर रहा था। तभी उसका पैर फिसल गया और वह नीचे गिरकर घायल हो गया। घायल अवस्था में परिजन उसको इलाज के लिए हरदो सीएचसी लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद चोट गंभीर देखते हुए सरकारी एंबुलेंस से जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। वहीं जिला अस्पताल पहुंचने पर ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर घायल को भर्ती कर उसका इलाज कर रहे हैं।

बेटे ने माता-पिता पर बाँके से किया हमला, माँ की मौत, पिता गंभीर

फतेहपुर(संवाददाता)। जिले की सदर कोतवाली क्षेत्र में नशा छुड़ाने को लेकर रविवार देर रात हुए विवाद में कलयुगी बेटे ने मां–बाप पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। घटना में मां की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं पिता पर भी आरोपी युवक ने ताबड़तोड़ वार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। चीख–पुकार सुनकर मौके पर पहुंचे पड़ोसियों ने घायल को लहूलुहान हालत में जिला अस्पताल पहुंचाया। उधर, सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस आरोपी को हिरासत में लेकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है!सदर कोतवाली क्षेत्र के तुराब अली का पुरवा निवासी ननकू पासवान (55) और उनकी 50 वर्षीय पत्नी जमुना देवी अपनी चार बेटियों की शादी करने के बाद से अपने इकतौले बेटे महेश के साथ घर मे रह रहा था। बताया जा रहा है बेटा नशे का आदी है नशे की लत को छुड़वाने के लिए दंपति आगरा में बेटे का इलाज करा रहे थे। जहां आरोपी का करीब छह महीने तक इलाज चला लेकिन नशे की लत में कोई सुधार न हुआ। इसपर सोमवार को इलाज कराने के लिए उसे नागपुर ले जाने की तैयारी में थे। देर रात इसी बात को लेकर माता–पिता और बेटे के बीच विवाद होने लगा। इस दौरान महेश ने मां पर धारदार बांका से ताबड़तोड़ कई वार कर दिया। यह देख पिता बीच बचाव के लिए दौड़कर पहुंचा तो आरोपी महेश ने उन पर भी हमला बोल दिया। हमले में माँ की मौत हो गई जबकि पिता गंभीर रूप से घायल हो गया।चीख–पुकार सुनकर मौके पर पहुंचे पड़ोसीयो ने घटना की सूचना स्थानीय पुलिस को दिया। जानकारी मिलते ही पहुंची पुलिस ने घायल को जिला अस्पताल पहुंचाया। वहीं आरोपी को गिरफ्तार कर पूंछतांछ कर रही है। कोतवाली प्रभारी शमशेर बहादुर सिंह ने बताया कि महिला के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। आरोपी मानसिक रूप से बीमार है। उसका इलाज चल रहा है। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। घटना की जांच की जा रही है।

अज्ञात वाहन ने ऑटो में मारी टक्कर, एक की मौत, दो घायल

फतेहपुर(संवाददाता)। जिले के थरियांव थानां क्षेत्र के एनएच 2 हसवा पीएनसी के समीप अज्ञात वाहन ऑटो विक्रम को टक्कर मारता हुआ निकल गया। वाहन की टक्कर से ऑटो में सवार तीन लोग घायल हो गए। घटना की सूचना स्थानीय पुलिस चौकी को हुई तो मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलो को इलाज के लिए सरकारी एम्बुलेन्स से जिला अस्पताल भेज दिया। जानकारी के अनुसार खखरेरू थानां क्षेत्र के छनैनी गाँव निवासी भोला का 30 वर्षीय पुत्र जितेंद्र जो दिल्ली में प्राइवेट नौकरी करता था। आज वह दिल्ली से ट्रेन द्वारा फतेहपुर आया उसके बाद वह खागा जाने वाली ऑटो में सवार होकर घर जा रहा था। उसी ऑटो में राम आसरे पुत्र सरदार, पार्वती पत्नी रामकिशोर निवासी रखेलपुर थाना खागा सवार थे। जब उनका ऑटो थरियांव थानां क्षेत्र के एनएच 2 हसवा पीएनसी के समीप पहुंचा तभी तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ऑटो को टक्कर मारता हुआ निकल गया। वाहन की टक्कर से ऑटो में सवार तीन लोग घायल हो गए। घटना की सूचना स्थानीय पुलिस चौकी को हुई तो मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलो को इलाज के लिए सरकारी एम्बुलेन्स से जिला अस्पताल भेज दिया। जहां रास्ते जितेंद्र की मौत हो गई वही घायलो को भर्ती कर उनका इलाज किया जा रहा है।

सनसनीखेज वारदात केयर टेकर को कुल्हाड़ी से काटकर उतारा मौत के घाट

फतेहपुर(संवाददाता)। जिले के राधा नगर थाना क्षेत्र में ननिहाल में रह रहे युवक को रविवार देर शाम दो सगे भाइयों ने कुल्हाड़ी से हमला कर मौत के घाट उतार दिया। खून से लतफत युवक का शव गांव किनारे पड़ा मिला। युवक की हत्या के पीछे प्रेम–प्रसंग का मामला सामने आया है। वारदात की सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

जानकारी के अनुसार बिंदकी कोतवाली क्षेत्र के जहांनपुर गांव निवासी महेश पासवान का 25 वर्षीय पुत्र नीतेंद्र पासवान उर्फ नितिन राधानगर थाना क्षेत्र के रमवां गांव स्थित ननिहाल में अपने मामा रामआसरे के यहां रहता था। युवक गांव के विमला देवी इंटर कॉलेज में केयर टेकर था। बताया जा रहा है कि शाम करीब सात बजे नीतेंद्र घर से कालेज की लाइट जलाने की बात कह कर निकला था। आरोप है कि घर लौटते समय गांव किनारे दो भाई देवेन्द्र पासवान और जितेन्द्र पासवान ने युवक के ऊपर ताबड़तोड़ कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। जिससे युवक रक्तरंजित होकर जमीन पर गिर गया। कुल्हाड़ी के हमले से मौके पर ही नीतेंद्र की मौत हो गई। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से भाग खड़े हुए। उधर, वारदात की सूचना पर घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने युवक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।उधर, पुलिस ने मामले में एक आरोपी भाई को हिरासत में ले लिया है। पूंछतांछ के दौरान उसने बताया कि करीब एक साल से मर्तक उसकी बहन के पीछे पड़ा था वह उसकी बहन के साथ छेड़छाड़ किया करता था और वह बहन को मोबाइल फोन देने गया था, तभी हम लोगो ने उसको देख लिया था। दोनों को साथ देखने के बाद से ही नीतेंद्र की तलाश कर रहे थे। मिलते ही उस पर कुल्हाड़ीयो से हमला कर दिया। वही पुलिस अधीक्षक विजय शंकर मिश्र ने बताया कि मृतक के भाई की तहरीर पर सुसंगत धाराओं में आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार किया गया है। मामले में पूंछतांछ की जा रही है।

श्रीकृष्ण की जीवनी के बारे में सुनकर भक्तहुए मंत्रमुग्ध

फतेहपुर(संवाददाता)। प्रत्येक जगह चल रही गणेश चतुर्थी के अवसर पर जगह जगह पर भक्तों के द्वारा रंगारंग कार्यक्रम किए जा रहे हैं तो वहीं कुछ जगहों पर श्रीमदभगवद कथा का आयोजन किया जा रहा है।जहां इसी क्रम में जनपद फतेहपुर के थाना गाजीपुर क्षेत्र के अंतर्गत गाजीपुर कस्बा के बहुआ मार्ग पर स्थित गंगदेव बाबा के मंदिर में सभी लोगों के सहयोग से संत रतिरामदास जी महाराज के नेतृत्व में गणेश प्रतिमा स्थापित की गई है। वहीं श्रीमदभागवद का भी आयोजन किया जा रहा है। जहां कथावाचक आशिका शास्त्री ने बताया कि यह कथा 19 सितंबर से प्रारंभ हुई और 27 सितंबर तक चलेगी तथा कथावाचक ने बताया कि आज श्रीकृष्ण के जीवनी के बारे में बताया गया है जिसे सुनकर भक्त मंत्रमुग्ध हुए। वहीं कथावाचक ने मीडिया से रूबरू होते हुए बताया कि वह कुडनी धाम से पधारी हैं तथा कुडनी धाम में एक हनुमान मंदिर है जहां से उन्होंने यह कथावाचक के बारे में सिख ली है जिनके गुरु राम सजीवन शास्त्री(मधुर जी) हैं,जहां उन्हें कथावाचक करते हुए यह तीसरा साल है। वहीं कथावाचक ने चौनल के माध्यम से जनता को संदेश दिया है कि यह कलयुग चल रहा है और इस कलयुग में क्या हो रहा है यह सभी को पता है इसलिए सभी लोग भगवान की भक्ति में ध्यान लगाई और अच्छाई के मार्ग पर चलिए तथा अपने बच्चों को भी अच्छाई के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करिए।।

निराश्रित पशुओं पर अलीगढ़ नगर निगम गंभीर

सड़कों पर निराक्षित गौवंश को लेकर अपर नगर आयुक्त की हिदायत, गौवंश की समुचित देखभाल के लिये कान्हा और नंदी गौशाला में व्यवस्थाओं की समीक्षा

अलीगढ (ममता रानी)। नगर आयुक्त अमित आसेरी ने निराक्षित गौवंश के लिये नगर निगम द्वारा चलाये जा रहे अभियान की समीक्षा करते हुये अपर नगर आयुक्त ऋतु पूनिया को ग्राउण्ड मानीटिंग और निरंतर समीक्षा करने के साथ–साथ दोनों ही गौशाला में गौवंश के चारे, स्वास्थ्य परीक्षण, वैक्सीनेशन की निगरानी करने व नगर निगम द्वारा नगरीय क्षेत्र में श्वांन के बाध्यकरण की रोजाना समीक्षा करने के निर्देश दिये है।

अपर नगर आयुक्तध्वरिष्ठ प्रभारी अधिकारी गौशाला ऋतु पूनिया ने बताया कि निराक्षित गौवंश को समुचित आश्रय देने के लिये नगर निगम निरंतर प्रयासरत है। निराक्षित गौवंश को आश्रय देने के लिये नगर निगम की आगरा रोड कान्हा गौशाला और बरौला जफराबाद नंदी गौशालायं पूरी क्षमता से चल रही है कान्हा गौशाला की क्षमता लगभग 340 की है और नंदी गौशाला की क्षमता लगभग 200 की है वर्तमान में कान्हा गौशाला में 351 गौवंश तथा नंदी गौशाला में 268 गौवंश की देखभाल नगर निगम द्वारा की जा रही है। निराक्षित गौवंश को आश्रय देने के लिये पशु चिकित्सा एव कल्याण अधिकारी के नेतृत्व में 04 कैटल क्रेचर वाहन, 12 कर्मचारी की टीमों से रोजाना अभियान चलाया जा रहा है।

उन्होनें यह भी बताया कि माह 18 अगस्त से युद्धस्तर पर अभियान शुरू किया गया था जो लगातार जारी है वर्तमान में 01 सितम्बर से 18 सितम्बर तक अभियान अन्तर्गत एटा चुंगी से ध नीपुर मण्डी बोनेर कट तक, खैर रोड नादा पुल, गुरूद्वारा रोड से सुरेन्द्र नगर, दुबे का पड़ाव से महेन्द्र नगर, नगला पला से नौरंगाबाद, सारसौल से नादा पुल, तस्वीर महल से नुमाइश ग्राउण्ड किशनपुर तिराहे से क्वार्सी बाईपास, सराय लवरिया से सुरक्षा बिहार, भमोला से मेडीकल रोड एटा चुंगी होडिल नगर, दोदपुर से लाल डिग्गी, प्रतिभा कालोनी से सारसौल, जीटी रोड सुरेन्द्र नगर छर्रा अड्डा से नौरंगाबाद कठपुला से तस्वीर महल, शमशाद मार्केट से 119 गौवंश को पकड़कर कर नगर निगम की कान्हा गौशाला, नंदी गौशाला व नादा पुल गौशाला में भिजवाया गया है।

अपर नगर आयुक्त ने कहा कि सड़क व खुले में अपने पशुओं को खुला छोड़ने पर नगर निगम पशु को जब्त करने के साथ–साथ पशुपालक से जुर्माना, पशुओं का लाने ले जाने, चारे आदि के खर्चे की भी वसूली करेगा।

शहर में श्वांन के व्यवहार परिवर्तन के सम्बन्ध में उन्होनें बताया कि नगर निगम द्वारा श्वांन के व्यवहार में परिवर्तन लाने के लिये लगातार बाध्यकरण का कार्य मैसर्स दक्ष फाउंडेशन के द्वारा किया जा रहा है। नगर निगम द्वारा मैसर्स दश फाउण्डेशन के सहयोग से जोहरा बाग, फिरदौस नगर (वार्ड 64), जमालपुर (वार्ड 75), विक्रम कॉलोनी गेट 5, अब्दुल्ला कॉलेज, पंडित दीनदयाल हॉस्पिटल, विद्युत नगर, आमिरनिशां वार्ड 85, जंगल गढ़ी बेला मार्ग विष्णुपुरी, वार्ड 81, खाईडोरा, जयगंज, शिवाजीपुरम, टीला पोर्ट, उस्मान पाड़ा, वार्ड 87, जीवनगढ़, केला नगर वार्ड 74 गली नंबर 2, एएमयू सर्कल, पला वाल्मीकि बस्ती, वैदिक बिहार वार्ड 7, रामनगर मंजूर गड़ी, ऊपर कोट जामा मस्जिद, बैटरी वाली गली 1 वार्ड 55, शाहजमाल ईदगाह, सराय मानसिंह, सर सैयद नगर, इकरा कॉलोनी, उस्मान पाड़ा वार्ड 68, सुपर कॉलोनी, बन्ना देवी नुमाइश, शमशाद मार्केट, शिशियापाड़ा, द्वारकापुरी, मेडिकल कॉलेज, इस्लामनगर वार्ड 77, हरिओम नगर, मेंडू कंपाउंड मैसिर रोड, जमालपुर कुम्हार वाली गली, बुद्ध विहार, दोदपुर अमीरनिशा, एयरपोर्ट, मकदूम नगर, पीएसी रामघाट रोड, केला नगर, वार्ड 70 ऊपरकोट, बादाम नगर, बैंक कॉलोनी, शिवाजी कंपलेक्स (स्वर्णजयंती नगर), शताब्दी नगर, वैष्णव वाटिका, भगवान गड़ी, आलमबाग वार्ड 45, मेडिकल कॉलेज से पकड़े गये श्वांन का बाध यकरण किया गया है। उन्होनें बताया कि स्वान के बाध्यकरण के संबंध में शिकायत के लिए श्री राजू 830389 2488 से संपर्क किया जा सकता है।

छह साल की बच्ची का मिला शव

अलीगढ(संवाददाता))। अलीगढ़ में पुराने शहर के तुर्कमान गेट इलाके के ताला कारखाना मजदूर की 6 वर्षीय मासूम बेटी की गला दबाकर हत्या कर दी गई। अंदेशा दुष्कर्म के बाद हत्या का है। मंगलवार सुबह से लापता बच्ची का शव देर रात पड़ोसी के घर के बाथरूम में बोरे में बंधा मिला। फिलहाल पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को भेज पड़ोसी के तीनों बालिग बेटे हिरासत में ले लिए हैं, जो पूछताछ में राज उगल रहे हैं। कोतवाली क्षेत्र के तुर्कमान गेट चौराहा स्थित पथवारी मंदिर के सहारे वाली गली में इलाके में किराये के मकान में मजदूर परिवार रहता है। पिता जगंलगढ़ी के ताला कारखाने में काम करता है। दंपती पर चार बच्चों में तीसरे नंबर की छह वर्षीय बेटी थी। परिवार के अनुसार यह बेटी सुबह दस बजे के आसपास घर से निकली। इसके बाद नहीं लौटी। शुरुआत में मां ने समझा कि आसपास कहीं खेल रही होगी। दोपहर तक जब बच्ची नहीं लौटी तो उसकी तलाश शुरू हुई और शाम छह बजे परिजन कोतवाली पहुंचे। तब पुलिस हरकत में आई। सबसे पहले इलाके के सीसीटीवी खंगाले गए। इसी बीच खबर मिली कि बच्ची को आखिरी बार पड़ोसी के मकान में जाते देखा गया है। इस पर पुलिस ने पड़ोसी के घर की तलाशी ली तो पहले माले पर बने बाथरूम में बोरे में बंद बच्ची की लाश मिली। उसकी गर्दन पर कपड़ा लिपटा हुआ था। जिससे साफ हुआ कि गला दबाकर हत्या की गई है और हालात देखकर दुष्कर्म या कोशिा का अंदेशा जताया गया। रात दस बजे बच्ची का शव मिलने की खबर पर लोगों का जमावाड़ा लग गया। अतिसंवेदनशील इलाके में घटना पर सपा–भाजपा के तमाम नेता पहुंच गए। एसएसपी, एसपी सिटी, सीओ प्रथम सहित पूरा अमला पहुंच गया। आनन–फानन बच्ची का शव वहां से हटाकर जिला अस्पताल भेजा। जहां से पोस्टमार्टम भेज दिया गया। फौरी जांच में पड़ोसी के तीन जवान बेटों पर संदेह गहराया, जिसके आधार पर तीनों भाई सुआलीन, रिजवान व अतीक को हिरासत में ले लिया गया। जिनसे पूछताछ जारी थी। एसएसपी कलानिधि नैथानी ने बताया सुआलीन ने देर रात हत्या की बात तो स्वीकार ली थी। कुछ कहानी पर पुलिस को घुमा रहा था। दोपहर से लापता बच्ची का शव पड़ोसी के घर के बाथरूम में बोरे में बंद मिला है। प्रथम दृष्टया लग रहा है कि उसकी गला दबाकर हत्या की गई है। दुष्कर्म से इंकार नहीं किया जा सकता है। संभव है दुष्कर्म या कोशिश के दौरान बच्ची की हत्या की गई हो। यह तथ्य पोस्टमार्टम के बाद साफ होगा। फिलहाल पड़ोसी के तीन बेटे हिरासत में लिए गए हैं। जिनमें से एक बेटा अभी तक की पूछताछ में हत्या करना स्वीकार रहा है। बाकी जांच व साक्ष्य संकलन के काम में टीम लगी हैं।

भाजपा सांसद ने बसपा सांसद की आड में पूरे देश के अल्पसंख्यकों के खिलाफ शर्मनाक बयान दिया : प्रमोद तिवारी

लखनऊ(संवाददाता)। प्रमोद तिवारी, सांसद, उप नेता, राज्य ने संसद के विशेष सत्र में भा.ज.पा. सांसद रमेश बिधूड़ी के ब.स.पा. सांसद दानिश अली के विरूद्ध संसद के भीतर असंसदीय तथा अमर्यादित एवं अभद्र टिप्पणी और गाली गलौज पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुये कहा है कि भा.ज.पा. सांसद ने जिस तरह से ब. स.पा. सांसद की आड में पूरे देश के अल्पसंख्यकों के खिलाफ शर्मनाक बयान दिया है वह भारतीय संसद के इतिहास में अब तक का सबसे काला अध्याय है। उन्होंने भाजपा पर कटाक्ष करते हुए कहा कि श्री बिधूड़ी का बयान इसलिए आश्चर्यजनक नही है कि नए संसद भवन में सरकार ने संविधान की जो प्रतियां बांटी उसमें से पहली बार पंथनिरपेक्ष तथा समाजवाद शब्द को स्वतः विलुप्त कर दिया। श्री तिवारी ने कहा कि संसद की अपनी गरिमा हुआ करती है और सभी मा. सदस्यों को संसदीय तथा असंसदीय शब्दों की सूची इसीलिए मिला करती है कि वह संसदीय भाषा और गरिमा को लोकतंत्र के पवित्र मंदिर में हर कीमत पर संरक्षित रख सकें। भा.ज.पा. सांसद श्री रमेश बिधूड़ी जी की शर्मनाक टिप्पणी से देश के सर्वधर्म सम्भाव, सामुदायिक तथा राष्ट्रीय एकता व अखण्डता की अक्षुणता पर भी गहरा आघात पहुंचा है। एक तरफ भात्र.ज. पा. सांसद शर्मनाक शब्दों का खुली संसद में बेहिचक लज्जाजनक प्रदर्शन कर रहे थे तो दूसरी तरफ संसद की चिन्ताजनक तस्वीर यह भी दिखलायी पड़ी कि भाजपा के पूर्व केन्द्रीय मंत्रीगण श्री रवि शंकर जी तथा श्री हर्षवर्धन जी जैसे कददावर नेता ठीक उनकी बगल की सीटों पर बसपा सांसद के अपमान पर आश्चर्यजनक ढंग से खिलखिला रहे थे। भा.ज.पा के पूर्व केन्द्रीय मंत्रियों का आचरण भी संसद में एक निर्वाचित मा. सांसद के अपमान पर भाजपा का चाल चरित्र व चेहरा बयां कर रहा है। श्री तिवारी ने कहा कि जिस तरह से सत्तारूढ़ भा.ज.पा सांसद श्री रमेश बिधूड़ी जी ने सदन के एक सम्मानित निर्वाचित प्रतिपक्ष के सांसद के विरूद्ध अमर्यादित तथा असंसदीय बयान दिये और अभी तक इस गंभीर प्रकरण में कोई कार्रवाई नहीं की गयी वह भाजपा की विपक्षी दलों के साथ देश के अल्पसंख्यकों के प्रति बनी बनायी दूषित मानसिकता को प्रमाणित कर रही है, यह सत्तारूढ़ भा.ज.पा. के एक मा. सांसद का निदंनीय आचरण है। श्री तिवारी ने कहा कि भाजपा को अच्छी तरह समझ लेना चाहिए कि ऐसी दूषित भाषा के लिए न तो संसद में और न ही देश में कोई जगह है तथा न ही इस प्रकार की अमर्यादित भाषा भारत की जनता को स्वीकार्य है। उन्होनें कहा कि संसद के पिछले सत्र में कांग्रेस संसदीय दल के नेता श्री अधीर रंजन चौधरी जी को मात्र राजनैतिक व्यवस्था के तहत उदाहरण देने के लिए निलंबित किया गया था। श्री तिवारी ने कहा कि आम आदमी पार्टी के सांसद श्री संजय सिंह जी तथा श्री राघव चडढा जी को भी सरकार की नीतियों के खिलाफ असहमति जताने पर तो निलंबित कर दिया जाता है परन्तु सत्तारूढ़ भाज.पा. के सांसद के अभद्र आचरण को सिर्फ नोटिस के दायरे में सीमित कर गंभीर से गंभीर अभद्र टिप्पणी से किनारा कसने का सियासी हथकण्डा अपनाया जा रहा है। संसद के अंदर भा.ज.पा. सांसद की इस अभद्र टिप्पणी की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए माननीय प्रधानमंत्री जी तथा भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को पूरे देश से क्षमा याचना करनी चाहिए । श्री तिवारी ने कहा कि संसद में महिला आरक्षण विधेयक में भाजपा की बदनीयती देश के सामने पर्दाफाश हो गयी है। इस विध ेयक को चुनावी जल्दबाजी में पेश करते हुए भा.ज.पा. ने बडी ही चालाकी के साथ इसके क्रियान्वयन को फौरी तौर पर टाल दिया है। उन्होनें कहा कि कांग्रेस सहित संपूर्ण विपक्ष ने जिस महिला आरक्षण विधेयक को एक स्वर से संसद में समर्थन दिया हो तो सरकार बताये कि उसे फौरन प्रभावी बनाए जाने में अब उसे कौन सी अड़चन सामने आ रही है ? श्री तिवारी ने केन्द्र सरकार से जानना चाहा है कि यदि जनगणना और परिसीमन को लेकर यह कानून 10 से 12 साल बाद प्रभावी होना है तो संसद का विशेष सत्र बुलाकर इसे पारित कराने की क्या आवश्यकता थी? उन्होनें कहा कि असलियत देश समझ रहा है कि पंचायतीराज कानून प्रभावी बनाकर कांग्रेस ने ही महिलाओं को देश में सबसे पहले निर्वाचित प्रतिनिधि के रूप में सशक्तीकरण की सौगात दी थी ।

गैंगस्टर में चार को हुई सजा

उरई/जालौन(संवाददाता)। गैंगस्टर के मामले में चार आरोपियों पर दोष सिद्ध होने पर विशेष न्यायाधीश गैंगस्टर एक्ट मोहम्मद कमर ने सात साल की कैद और दस हजार रुपये का जुर्माना लगाया। जुर्माना अदा न करने पर दो माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना पड़ेगा। अभियोजन पक्ष

से पैरवी कर रहे शासकीय अधिवक्ता शिवदास पांडे ने बताया कि जालौन कोतवाली प्रभारी मोहम्मद नसीम खान ने वर्ष 2013 में माधौगढ़ कोतवाली क्षेत्र के सिहारी गांव निवासी उदयवीर, कैलोर निवासी विजय सिंह, धमेंद्र सिंह, योगेंद्र सिंह के खिलाफ गैंगस्टर का मामला दर्ज किया था। पुलिस ने विवेचना कर आरोपियों के खिलाफ 30 सितंबर 2013 को न्यायालय में आरोपपत्र दाखिल किया था।गैंगस्टर कोर्ट में दस साल चली सुनवाई के बाद अधिवक्ताओं की जिरह और गवाहों के बयान सुनने के बाद विशेष न्यायाधीश गैंगस्टर एक्ट मोहम्मद कमर ने चारों आरोपियों को दोषी पाते हुए सात सात साल की कैद और दस–दस हजार रुपये का अर्थदंड लगाया। अर्थदंड जमा न करने पर दो माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना पड़ेगा।

नौकरी दिलाने के नाम पर 1.38 लाख रुपये ठगे

उरई/जालौन(संवाददाता)। खुद को अमेजॉन कंपनी का कर्मचारी बताकर कंपनी में नौकरी दिलाने के नाम पर ऑनलाइन एक लाख 38 हजार रुपये ट्रांसफर करा लिए। इसके बाद मोबाइल बंद कर लिया।

पीडित की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला दबगरान निवासी सौरभ सचान ने पुलिस को बताया कि उसने मोबाइल पर अमेजॉन कंपनी में जॉब होने का विज्ञापन देखा था। दिए गए नंबर पर जब उसने फोन किया तो बात करने वाले व्यक्ति ने स्वयं को अमेजॉन कंपनी का कर्मचारी बताया। उसने बताया कि कंपनी में जॉब निकली हैं। कुछ कागजी कार्रवाई पूरी करने के लिए उसे कुछ धनराशि देनी होगी। विश्वास में आकर उसने उसके बताए गए नंबर पर एक लाख 38 हजार 360 रुपये जमा कर दिए। इसके बाद कुछ दिन तो बात होती रही। उसने कागजी कार्यवाही पूरी होने पर ज्वाइनिंग की बात कही, लेकिन कुछ दिनों बाद उसका नंबर स्विच ऑफ आने लगा। उसने संपर्क करने की काफी कोशिश की, लेकिन बात बनी। तब उसे अपने साथ ठगी का अहसास हुआ। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की। कोतवाल विमलेश कुमार ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दादी नानी की कहानी में प्रकट हुए स्वर्ग के देवता चुन्नू को मिला स्वर्ग के रास्ते का मंत्र

लखनऊ(संवाददाता)। दादी नानी की कहानी में स्वर्ग के देवता प्रकट हुए। चुन्नू को अच्छाई के रास्ते पर चलने की सीख दी। पाठ्य सहगामी आयोजन तथा खेल–खेल में शिक्षा के तहत लोक संस्कृति शोध संस्थान की मासिक श्रृंखला दादी–नानी की कहानी में स्टोरीमैन जीतेश श्रीवास्तव ने लोक कथा स्वर्ग का देवता सुनाई। शनिवार को निराला नगर स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय में कथा के माध्यम से दूसरों का भला करने, ईमानदारी और नैतिकता जैसे प्रेरणात्मक सन्देश बच्चों को दिये गये। स्टोरीमैन जीतेश श्रीवास्तव ने कहानी की शुरुआत बड़े ही रोचक तरीके से की। कहानी सुनाती दादी से जब चुन्नू को यह पता चला कि स्वर्ग में चाकलेट के पेड़ होते हैं और जूस की नदियां बहती हैं तो वह स्वर्ग जाने की जिद करने लगा। रात को सपने में उसे स्वर्ग के देवता मिले और बताया कि स्वर्ग जाने के लिए पुण्य का पैसा चाहिए जो अच्छे काम करने पर ही मिलेगा। नाटकीय घटनाक्रम के बाद अन्त में चुन्नू को स्वर्ग के रास्ते का मंत्र मिल जाता है और वह अच्छा बच्चा बन जाता है। कथा के माध्यम से बच्चों की कल्पना शक्ति बढ़ाने, गलत कामों से दूर रहने, दूसरों का भला करने जैसे सन्देश दिये गये। लोक संस्कृति शोध संस्थान की सचिव सुधा द्विवेदी ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत उच्चारण अभ्यास के लिए टंग ट्विस्टर से की गई। बच्चों ने कहानी पर आधारित बोधात्मक प्रश्नों के उत्तर दिये और टाफियां प्राप्त की। साहित्यकार, गायिका एवं समाजसेविका श्रीमती अर्चना गुप्ता ने बच्चों से संवाद किया तथा बोधात्मक कविता सुनायी। इस अवसर पर प्रधानाचार्य श्रीमती ममता श्रीवास्तव, अध्यापकगण सुश्री रेखा पाण्डेय, पूजा सिंह, रुचि सिंह, कुसुम मिश्रा के साथ ही सेवानिवृत बैंक अधिकारी राजनारायण वर्मा, वरिष्ठ पत्रकार शम्भूशरण वर्मा, डा.एस.के.गोपाल, आसरा वेलफेयर फाउण्डेशन के महामंत्री अनुराग साहू, युवा समाजसेवी नैमिष सोनी, माधुरी आदि की प्रमुख उपस्थिति रही।

विहिप व बजरंग दल की शौर्य जागरण यात्रा पहुँचेगी काशी

लखनऊ(संवाददाता)। विश्व हिन्दू परिषद अवध प्रान्त कटरा कुटी धाम अयोध्या से 30 सितम्बर से बजरंग दल की शौर्य जागरण यात्रा प्रारंभ होगी। यह यात्रा 10 अक्टूबर को काशी पहुंचेगी। शनिवार को विहिप अवध प्रांत कार्यालय राम भवन से पत्रकार वार्ता करते हुए विहिप प्रान्त अध्यक्ष कन्हैया लाल नगीना ने बताया।आज देश के समक्ष पुनः महाभारत काल जैसी ही परिस्थितियां चुनौती दे रही है। हिंदू समाज और देश को तोड़ने का कुत्सित षडयंत्र रचा जा रहा है। राष्ट्र विरोधी धर्म विरोधी शक्तियों द्वारा संगठित होकर भारत को निरंतर आतंकवाद, अलगाववाद, जातिवाद, लव जिहाद, लैंड जेहाद, गौ हत्या, ड्रग माफिया, जनसंख्या असंतुलन जैसे अनेक प्रकार से हिंदू समाज पर आक्रमण कर हिंदू समाज और देश को तोड़ने का कुत्सित षड्यंत्र रचा जा रहा है। भगवान श्रीकृ ष्ण ने अर्जुन को देश–धर्म की रक्षा के लिए युद्ध करने की प्रेरणा देने के लिए ही गीता सुनाई थी। 1992 में गीता जयंती के दिन ही पूज्य संतो के आव्हान पर संगठित हिन्दू समाज के शौर्य ने भारत माता के माथे पर बाबरी ढांचे नाम के कलंक को ध्वस्त किया था। उसके बाद से ही बजरंग दल के नेतृत्व में हिंदू समाज उस दिन को शौर्य दिवस के रूप में मनाता आया है। अब अयोध्या में प्रभु श्री रामलला का भव्य–दिव्य मंदिर बनकर तैयार हो ही गया है, सम्पूर्ण हिंदू समाज प्राण–प्रतिष्ठा की आतुरता से प्रतीक्षा कर रहा है।विहिप की युवा इकाई "बजरंग दल अपनी स्थापना के समय से ही इन देश विरोधी घातक शक्तियों से संघर्षरत है। अनेक कार्यकर्ताओं ने बलिदान दिया है। अनेक कार्यकर्ता शत्रुओं से संघर्ष करते हुए घायल हुए है। कुछ राजनैतिक दलों की तुष्टिकरण की नीतियों का भी शिकार बजरंग दल के कार्यकर्ता हुए है। फिर भी इन राष्ट्रविरोधी शक्तियों से कानून के दायरे में रहकर कार्यकर्ता संघर्षरत है।पत्रकार वार्ता में मौजूद विहिप प्रांत मंत्री देवेंद्र ने बताया कि शौर्य जागरण यात्रा का उद्देश्य हिंदू युवाओं में अपने पूर्वजों के प्रति गौरव का भाव जाग्रत हो। अमर बलिदानियों क्रांतिकारियों के जीवन चरित्र से प्रेरणा लेकर देश के लिए जीवन जीने हेतु हिन्दू युवा संकल्पित हों। हिंदू धर्म और संस्कृति के प्रति श्रद्धा जाग्रत हो, उसके वैज्ञानिक महत्व को हम सभी जानें समझें। शौर्य जागरण यात्रा की व्यापकता तथा प्रसार हर जिले में अधिकाधिक हो, अवध प्रांत के सभी जनपदों में यह यात्रा भ्रमण करेगी।

संदिग्ध परिस्थितियों में किसान की मौत

बांद(संवाददाता)। जिले में आर्थिक तंगी से परेशान एक किसान की संदिग्ध ा परिस्थितियों में हालत बिगड़ने लगी। परिजनों ने जैसे ही देखा तो उसे तुरंत जिला अस्पताल ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया। जहां पर डॉक्टरों ने परीक्षण के दौरान उसे मृत घोषित कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार, किसान बेटियों की शादी को लेकर और उनके भविष्य को लेकर परेशान रहता था। वहीं किसान की मौत के बाद पत्नी और बच्चों का रो रो कर बुरा हाल है। आपको बता दें कि पूरा मामला बांदा जनपद के बिसंडा थाना क्षेत्र अंतर्गत पुराण गांव का है। जहां के रहने वाले राम प्रताप की संदिग्ध ा परिस्थितियों में हालत बिगड़ने लगी। जैसे ही परिजनों ने देखा तो तुरंत उसे जिला अस्पताल ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया। जहां पर डॉक्टरों द्वारा परीक्षण के दौरान उसे मृत घोषित कर दिया गया। वहीं मृतक की पत्नी ने बताया कि मेरे पति बच्चों के भविष्य को लेकर हमेशा परेशान रहते थे और उनकी पांच बेटियां और एक बेटा है। बेटियों को लेकर भी चिंतित रहते थे और छोटी–मोटी दुकान किए हुए थे जिससे अपना भरण पोषण किया करते थे। हमारे पास केवल एक ही बीघा जमीन है।

किसान की मौत के बाद पत्नी और बच्चों का रो रो कर बुरा हाल है। वहीं डॉक्टर ने बताया कि ओरन से एक 50 वर्षीय किसान राम प्रताप को लाया गया था जो मृत अवस्था में था। उसकी बॉडी को मोर्चरी में रखवा दिया गया है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद जानकारी मिल सकेगी की कैसे मौत हुई है।

भाकियू का डीएम कार्यालय पर प्रदर्शन,मनमानी की तो होगा बड़ा आंदोलन

बांदा(संवाददाता)। बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे के संचालित हुए आज 1 साल से भी ज्यादा हो चुका है। अब उत्तर प्रदेश सरकार बुंदेलखंड में विकास को गति देने में लगी हुई है। जिसके लिए बांदा में एक्सप्रेस–वे के किनारे की जमीन उद्योग व्यवसाय के लिए चिह्नित की जा रही है। जिसकी जिम्मेदारी यूपीडा को दी गई है। उत्तर प्रदेश सरकार के कई बड़े अधिकारी भी बांदा आकर जांच पड़ताल कर चुके हैं। इस मामले में किसानों के साथ किसी प्रकार की भी बैठक नहीं की जा रही है। रिपोर्ट तैयार कर आगे बढ़ाई जा रही है। इसी बात से नाराज भारतीय किसान यूनियन टिकैत गुट के किसानों ने भारी संख्या में प्रदर्शन किया और प्रशासन को बड़े आंदोलन की चेतावनी भी दे डाली। मामला जिला अधिकारी कार्यालय बांदा का है। जहां अतर्रा तहसील के पुनाहुर गांव के सैकड़ों किसान भारतीय किसान यूनियन टिकैत गुट के बैनर तले जोरदार प्रदर्शन किया और नारेबाजी की। वहीं जिलाधि ाकारी को ज्ञापन भी सौंपा है। किसान नेताओं ने बताया कि यूपीडा द्वारा पुनाहुर गांव के किसानों की 600 बीघा जमीन अधिग्रहण की गई है। जिसकी संतुति के लिए यूपीडा ने रिपोर्ट तैयार कर जिला अधिकारी भेजा है पर किसानों से सहमति नहीं ली गई। उनका कहना है कि अगर बिना किसानों की सहमति के जमीन अधिग्रहण की जाती है तो आगे जो भी होगा उसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

सांप के डसने से किशोरी की मौत

बांदा(संवाददाता)। जिले में आज सर्पदंश के कारण 15 वर्षीय किशोरी की मौत हो गई। जैसे ही परिजनों ने किशोरी को गंभीर हालत में देखा तो उसे तुरंत जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां पर उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। सूचना मिलते है मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। बांदा के तिंदवारी थाना क्षेत्र के गोखराही गांव की रहने वाली किशोरी को रात में सोते समय सांप ने डस लिया, जिसकी वजह से उसकी हालत बिगड़ने लगी। परिजनों को जैसे ही जानकारी हुई तो उन्होंने तुरंत नजदीक की सीएचसी में भर्ती कराया, लेकिन हालत गंभीर होने के कारण उन्होंने जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

वहीं इलाज को दौरान किशोरी की मौत हो गई। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं परिजनों का हाल बेहाल है। डॉक्टर विनीत सचान ने बताया कि एक 15 वर्षीय किशोरी को लाया गया था, जिसको सर्प ने डस लिया था। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई है।

सपा जिलाध्यक्ष सहित 50 लोगों के खिलाफ एफआईआर

उरई/जालौन(संवाददाता)। जालौन में समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष दीपराज गुर्जर, सिद्धबाबा मंदिर के पुजारी रनछोरदास महाराज सहित 40–50 लोगों के खिलाफ धारा 144 का उल्लंघन और सांप्रदायिक माहौल खराब करने के मामले में कैलिया थाने के उप निरीक्षक द्वारा मुकदमा पंजीकृ त कराया गया है। इन सभी लोगों पर धारा 144 का उल्लंघन करने का आरोप है। सपा जिलाध्यक्ष सहित अन्य लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने के बाद हड़कंप मच गया। कैलिया थाने के उप निरीक्षक रामचंद्र वर्मा ने प्रभारी निरीक्षक को अवगत कराते हुए बताया कि 18 सितंबर को वह क्षेत्र में कांस्टेबल दीपू साहू के साथ शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से भ्रमण और मामले की विवेचना करने के लिए ग्राम कैमरा गए थे। जहां देखा कि सिद्धपुरा और कैमरा ग्राम के जंगल में बने मंदिर सिद्ध बाबा के पुजारी रनछोरदार महाराज बिना अनुमति के दोपहर तीन बजे सपा जिलाध्यक्ष दीपराज गुर्जर, राघवेंद्र सिंह की अगुवाई में गुर्जर समाज के 40 से 50 लोगों को इकट्ठा कर धर्म, मूलवंश, भाषा, जन्मस्थान आदि के आध ाार पर विभिन्न समूहों के बीच शत्रुता का संप्रवर्तन व सौहार्द बिगाड़ने वाला काम कर रहे थे। पुलिस ने रनछोरदास महाराज, दीपराज गुर्जर, राघवेंद्र सिंह सहित तकरीबन 40 से 50 गुर्जर समाज के अज्ञात लोगों के खिलाफ धारा 153 ए (1) बी तथा धारा 188 सीआरपीसी में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। वहीं मामले में समाजवादी पार्टी के जालौन के जिलाध्यक्ष दीपराज गुर्जर ने कहा कि सत्ता दल के इशारे पर यह कार्रवाई की गई है। उन्होंने बताया कि मंदिर परिसर में न तो कोई राजनैतिक कार्यक्रम था और न ही पार्टी का झंडा बैनर लगा था। मंदिर में भंडारे का आयोजन था। वह भंडारे का प्रसाद ग्रहण करने गए थे, रिपोर्ट लिखने वाली पुलिस भी वहां भंडारा छक कर लौटी थी।

ट्रक ने लोडर में मारी टक्कर,लोडर के चालक की मौत

उरई/जालौन(संवाददाता)। जालौन में शनिवार को रफ्तार का कहर देखने को मिला। जहां तेज रफ्तार ट्रक ने लोडर में टक्कर मार दी। इस हादसे में लोडर चालक की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही

पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना डकोर कोतवाली क्षेत्र के उरई राठ रोड स्थित कस्बा डकोर की है। जहां जालौन कोतवाली के मोहल्ला हरीपुरा निवासी सुशील कुमार 23 वर्ष भाड़े पर लोडर चलाता था, जो शनिवार तड़के जालौन से अपनी लोडर में केले लादकर जिला हमीरपुर के राठ की ओर जा रहा था। इस दौरान जब वह उरई राठ रोड के कस्बा डकोर से गुजर रहा था, तभी डकोर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के पास तेज रफ्तार ट्रक ने लोडर में टक्कर मार दी, जिससे उसका अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें फंसकर ड्राइवर सुशील की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद वाहन लेकर ड्राइवर भाग निकला। शनिवार को जब ग्रामीणों का गुजरना हुआ तो उनकी नजर क्षतिग्रस्त लोडर में फंसे ड्राइवर पर गई, जिसकी जानकारी पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और लोडर में फंसे ड्राइवर के शव को बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फिलहाल पुलिस ने टक्कर मारने वाले वाहन व ड्राइवर की खोज शुरू कर दी है।

ईद मिलादुन्नबी और गर्णेश चर्तुथी पर चाक चौबंद इन्तजामों का अपर नगर आयुक्त ने लिया जायजा

ईद मिलादुन्नबी और गर्णेश चर्तुथी पर जगमग रोशनी से रोशन व सफाई से चमकेगा शहर–04 सेक्टरों में थाना वाइज अधिकारी तैनात–चम्पे चम्पें पर होगी निगम की नजर

अधीनस्थों को गर्णेश चर्तुथी की व्यवस्थाओं पर पैनी नजर रखने की हिदायत

अलीगढ (अमित कुमार वर्मा)। गर्णेश चर्तुथी के अवसर पर भगवान गर्णेश की प्रतिमा विसर्जन मार्ग और ईद मिलादुन्नबी के पावन अवसर पर शहर के विभिन्न हिस्सों में होने वाली इबादत जलसे व जुलूस की व्यवस्थाओं को चक चावल और उम्दा तरीके से करने का वादा नगर निगम ने किया है। बुधवार को गणेश चतुर्थी और ईद मिलादुन्नबी की व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए अपर नगर आयुक्त ऋतु पूनिया ने अधीनस्थों के साथ शहर के रसलगंज शाह जमाल कर्बला ईदगाह जमालपुर ईदगाह जीवनगढ़ जाकिर नगर रामघाट रोड आगरा रोड सासनी गेट चौराहा हाथरस अड्डा खिरनी गेट मदार गेट अचल ताल नौरंगाबाद का दौरा किया। ईद मिलादुन्नबी और गर्णेश चर्तुथी पर मूर्ति स्थापना स्थल विसर्जन मार्ग, धार्मिक स्थलों, आयोजन स्थल के आस–पास सफाई, पेयजल, पथ प्रकाश व निर्माण व्यवस्था के लिये 04 सेक्टर पुलिस थाना वाइज बनाये गये है। जिसमें 35 अधिकारियों की 24 टीमें बनायी गयी है। उन्होनें बताया कि गर्णेश चर्तुथी के अवसर पर 4 सेक्टर बनाये गए है।

ईद मिलादुन्नबी और गर्णेश चर्तुथी पर प्रभारी नगर स्वास्थ्य अधिकारी व जोनल सफाई अधिकारी सम्पूर्ण महानगर में तथा धार्मिक स्थलों के आसपास व सफाई व्यवस्था के लिये पूर्ण रूप से उत्तरदायी होगें। महानगर के श्रद्धालुओं के आनेजाने वाले मार्गो से नियमित रूप से कूड़ा उठवाया जाना सुनिश्चित करायेगें।

महाप्रबधंक(जल) ईद मिलादुन्नबी और गर्णेश चर्तुथी पर निर्धारित रूटध्मार्गो पर सड़क एवं सड़क की पट्टरी पर कहीं भी जल भराव की कोई स्थिति न हो और यह भी सुनिश्चित करायेगें की जलकल संस्थान में पर्याप्त मात्रा में पानी के टैंकर भरे हुये उपलब्ध रखे ताकि किसी भी आपात स्थिति में उनका उपयोग किया जा सके। प्रमुख धार्मिक स्थलों, चौराहों मूर्ति स्थापना स्थल पर आवश्यकतानुसार पेयजल के टैंकर भी खड़े कराया जाना सुनिष्चित करायेगें। इसके साथ–साथ यह भी सुनिश्चित कराये की श्रद्धालुओं के आने जाने वाले मार्गो पर कोई भी मैन हॉल खुलाध्लीकेज आदि न हो।

मुख्य अभियन्ताः–ईद मिलादुन्नबी और गर्णेश चर्तुथी परम्परागत मूर्ति स्थापना स्थल विसर्जन मार्ग व सम्पूर्ण महानगरं में कही भी मार्गो में कोई गड्ढा, पुलिया, स्लैव आदि क्षतिग्रस्त न हो। यदि हो तो प्राथमिकता पर ठीक कराये और श्रद्धालुओ के आवागमन के सभी मार्गो पर पैच वर्क तत्काल कराया जाये। प्रभारी अधिकारी वर्कशॉपः–ईद मिलादुन्नबी और गर्णेश चर्तुथी परम्परागत मूर्ति स्थापना स्थल व भण्डरा स्थलों पर कूड़ेदान रखवाये और मंदिरध्मार्ग पर सफाई व्यवस्था के दृष्टिगत दौने पतल डालने हेतु कूड़ेदान की व्यवस्था करायेगें। प्रभारी अधिकारी कंट्रोल रूमः– ईद मिलादुन्नबी और गर्णेश चर्तुथी को दृष्टिगत रखते हुये नगर निगम कंट्रोल रूम को नियमित कार्यशील रखेगें और किसी भी शिकायत पर प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करायेगें।

प्रभारी अधिकारी पथ प्रकाश ईद मिलादुन्नबी और गर्णेश चर्तुथी को दृष्टिगत रखते हुये प्रमुख धार्मिक स्थलों विशेषकर मार्गो, मंदिरों के आस–पास के मार्गो, भण्डरा स्थल, कैम्पों एवं बाजारों में बंद पड़े प्रकाश बिन्दुओं प्रयोज्जलित कराया जाना सुनिश्चित करेगें।

अटेवा पेंशन बचाओ मंच अलीगढ़ द्वारा साइकिल यात्री राजेन्द्र निकम का मडराक टोल प्लाजा पर किया गया स्वागत

अलीगढ (नवीन चोहान)। अटेवा पेंशन बचाओ मंच अलीगढ़ द्वारा महाराष्ट्र के मुंबई से साइकिल यात्रा द्वारा अलीगढ़ की धरती पर पधारे राजेन्द्र निकम जी का मडराक टोल प्लाजा पर स्वागत किया गया। उसके बाद रात्रि विश्रा ज्ट अप हअ ज्टम के लिए उन्हें होटल क्लार्क में ठहराया गया जहां पर पत्रकार वार्ता हुई जिसमे अटेवा के पदाधिकारियों ने पेंशन शंखनाद रैली की माध्यम से सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर सरकार ने 2024 से पहले कर्मचारियों एम शिक्षकों की पुरानी पेंशन बहाल नहीं करती है तो सरकार को 2024के चुनाव में ध्स्त्ता से उखाड़ फेंकने का काम करेंगे।इस अवसर पर अटेवा के प्रदेश संगठन मंत्री डॉ भूरी सिंह सोसल मीडिया प्रभारी कुलदीप सैनी मंडल अध्यक्ष दिनेश कुमार जिलाध्यक्ष राम ध्यान यादव जिला मंत्री महेंद्र सिंह जिला कोषाध्यक्ष नीरज पाठक जिला संगठन मंत्री हीरालाल यादराम अखिलेश कुमार मयंक यादव प्रवीण कुमार महेशचंद्र ,धर्मपाल सिंह, धर्मेंद् सिंह सुनील कुमार राकेश यादव, रमाशंकर सिंह आदि मौजूद रहे।

एनसीसी अधिकारी भूपेन्द्र सिंह के नेतृत्व में स्वच्छता अभियान के तहत गोष्ठी का आयोजन

अलीगढ (ममता रानी)। एनसीसी ऑफिसर भूपेन्द्र सिंह ने कैडेट्स को स्वच्छता का महत्व बताते हुए कहा कि सफाई हमारी व्यक्तिगत और सामाजिक जिम्मेदारी है जिसे हमे जीवन शैली के तौर पर अपनाना होगा।

कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि सहायक नगर आयुक्त ठाकुर प्रसाद ने कैडेट्स को नगर निगम की जनहित की योजनाओं की जानकारी दी साथ ही साथ अलीगढ़ को अव्वल दर्जे का स्मार्ट सिटी बनाने की प्रतिबद्धता जाहिर की।

उन्होंने घरेलू स्तर पर लोगो को जागृत करने की अपील कैडेट्स से की।उन्होंने कहा कि प्रत्येक कैडेट्स अपने दाए और बाएं के पड़ोसियों को भी अगर अभियान के प्रति जागरूक करेगा तो स्वछता की लक्ष्य प्राप्ति सुलभ हो जाएगी। उन्होंने विद्यालय व घरेलू स्तर पर ष्कंपोस्टपिट बनाने का भी सुझाव दिया जिससे किचन और गार्डन वेस्ट का सहज समाधान हो सके। प्रधानाचार्य क्रिशन कुमार ने सभी आगंतुकों का आभार प्रदर्शन किया।सभी कैडेट्स को ओजोन परत संरक्षण की शपथ दिलाई!

इस अवसर पर 8 यू पी बटालियन

के हवलदार मुकेश कुमार शिक्षक महेंद्र सिंह सी पी सिंह नगर निगम से राशिद अली सहित सभी कैडेट्स उपस्थिति रहे। कार्यक्रम का समापन एनसीसी गीत व जयघोष के साथ किया गया।

सिविल डिर्फेन्स नागरिक सुरक्षा कोर अलीगढ का आपदा प्रबन्धन प्रशिक्षण सम्पन्न

अपर नगर मजिस्टेट अमित कुमार भटट सहित सहायक उपनियंत्रक संगीता त्रिपाठी रही मौजूद

अलीगढ (अमित कुमार वर्मा)। नागरिक सुरक्षा कोर का एक दिवसीय आपदा प्रबन्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम रामघाट रोड स्थित नाहर सिंह ईण्टर कालिज में सम्पन्न हुआ कार्यक्रम के मुख्यअतिथि अपर नगर मजिस्टेट अमित कुमार भटट रहे वही विशिष्ठ के तौर सहायक उपनियंत्रक संगीता त्रिपाठी जी मौजूद रही कार्यक्रम संयोजक परवेक्षक अधिकारी चन्द्रपाल सिंह रहे।

कार्यक्रम का शुभारंम्भ मॉ सरस्वती के प्रतीक चिन्ह पर माल्यापर्ण व दीप प्रज्जवन कर किया गया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि व विशिष्ठ अतिथि को नागरिक सुरक्षा कोर सिंविल डिफेन्स सभी सेक्टर वार्डनों सलामी देकर प्रारम्भ किया गया । कार्यक्रम में राष्ट्रगान का आयोजन किया गया तत्तपश्चात प्रशिक्षण वर्ग में सेक्टर वार्डनों द्वारा पानी में डूबे व्यक्ति जहर विषाक्त खाये व्यक्ति एंव आगजनी फायर फास्ट आदि के समय जन हानि होने बचाव कार्य करने जैसे प्रशिक्षण दिये गये।

आपदा प्रबन्धन प्रशिक्षण में सगीता त्रिपाठी ने सेक्टर वार्डनों को आपदा के समय अपने आप को सभालतें हुये केसे आम जन मानस की जान बचाई जा सकती है का प्रशिक्षण दिया।

प्रशिक्षण के दौरान अपर नगर मजिस्ट्रेट अमित कुमार भटट ने बताया कि आने वाले त्योहारों पर सिविल डिफेन्स के जवानों की डयूटी लगाई जायेगी उन्हे 28.9.2023 को भी शहर के प्रमुख चौराहो पर तैनात किया जावेगा जिससे कल गणेश विर्षन को जाने आने वाले लोगो को आसानी व सावधानी पूर्वक निकाला जा सकता है भविष्य में जस्रत के आधार पर सभी सेक्टर वार्डनों का सहयोग लिया जायेगा आगामी त्योहारों को देखतें हुये जैसे नो दुर्गा दीपावली इत्यादि में सिविल डिफेन्स के जवानों की डयूटी लगायी जायेगी सेक्टर वार्डनों ने पूर्व में काफी सहयोग लिया जाता रहा है आगे भी लिया जाता रहेगा।

प्रशिक्षण देने आयी संगीता त्रिपाठी ने बताया कि हमारे सेक्टर वार्डन पूरी तरह तैयार है जब प्रशानिक सुचना हमारे पास आयेगी हमारे सेक्टर वार्डन हर समय तैयार रहते है और आगे भी सदैव प्रशासन के साथ कंधा से कंधा मिलाकर निशुल्क तौर पर तैयार रहेगें साथ उन्होने बताया कि सिविल डिफेन्स के वह जवान है जो आंधी बारिस तूफान में भी पीछे हटने वाले नही है खवर मिलतें ही अपने लक्ष्य की ओर दौड पडतें है। परवेक्षक अधिकारी चन्द्रपाल सिंह ने बाताया कि हमारे सभी सेक्टर जवान हर समय तैयार है यह एक ऐसी संस्था है निश्वार्थ रूप से कार्यकरती है देश सेवा व देश के लिये पूरी तरह से समर्पित है हमारे जवानों देश हित के लिये कार्य करने में काफी खुशी मिलती है जल्द ही सिविल डिफेन्स के सभी जवानों जैकेट एंव कैप उपलब्ध करा दिये जायेगे अपर जिलाधिकारी महोदय एंव जिलाधिकारी महोदय का पूर्ण सहयोग प्रदान किया जाता है हम उनके तहे दिल शुक्रिया करते ऐसे ही सदैव उनका सहयोग हमे मिलता रहेगा एंसी हम भगवान से कामना करते है।

प्रशिक्षण में मुख्यत योगेंद्र सिंह ए पी सिंह तोमर प्रमोद कुमार शिवम चौधरी योगेश कुमार पवन कुमार नितीश कुमार चंद्रशेखर विनीत कुमार दीपक वासने दुर्गेश कुमार उपाध्यक्ष हेमंत सत्यम पवन शर्मा अमित कुमार वर्मा वीरेंद्र सिंह कल्पना पूनम रजनी प्रीति शर्मा ममता रानी आदि लोग उपस्थित रहे।

अज्ञात एवं लावारिसों को श्रद्धाजली देने के लिए मानव उपकार संस्था निकालेगी अस्थि विसर्जन यात्रा

181 पदाधिकारी हवाई जहाज से अस्थियों ले जाकर पशुपतिनाथ (नेपाल) में करेंगे विसर्जन

अलीगढ (वीरेन्द्र सिंह)। पितृपक्ष में आम लोग अपने पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए जहां आप कर्म करते है, साथ ही वर्ष आदि कार्यक्रम करते है, वहीं अलीगढ़ जनपद में पाई जाने वाली अज्ञात लावारिस शव की आत्मा की शांति के लिये मानव उपकार संस्था जहां शवों की रूह ध आत्मा की शांति के लिये कुरानखानी करती है, यहीं हिन्दू धर्म के अनुसार उनकी आत्मा की शांति के लिये प्रय पितृपक्ष में उनकी अस्थियों को विसर्जन कर पिण्डदान, तर्पण और बाद करती है।

वहीं अपने अलीगढ़ जनपद में तथा जी०आर०पी० अलीगढ़ थाना क्षेत्र के पाई जाने वाली सर्व धर्म समभाव के अंतगर्त मुस्लिग शो की रूह ध आत्मा की शांति के लिए मुस्लिम धर्मानुसार संस्था द्वारा प्रत्येक वर्ष कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है वही दूसरी और हिन्दू धर्मानुसार हिन्दू का मानव उपकार संस्था द्वारा अतिम संस्कार कर उनकी शिनोखा के सुरक्षित रखी हुई अस्थियों को सम्मान के साथ प्रत्येक वर्ष दिन्न तीर्थस्थलों पर मौजूद पवित्र नदियों मानव उपटना के संरक्षक उमेश वार्ष्णेय ने पत्रकार पार्यो में जानकारी देते हुए कहा कि इस कलयुग के दौर में जहां एक कुछ लोग जी अपने माता–पिता की सेवा करने से मुंह मोड़ लेते है, एवं अपने परिजनों का पितृपक्ष में आम कर्म भी नहीं करते हैं, यहीं दूसरी तरफ उन अमार्ग एवं पराये अज्ञात शवों को मानव उपकार संस्था अपना कर जहां उनका अंतिम संस्कार करती है, वहीं विभिन्न धर्मानुसार उनकी आत्मा की शांति हेतु कार्य करती है. इसी परिपेक्ष में हिन्दू धर्म के शास्त्रों के अनुसार मृतक के

अंतिम संस्कार के उपरान्त उसकी अस्थियों को जब तक गंगा में या किसी पवित्र नदी में विसर्जित नहीं किया जाता, साथ ही पितृपक्ष में तर्पण पिण्डदान एवं श्राद्ध कर्म नहीं किया जाता तब तक उस मृत व्यक्ति की आत्मा को शांति नहीं मिलती।

संस्थाध्यक्ष विष्णु कुमार बंटीश में जानकारी देते हुए कहा कि इसी क्रम में गत दिनों मानव उपकार संस्था में मुस्लिम धर्म के शवों की रूह की शांति के लिए नुमाइश मैदान स्थित मस्जिद में कुरानखानी का आयोजन किया यही हिन्दू धर्म के अज्ञात लावारिस शवों के अंतिम संस्कार के उपरांत सुरक्षित रखी हुई 171 लावारिस शव व 1 किन्नर सहित 25 वारिसों की अस्थियों को मोक्ष प्रदान करते हेतु पितृपक्ष में पहली बार विदेश नेपाल स्थित पशुपतिनाथ मानव उपकार संस्था के 181 मानवसेवक हवाई जहाज द्वारा 30 सितम्बर 2023 दिन शनिवार को ज्यूपीटर लॉज आई०टी०आई० रोड से प्रस्थान करेगे। संस्था के चेयरमैन पंकज धीरज ने बताया कि नेपाल जाने से पूर्व अलीगढ़ महानगर में आम लोगों को उनके अंतिम दर्शन कराने एवं उनको श्रद्धाजलि प्रदान करने हेतु बुद्धवार 27 सितम्बर 2023 को साथ 4 बजे से प्रदर्शनी मैदान स्थित मुक्तिधाम से एक अंतिम दर्शन अस्थि कलश यात्रा निकाली जायेगी उससे पूर्व इन अस्थियों को अंतिम श्रद्धाजति देने हेतु अलीगढ़ जनपद के विभिन्न पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी तथा विभिन्न जनप्रतिनिधि उपस्थित रहेगे।

संस्था महामंत्री हरिकृष्ण मुरारी शर्मा ने बताया कि संस्था द्वारा अभी तक गया. गंगासागर हरिद्वार प्रयाग अयोध्या उजैन, चित्रकुट, बनारस, सौरो जी द्वारका, सोमनाथ रामेश्वरम कन्याकुमारी, अनुपशहर राजघाट, नरौरा गढ़मुक्तेश्वर पुरी धा ज्योतिर्लिंग पुरियो सहित गया गंगासागर आदि तीर्थ स्थलों पर विसर्जन करने के उपरांत पहली बार नेपाल जाकर अस्थियों का विसर्जन किया जायेगा।

नेपाल अस्थि विसर्जन यात्रा के संयोजक किशन गुप्ता एवं राजीव वार्ष्णेय धर्मकांटा ने बताया कि संस्था के 101 मानवसेवक 196 लावारिस शवों की अस्थियों को नेपाल की राजधानी काठमांडू में बागमती नदी में विसर्जन करने के उपरान्त उनका पिण्डदान तर्पण व श्राद्ध कर पशुपतिनाथ, भोलेश्वर महादेव, मनोकामना देवी, सीता मझ्या की जन्मस्थली जनकपुर, विनयवासनी मंदिर, गुप्तेश्वर गुफा आदि तीर्थ स्थली के दर्शन कर मोक्ष की कामना करेगें।

जल्द दूर होगी महावीर पार्क मे सीवर की परेशानी, क्षेत्रीय जनता की शिकायत पर संग पहुॅची अपर नगर आयुक्त

क्षेत्रीय जनता को किया आश्वत.तीन दिन में सीवरेज समस्या का होगा स्थाई समाधान

अलीगढ (प्रीती शर्मा)। पिछले कई दिनों से महावीर पार्क में सीवर की समस्या की जल्द निदान होने जा रहा है। गुरूवार दोपहर में महावीर पार्क में सीवरेज की समस्या को लेकर क्षेत्रीय नागरिक नगर निगम सेवाभवन में अपर नगर आयुक्त ऋतु पूनिया से मिले। अपर नगर आयुक्त ऋतु पूनिया ने नागरिकों की समस्या का संज्ञान लेते हुये नागरिकों के साथ मौका मुआयना किया। अपर नगर आयुक्त ने मौके पर ही महाप्रबंधक जलए सीवर प्रभारी और क्षेत्रीय एसएफआई और सैनेटरी सुपरवाइजर को मौके पर तलब किया और समस्या के स्थाई समाधान के सम्बन्ध में कड़े निर्देश दिये। मौके पर अपर नगर आयुक्त ने क्षेत्रीय नागरिकों की मौजूदगी में सीवर सकिंग मशीन को लगाकर जल निकासी करायी और अगले तीन दिनों में छर्रा अड्डा पर जल निगम द्वारा डाली जा रही सीवर लाइन कार्य को पूर्ण कराये जाने के उपरान्त क्षेत्र में सीवरेज की समस्या का स्थाई समाधान होने के बारे में क्षेत्रीय नागरिकों को बताया।

नगर आयुक्त अमित आसेरी ने बताया कि जल निगम और जलकल विभाग की टीमों को युद्धस्तर पर छर्रा अड्डा सीवर लाइन डालने के कार्य को पूर्ण करने के कड़े निर्देश दिये गये है।

अपर नगर आयुक्त ऋतु पूनिया ने कहा क्षेत्रीय जनता के साथ समस्या का मौका मुआयना कर अधीनस्थों को त्वरित निस्तारण करने की जिम्मेदारी निर्धारित की गयी है सम्भवत् छर्रा अड्डा पर डाली जा रही सीवर लाइन के तीन दिन में कार्य पूर्ण हो जाने पर इस समस्या का स्थाई समाधान हो सकेगा।

समाजवादी पार्टी कार्यालय पर महिला सभा की प्रदेश महासचिव व अलीगढ प्रभारी अर्चना पंडा का जिलाध्यक्ष लक्ष्मी धनगर ने किया स्वागत

अलीगढ (वीरेन्द्र सिंह)। अलीगढ़ समाजवादी पार्टी कार्यालय क्वारसी स्थित कार्यालय पर महिला सभा समाजवादी पार्टी की प्रदेश महासचिव अलीगढ़ प्रभारी अर्चना पंडा जी का जिला अध्यक्ष लक्ष्मी धनगर सहित अन्य पदाधिकारी ने जोरदार स्वागत किया तत्पश्चात उन्होंने बताया कि आज अलीगढ़ में बदलाव की लहर है भाजपा पूर्व से ही जुमलेबाजी करती आ रही है और आगे भी करती रहेगी लेकिन समाजवादी पार्टी की सरकार जो भी कहती है वही करती है आप अलीगढ़ ही नहीं देश व प्रदेश में कहीं भी यह देख ले की महिलाओं को सम्मान केवल समाजवादी पार्टी में दिया जाता है अन्य किसी पार्टी में

नहीं भविष्य में आने वाली सरकार समाजवादी पार्टी की ही सरकार होगी क्योंकि अब भाजपा चाहे तेल के दाम कम कर दे या गैस सिलेंडरों के दाम कम कर दे जनता देखने वाली नहीं है आप जनता संभाल चुकी है उन्हें अपना भविष्य साफ.साफ दिखाई दे रहा है इसी बदलाव के साथ अर्चना पांडे जी ने मंच को संबोधित करते हुए ज्यादा से ज्यादा महिलाओं का समाजवादी पार्टी में जोड़ने के लिए आवाहन किया साथी बूथ स्तर से लेकर प्रदेश स्तर की कमेटियों में अपनी भागीदारी देने का आश्वासन दिया।

एएमयू में पूर्णकालिक कुलपति नियुक्ति किए जाने की मांग

अलीगढ(संवाददाता))। समाजवादी पार्टी (सपा) के दो संसद सदस्यों ने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) में कई महीने गुजर जाने के बावजूद किसी पूर्णकालिक कुलपति की नियुक्ति नहीं होने से उत्पन्न हालात पर चिंता जाहिर करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखकर हस्तक्षेप की गुजारिश की है। सपा के राज्यसभा सदस्य जावेद अली और लोकसभा सदस्य एस.टी. हसन ने राष्ट्रपति को भेजे गये अलगकृअलग पत्रों में एएमयू के मौजूदा हालात पर चिंता जताते हुए उनसे फौरन हस्तक्षेप का अनुरोध किया है। उन्होंने एएमयू के हालात को खराब बताते हुए कहा है कि स्थिति को और न बिगड़े इसके लिये राष्ट्रपति इसमें फौरन दखल दें। जावेद अली ने राष्ट्रपति को गत एक सितंबर को पत्र लिखा, जबकि हसन ने पिछले हफ्ते ही यह खत भेजा है। एएमयू टीचर्स एसोसिएशन ने दोनों सपा संसद सदस्यों के वे पत्र मीडिया को जारी किये हैं। इन पत्रों में कहा गया है कि एएमयू में पिछले करीब पांच महीनों से कोई पूर्णकालिक कुलपति नहीं है। इस अप्रत्याशित विलम्ब के चलते नीतिगत निर्णय नहीं लिये जा पा रहे हैं तथा विश्वविद्यालय की व्यवस्था चरमरा गयी है। पत्र में दोनों संसद सदस्यों ने कहा है कि इसी साल अप्रैल में प्रोफेसर तारिक मंसूर के कुलपति पद से इस्तीफा देने के बाद नये कुलपति की नियुक्ति नहीं की गयी है। वैसे नये कुलपति की नियुक्ति की कवायद मई 2022 से पहले ही पूरी हो जानी चाहिये थी, लेकिन अलगकृअलग बहाने करके अब 16 महीने गुजार दिये गये हैं। दोनों संसद सदस्यों ने कहा कि तदर्थवाद की संस्कृति के परिणामस्वरूप एएमयू को दीर्घकालिक अपूरणीय क्षति हो रही है। उन्होंने एएमयू की कुलाधिपति राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को कुलपति पद के तीन दावेदारों के नाम भेजने में हो रहे विलंब पर भी चिंता जाहिर की है। वर्ष 2017 में पांच साल के लिये कुलपति नियुक्त किये गये प्रोफेसर तारिक मंसूर को केन्द्र सरकार ने एक साल का सेवा विस्तार दिया था, मगर अपना विस्तारित कार्यकाल पूरा करने से कई महीने पहले ही मंसूर ने इसी साल अप्रैल में पद से इस्तीफा दे दिया था और भारतीय जनता पार्टी ने उन्हें राज्य विधान परिषद का सदस्य मनोनीत किया था।

जन नायक सम्राट
हिन्दी साप्ताहिक
मालिक, मुद्रक, प्रकाशक आरती वर्मा द्वारा आशु प्रिंटिंग प्रेस, अचल ताल, अलीगढ़ से मुद्रित कराकर कार्यालय सरोज नगर, गली नम्बर 5, अलीगढ़ से प्रकाशित।
सम्पादक
अमित कुमार वर्मा
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जनपद अलीगढ़ न्यायालय ही होगा।